3

साझेदार का अवकाश ग्रहण (निवृत्ति) व मृत्यु पर लेखे
(Accounting for Retirement and Death of Partner)

अध्ययन उद्देश्य (Learning Objectives)

इस अध्याय के अध्ययन करने के पश्चात् आप यह समझने योग्य हो जाते हैं:–

- साझेदार के अवकाश ग्रहण का अर्थ व विधियाँ
- किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण या मृत्यु पर नये लाभ विभाजन अनुपात व फायदे(लाभ प्राप्ति) का अनुपात ज्ञात करना।
- त्याग अनुपात व फायदे के अनुपात में अन्तर ज्ञात करना
- किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण या मृत्यु पर ख्याति संबंधी लेखा व्यवहार
- किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण या मृत्यु पर सम्पतियों का पुनर्मूल्यांकन व दायित्वों के पुनः निर्धारण पर पुनर्मूल्याकन खाता बनाना
- किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण या मृत्यु पर संचित लाभों–हानियों व संचयों का लेखा व्यवहार
- किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण पर संयुक्त व पृथक जीवन बीमा पत्र का लेखा व्यवहार
- किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण या मृत्यु पर देय राशि का निर्धारण व भुगतान
- किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण या मृत्यु पर पूँजी का समायोजन
- मृत साझेदार के प्रतिनिधि का खाता तैयार करना
- यदि साझेदार की निवृति व प्रवेश साथ–2 हो तो लेखांकन व्यवहार
- किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण या मृत्यु पर देय राशि का निस्तारण न करने पर धारा 37 के प्रावधान

जब कोई साझेदार स्वेच्छा से, वृद्धावस्था, अस्वथता, पारस्परिक मतभेद, आपसी सहमति अथवा अन्य किसी भी कारण से फर्म से अलग हो जाता हैं तो उसे साझेदार का अवकाश करना कहते हैं। अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को बाहर जाने वाला साझेदार(out-going partner) भी कहते हैं। भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 की धारी 32(1) के अनुसार निम्न दशाओं में साझेदार अवकाश ग्रहण कर सकता हैं–

(i) समस्त साझेदारों की सहमति से, **(ii)** साझेदारों के मध्य हुऐ स्पष्ट ठहराव के अनुसार, **(iii)** यदि साझेदारी ऐच्छिक हैं तो शेष सभी साझेदारों को अपने अवकाश ग्रहण की सूचना देकर।

साझेदार के अवकाश ग्रहण पर आने वाली लेखांकन समस्याएं(Accounting problems arising at the time of Retirement of a Partner):

1. नया लाभ हानि अनुपात तथा फायदे का अनुपात ज्ञात करना, **2.** ख्याति का समायोजन, **3.** सम्पतियों व दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन, **4.** संचित लाभों अथवा हानियों का विभाजन, **5.** संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी का समायोजन, **6.** अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को देय राशि का निर्धारण, **7.** अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार के उत्तराधिकारी को देय राशि का भुगतान, **8.** पूँजी का समायोजन

नया लाभ विभाजन अनुपात ज्ञात करना
(Calculation of New Profit Sharing Ratio)

साझेदार के अवकाश ग्रहण करने पर शेष साझेदारों के लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन होता हैं, अतः नये लाभ विभाजन अनुपात की गणना आवश्यक हो जाती हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात वह अनुपात हैं जिसमें शेष साझेदार

भविष्य में होने वाले लाभ का विभाजन करेंगे। इसकी गणना निम्न सूत्र से करेगें एवं अग्र–लिखित उदाहरणों से समझेंगें।

New Profit Sharing Ratio(NPSR) = Old Profit Sharing Ratio(OPSR) + Gaining Ratio(GR);
Gaining Ratio(GR) = New Profit Sharing Ratio(NPSR) - Old Profit Sharing Ratio(OPSR)

I. जब प्रश्न में शेष साझेदारों का नया अनुपात नहीं दिया गया हो ऐसी स्थिति में यह मान लिया जाऐगा कि शेष साझेदार अपने पुराने अनुपात में ही लाभ विभाजन करेंगे अर्थात् पुराना अनुपात ही नया अनुपात बन जायेगा।

(i) A, B व C एक फर्म में साझेदार हैं जो 3:2:1 में लाभ विभाजन करते हैं। नये लाभ विभाजन अनुपात की गणना करें, यदि **i.** A अवकाश ग्रहण करता हैं तो नया अनुपात 2:1 होगा। **ii.** B अवकाश ग्रहण करता हैं तो नया अनुपात 3:1 होगा। **iii.** C अवकाश ग्रहण करता हैं तो नया अनुपात 3:2 होगा।

Note: अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार के हिस्से को हटाकर शेष साझेदारों का अनुपात ही नया लाभ विभाजन अनुपात कहलाता हैं।

II. जब एक साझेदार अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार का सम्पूर्ण हिस्सा क्रय कर लेता हैं: ऐसी स्थिति में हिस्सा क्रय करने वाले साझेदार के लाभ विभाजन अनुपात में वृद्धि होगी व अन्य साझेदारों के अनुपात में कोई परिवर्तन नहीं होता हैं।

उदाहरण: A, B व C एक फर्म में साझेदार हैं और 2:2:1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। C फर्म से अवकाश ग्रहण करता हैं। C का पूरा हिस्सा A क्रय करता हैं तो नया लाभ–विभाजन अनुपात होगा।

NPSR = OPSR + GR or A का नया अनुपात $\frac{2}{5}+\frac{1}{5}=\frac{3}{5}$; A व B का नया अनुपात $\frac{3}{5}:\frac{2}{5}=3:2$

III. जब शेष साझेदार ग्रहण करने वाले साझेदार के हिस्सें को किसी विशेष अनुपात में खरीदते हैं:–

ऐसी स्थिति में शेष साझेदारों के पुराने अनुपात में उनके द्वारा अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार के क्रय किये गये हिस्से को जोड़ दिया जाता हैं, जैसेः

(i) A, B व C 5:4 के अनुपात में लाभ बांटते हुए साझेदार हैं B ने अवकाश ग्रहण किया। B के हिस्से को A व C ने बराबर–बराबर अनुपात में लिया हैं तो नया लाभ–विभाजन अनुपात होगा।

B का हिस्सा $\frac{4}{12}$, A का लाभ $\frac{4}{12}\times\frac{1}{2}=\frac{2}{12}$, C का लाभ $\frac{4}{12}\times\frac{1}{2}=\frac{2}{12}$

NPSR= OPSR + GR; A का नया अनुपात $=\frac{5}{12}+\frac{2}{12}=\frac{7}{12}$, C का नया अनुपात $=\frac{3}{12}+\frac{2}{2}=\frac{5}{12}$, or 7:5

(ii) A, B व C 5:3:2 के अनुपात में लाभ बाँटते हुए साझेदार हैं C अवकाश ग्रहण करता हैं। C का हिस्सा A व B 2:1 के अनुपात में क्रय कर लेते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात होगा।

C का हिस्सा $\frac{2}{10}$; A के फायदे का हिस्सा $\frac{2}{10}\times\frac{2}{3}=\frac{4}{30}$; B के फायदे का हिस्सा $\frac{2}{10}\times\frac{1}{3}=\frac{2}{30}$

NPSR= OPSR + GR; A का नया अनुपात $=\frac{5}{10}+\frac{4}{30}=\frac{9}{30}$, B का नया अनुपात $=\frac{3}{10}+\frac{2}{30}=\frac{11}{30}$,or 19:11

लाभ प्राप्ति अनुपात/अधिलाभ अनुपात/ फायदे का अनुपात (Gaining Ratio)

वह अनुपात जिसमें शेष साझेदार अवकाश ग्रहण करने वाले या मृत साझेदार के भाग को प्राप्त करते हैं उसे फायदे अनुपात कहते हैं। इस अनुपात की गणना का उद्देश्य अवकाश ग्रहण करने वाले या मृत साझेदार को देय ख्याति की राशि इसी अनुपात में शेष साझेदारों से वसूल की जाती हैं।

(i) जब नया लाभ विभाजन अनुपात दिया गया हो: उदाहरण: (i) A, B व C एक फर्म में बराबर के साझेदार हैं, B अवकाश ग्रहण करता हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात 5:4 हैं तो फायदे का अनुपात होगा।

फायदे का अनुपात (G.R.) = NPSR – OPSR; A $=\frac{5}{9}-\frac{1}{3}=\frac{2}{9}$, B $=\frac{4}{9}-\frac{1}{3}=\frac{1}{9}$, or 2:1

(ii) जब प्रश्न में नया अनुपात न दिया गया हो– इस दशा में यह मान लिया जाता हैं कि शेष साझेदार अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार के लाभों को अपने पुराने अनुपात में ही प्राप्त किया हैं। इस प्रकार पुराना अनुपात ही फायदे का अनुपात होगा।

(iii) A, B व C एक फर्म में साझेदार हैं, जो 5 : 4 : 1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। निम्न में से प्रत्येक दशा में फायदे का अनुपात होगा। जबकि– **(a)** A अवकाश ग्रहण करता हैं तब 4 : 1 **(b)** B अवकाश ग्रहण करता हैं तब 5 : 1 **(c)** C अवकाश ग्रहण करता हैं तो तब 5 : 4

त्याग अनुपात व फायदे (लाभ प्राप्ति) के अनुपात में अन्तर

अन्तर का आधार	त्याग अनुपात	फायदे का अनुपात
1. अर्थ	इसमें पुराने साझेदार अपने लाभ का हिस्सा नये साझेदार के पक्ष में त्याग करते हैं।	इसमें शेष साझेदार अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार या मृत साझेदार के लाभ के भाग को प्राप्त करते हैं।
2. गणना का समय	नये साझेदार के प्रवेश पर	किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण या मृत्यु पर
3. गणना का सूत्र	पुराना लाभ विभाजन अनुपात– नया लाभ विभाजन अनुपात	नया लाभ विभाजन अनुपात – पुराना लाभ विभाजन अनुपात
4. गणना का उद्धेश्य	नये साझेदार के हिस्से की ख्याति की राशि को त्याग अनुपात में पुराने साझेदारों में बाँटा जाता हैं।	अवकाश ग्रहण करने वाले या मृतक साझेदार की ख्याति के हिस्से को शेष साझेदार फायदे के अनुपात में बाँटते हैं।
5. प्रभाव	यह पुराने साझेदारों के लाभ के हिस्से में कमी का प्रतीक हैं।	यह शेष साझेदारों के लाभ के हिस्से में वृद्धि का प्रतीक हैं।

ख्याति का लेखांकन व्यवहार
(Accounting Treatment of Goodwill)

लेखा मानक 26/New Indian Accounting Standard 38 के अनुसार केवल क्रय की गयी ख्याति को ही पुस्तकों में दिखाया जा सकता हैं अर्थात जिसके लिए नकद प्रतिफल चुकाया गया हो इस प्रकार स्वअर्जित ख्याति का लेखा नहीं होता हैं। अतः किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण करने पर /मृत्यु के समय ख्याति का समायोजन पूँजी खातों के माध्यम से किया जायेगा। ख्याति खाता पुस्तकों में नही खोला जा सकता। इस सम्बन्ध में लेखांकन प्रविष्टियां होगी :

1. यदि चिट्ठे में ख्याति खाता विद्यमान हो तो उसे अपलिखित करने पर

All Partner's Capital A/c	Dr.	
To Goodwill A/c		

(Being existing goodwill written off in OPSR)

2. अवकाश ग्रहण/मृत साझेदार के हिस्से से ख्याति का लेखा

Remaining Partner's Capital A/c	Dr.	
To Retiring / Deceased Partner's Capital A/c		

(Being Retiring/Deceased Partner's share of goodwill adjusted in GR)

विभिन्न उदाहरणों से ख्याति का लेखांकन व्यवहार हम भलीभांति समझ समझ सकेंगे :

उदाहरण 1 : **(i)** A, B व C एक फर्म में साझेदार हैं C के अवकाश ग्रहण करने पर फर्म की ख्याति का मूल्य ₹ 60,000 निश्चित किया गया। A व B भविष्य में लाभ 3 : 2 के अनुपात में बाँटेंगे। पुस्तकों में ख्याति ₹ 36,000 दिखाया हुआ हैं, ख्याति के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां कीजिये।

Gain Ratio = NPSR – OPSR; A = $\frac{3}{5}-\frac{1}{3}=\frac{9-5}{15}=\frac{4}{15}$; B = $\frac{2}{5}-\frac{1}{3}=\frac{6-5}{15}=\frac{1}{15}$; or 4:1

A's Capital A/c	Dr.	16,000	
B's Capital A/c	Dr.	4,000	
To C's Capital A/c			20,000
(Being retiring Patner's share of goodwill adjusted to remaining partner's in their gaining ratio)			
A's Capital A/c	Dr.	12,000	
B's Capital A/c	Dr.	12,000	
C's Capital A/c	Dr.	12,000	
To Goodwill A/c			36,000
(Being existing goodwill written off)			

(ii) A, B व C लाभों को 3 : 4 : 3 के अनुपात में बाँटते हुए साझेदार हैं। C के अवकाश ग्रहण करने पर फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 60,000 पर निश्चित किया गया। नया लाभ विभाजन अनुपात 3 : 7 हैं। ख्याति के सम्बन्ध में आवश्यक प्रविष्टि दीजिए।

फायदे का अनुपात (G.R.) = NPSR – OPSR; A = $\frac{3}{10} - \frac{3}{10}$ = Nil(0) ; B = $\frac{7}{10} - \frac{4}{10} = \frac{3}{10}$

B's Capital A/c	Dr.	18,000	
To C's Capital A/c			18,000
(Being C's Share of goodwill ₹ 18,000 adjusted with gaining partner B)			

(iii) किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण/मृत्यु की दशा में बचे हुए साझेदारों में से कोई लाभ में अपने भाग का कुछ अंश त्याग करता हैं तो अवकाश ग्रहण/मृत साझेदार के पूँजी खाते के साथ उसके खाते को भी क्रेडिट किया जायेगा।

(Gaining) Remaining partner's Capital A/c	Dr.	(लाभ प्राप्त करने के हिस्से की ख्याति)
To Retiring Partner's Capital A/c		(अवकाश ग्रहण करने वाले के हिस्से की ख्याति)
To Sacrificing Partner's Capital A/c		(त्याग करने वाले के हिस्से की ख्याति)
(Being adjustment for goodwill made)		

उदाहरण 2 : A, B व C एक फर्म में 3 : 2: 1 के अनुपात में लाभ बाँटते हुए साझेदार हैं। C ने अवकाश ग्रहण किया। A व B के बीच नया लाभ विभाजन अनुपात 1 : 2 हैं। फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 60,000 पर किया गया। ख्याति के लिए आवश्यक प्रविष्टि दीजिये।

फायदे का अनुपात (G.R.) = NPSR – OPSR(त्याग); A = $\frac{1}{3} - \frac{3}{6} = -\frac{1}{6}$; B = $\frac{2}{3} - \frac{2}{6} = \frac{2}{6}$(Gain)

यहां पर वर्तमान साझेदार B को फायदा हुआ हैं, उसके लिए उसे A व C दोनों को ख्याति में हिस्सा देना होगा। B देगा = $60,000 \times \frac{2}{6}$ = ₹ 20,000 तथा A व C का पूँजी खाता उनके त्याग अनुपात में अर्थात A = $60,000 \times \frac{1}{6}$ = ₹ 10,000, व C = $60,000 \times \frac{1}{6}$ = ₹ 10,000 से क्रेडिट होगा–

B's Capital A/c	Dr.	20,000	
To C's Capital A/c			10,000
To A's Capital A/c			10,000
(Being A & C compensated for goodwill)			

(iv) गुप्त ख्याति का लेखाः जब फर्म से अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को उसकी वास्तविक देय राशि(सभी समायोजनों के पश्चात् देय राशि) से अधिक भुगतान किया जाता हैं तो इस आधिक्य राशि को ख्याति में उसका भाग माना जाता हैं। जैसेः A, B व C साझेदार हैं। B अवकाश ग्रहण करता हैं। B के पूँजी खाते का शेष सभी समायोजनों के बाद ₹ 50,000 हैं तथा A व C उसको पूर्ण भुगतान में ₹ 60,000 चुकाने का निर्णय करते हैं, तो 60,000 – 50,000 = ₹10,000, B को ख्याति का भुगतान माना जायेगा। ख्याति की यह राशि A व C के फायदे के अनुपात में उनके पूँजी खाते में क्रेड़िट की जायेगी।

उदाहरण 3 : A, B व C एक फर्म में लाभों को 3 : 2 : 3 के अनुपात में बाँटते हुए साझेदार हैं। C अवकाश ग्रहण करता हैं। C के पूँजी खाते का शेष सभी समायोजनों के बाद ₹ 1,20,000 हैं और A व B ने उसे पूर्ण भुगतान में ₹ 1,50,000 देने का निर्णय किया हैं। ख्याति के व्यवहार के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टि कीजिए।

गुप्त ख्याति(Hidden Goodwill) =1,50,000 – 1,20,000 = ₹ 30,000

A's Capital A/c	Dr.	18,000	
B's Capital A/c	Dr.	12,000	
To C's Capital A/c			30,000
(Being C's Share of goodwill adjusted in gaining Ratio 3:2)			

सम्पतियों का पुनर्मूल्यांकन व दायित्वों का पुनः निर्धारण
(Revalution of Assets & Reassessment of Liabilities)

I. जबकि सम्पतियां पुनर्मूल्यांकन मूल्य पर पुस्तकों में दिखानी हों:

इस दशा में गणना, प्रविष्टियां व पुनर्मूल्यांकन खाता ठीक उसी प्रकार बनाया जायेगा जैसा कि नये साझेदार के प्रवेश पर बनाया जाता हैं। पुनर्मूल्यांकन पर लाभ–हानि को सभी साझेदारों(अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार सहित) में उनके पुराने लाभ विभाजन अनुपात में बांटा जायेगा। इसकी प्रविष्टि होगीः

लाभ होने पर– Revaluation A/c Dr.
To All Partner's Capital A/c(OPSR)
(Being distribution of profits on revaluation)

हानि होने पर– All Partner's Capital A/c Dr.(OPSR)
To Revaluation A/c)
(Being distribution of loss on revaluation)

II- जब **पुनर्मूल्यांकित मूल्य पुस्तकों में नहीं दिखाया जाता हैं:** अर्थात् सम्पतियों व दायित्वों को पुराने मूल्य पर ही दिखाना हो तो इस विधि को स्मरणार्थ पुनर्मूल्यांकन विधि भी कहते हैं। प्रथम भाग पुनर्मूल्यांकन खाते की भांति ही बनता हैं। इससे प्राप्त लाभ/हानि को द्वितीय भाग में पुराने साझेदारों में उनके पुराने अनुपात में बाँटने की प्रविष्टि कर उसी राशि की विपरीत प्रविष्टि शेष साझेदारों में यह राशि नये अनुपात में बाँटने के लिए कर द्वितीय भाग को बंद कर देते हैं। प्रथम भाग के लिए कोई प्रविष्टि नहीं बनायी जाती हैं। द्वितीय भाग के लिए प्रविष्टि होगीः

1. पुनर्मूल्यांकन पर लाभ का विभाजन द्वितीय भाग में करने परः
   Memorandum Revaluation A/c Dr. (in OPSR)
   To Old Partners Capital A/c
   (Profit transferred to Capital A/c)

नोटः हानि की दशा में विपरीत प्रविष्टि करेंगे।

2. उक्त लाभ के लिये विपरीत प्रविष्टि करने पर–
   Remaining Partner's Capital A/c Dr.(in NPSR)
   To Memorandum Revaluation A/c
   (Adjustment made for such profit)

नोटः हानि की दशा में विपरीत प्रविष्टि होगी। उपरोक्त सम्पूर्ण प्रक्रिया विस्तृत रूप से साझेदार का प्रवेश अध्याय में समझाई हुई हैं, यहां संक्षिप्त में दिया गया हैं।

संचित लाभों अथवा हानियों का समायोजन
(Adjustment of Accumulated Profits/Losses)

यदि किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण करने अथवा मृत्यु हो जाने पर फर्म के चिट्ठे में संचय, संचित लाभ व संचित हानियों का बंटवारा सभी साझेदारों में(अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार/मृत साझेदार सहित) उनके पुराने अनुपात में किया जाता हैं। संचय व अवितरित लाभों के संबंध में निम्न प्रविष्टि होगीः

General Reserve A/c	Dr.
P&L A/c	Dr.
Investment Fluctuation Reserve A/c	Dr. (विनियोग के मूल्य में कमी को घटाकर यदि कोई हो)
Workmen Compensation Reserve A/c	Dr. (दायित्व घटाने के बाद यदि कोई शेष हैं तो)

To All Partner's Capital A/c (OPSR)
(Being reserves & accumulated profits transferred to Partner's Capital A/c in OPSR)

अवितरित हानियों के लिए प्रविष्टि करेंगेः

All Partner's Capital A/c Dr.
To Profit and Loss A/c
To Advertisement Exp. A/c (Deferred Revenue Expenditure A/c)
(Losses distributed)

Note: Employees Provident Fund फर्म के लिए दायित्व हैं अतः इसका वितरण साझेदारों में नहीं किया जायेगा।

अब उपरोक्त समस्याओं को सम्मिलित करते हुए अवकाश ग्रहण पर लेखांकन प्रक्रिया निम्नांकित उदाहरणों से समझेंगे:

उदाहरण 4 : X,Y and Z are partners sharing profits in ratio 2:2:1. Z decided to retire from the firm on 31st March, 2017. Their balance sheet stood as under:

X, Y व Z एक फर्म में साझेदार हैं जो 2:2:1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। उनका 31–3–17 का स्थिति विवरण निम्नानुसार हैं। Z उपरोक्त तिथि को अवकाश ग्रहण करता हैं।

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors		30,000	Cash at Bank	36,500
Workmen Compensation Reserve		10,000	Debtors	51,500
Bills Payble		20,000	Investment	10,000
Provision for Doubtful Debts		1,000	Stock	40,000
Profit & Loss		8,000	Freehold Property	72,000
Bank Loan		6,000	Plant & Mechinery	50,000
Employee's Provident Fund		5,000	Furniture	20,000
General Reserve		10,000	Patent	6,000
Capitals:			Advertisement Expenses	5,000
X	80,000		Goodwill	9,000
Y	80,000			
Z	50,000	2,10,000		
		3,00,000		**3,00,000**

Other conditions at the time of retirement are as under:

(i) Goodwill of the firm be fixed at ₹ 1,00,000 **(ii)** Unrecorded Assets ₹ 5,000 **(iii)** Investment valued at ₹ 15,000 and taken by Z. **(iv)** Provision of ₹3,500 be made in respect of outstanding legal charges. **(v)** Freehold property appreciated by ₹ 8,000. **(vi)** Plant & Machinery overvalued by ₹ 10,000. **(vii)** Furniture reduced to ₹ 17,000. **(viii)** O/s salary ₹ 2,000. **(ix)** Patent reduced by ₹ 1,000. **(x)** Bad debts reserve is to be increased to ₹ 1,500 and provision for discount be created at 2%. **(xi)** Prepaid Insurance ₹ 1,000. **(xii)** Bank Loan would be paid off. **(xiii)** A liability of ₹ 5,000 included in creditors was not likely to arise. **(xiv)** A Liability against Workmen Compensation is ₹ 12,000. **(xv)** Stock is to be valued at 20% less. Prepare Revaluation Account.

अवकाश पर अन्य शर्तें इस प्रकार हैं:

(i) ख्याति का मूल्यांकन ₹ 1,00,000 पर किया गया। **(ii)** ₹ 5,000 कर सम्पतियाँ ऐसी हैं जिनका पुस्तकों में लेखा नहीं हुआ हैं। **(iii)** विनियोगों का मूल्यांकन ₹ 15,000 पर किया गया व Z ने ले लिए। **(iv)** बकाया कानूनी व्ययों के लिए ₹ 3,500 का प्रावधान किया जाये। **(v)** स्वकीय सम्पति के मूल्य में ₹ 8,000 से वृद्धि करे। **(vi)** संयत्र व मशीन ₹ 10,000 से अधिमूल्यांकित हैं। **(vii)** फर्नीचर को ₹ 17,000 तक कम करे। **(viii)** बकाया वेतन ₹ 2,000। **(ix)** एकस्व का मूल्य ₹ 1,000 से कम किया जाये। **(x)** डूबत ऋण आयोजन 2% बनाया जाये। **(xi)** पूर्वदत बीमा ₹ 1,000। **(xii)** बैंक ऋण का भुगतान कर दिया जाये। **(xiii)** लेनदारों में शामिल ₹ 5,000 के दायित्व का भुगतान नहीं करना पड़ेगा। **(xiv)** कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय के विरूद्व दायित्व ₹ 12,000। **(xv)** स्टॉक का मूल्य 20% कम करें। पुनर्मूल्यांकन खाता बनाइये।

हल: **Dr.** **Revaluation Account** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Provision for Legal Expenses	3,500	By Unrecorded asset	5,000
To Plant & Machinary	10,000	By Investment A/c	5,000
To Furniture A/c	3,000	By Freehold Property	8,000
To Outstanding Salary A/c	2,000	By Prepaid Insurance A/c	1,000
To Patent	1,000	By Creditors A/c	5,000

To P.B.D. A/c	500	By Loss Transferred to:		
To P.D.D. A/c	1,000	X's Capital A/c	2,800	
To Liability for worksmen compensation	2,000	Y's Capital A/c	2,800	
		Z's Capital A/c	1,400	7,000
To Stock A/c	8,000			
	31,000			**31,000**

अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को देय राशि का भुगतान
(Payment of Amount Due to Retiring Partner)

अवकाश ग्रहण करने वाले/साझेदार को भुगतान निम्न विधियों से किया जा सकता हैं: **1.** एक मुश्त भुगतान, **2.** पूँजी खाते का शेष ऋण खाते में हस्तान्तरण, **3.**किश्तों में भुगतान, **4.** वार्षिक विधि द्वारा भुगतान

1. **एक मुश्त भुगतान–** यदि फर्म के पास पर्याप्त तरल साधन(नकद व बैंक शेष) हो तो अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को एक मुश्त भुगतान किया जा सकता हैं। इसके लिए आवश्यक प्राविष्टि होगी:

Retiring Partner's Capital A/c Dr.(देय राशि से)
To Cash/Bank A/c
(Being amount due to retiring Partner paid)

उदाहरण : 1 अप्रेल, 2017 को A फर्म से अवकाश ग्रहण करता हैं। उस तिथि को उसके पूँजी खाते में ₹ 60,000 समायोजित शेष था। 1 अप्रेल, 2017 को उसे एक मुश्त भुगतान कर दिया गया। जर्नल प्रविष्टि कीजिए:–

A's Capital A/c Dr. 60,000
To Cash A/c 60,000
(A's due amount paid)

कभी–कभी बैंक से ऋण लेकर अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को भुगतान किया जाता हैं।

(a) बैंक से ऋण लेने पर: Bank A/c Dr.
To Bank Loan A/c

(b) अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को भुगतान: Retiring Partners Capital A/c Dr.
To Bank A/c

(ii) पूँजी शेष को ऋण खाते में हस्तान्तरण के द्वारा (By Transferring Capital Account to his Loan Account)
सूचना के अभाव में अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को देय रकम उसके ऋण खाते में हस्तांरित की जायेगी।

Retiring Partner's Capital A/c Dr.
To Retiring Partner's Loan A/c
(Being Amount due to Retiring Partner's transfer to his Loan A/c)

2. आंशिक भुगतान नकद में व आंशिक ऋण खाते में हस्तान्तरण द्वारा(Payment partly in cash & partly by transferring into Loan Account): कभी कभी कुछ राशि नकद चुका दी जाती हैं और बाकी राशि ऋण खाते में हस्तान्तरण कर दी जाती है तो प्रविष्टि होगी।

Retiring Partner's Capital A/c Dr.
To Cash A/c
To Retiring Partner's Loan A/c
(Being Retiring Partner paid partly in cash and balance transfer to his loan A/c)

3. किश्तों में भुगतान (Payment by Installment): आपसी सहमति से अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को देय रकम का भुगतान किश्तों में किया जा सकता हैं। इस दशा में उसे देय राशि उसके ऋण खाते में हस्तान्तरित कर दी जाती हैं। तथा ऋण खाते के अदत्त शेष पर समझौते के अनुसार एक निश्चित प्रतिशत की दर से या समझौते के अभाव में 6% वार्षिक दर से ब्याज दिया जाता हैं।

लेखांकन प्रविष्टियां: (1) पूँजी खाते के शेष को ऋण खाते में हस्तान्तरित करने पर

Retiring Partner's Capital A/c Dr.
To Retiring Partner's Loan A/c
(Being Retiring Partner's Capital A/c balance transfer to his loan A/c)

(2) अदत्त राशि पर ब्याज के लिए

Interest A/c Dr.

To Retiring Partner's Loan A/c

(Being for interest to his loan A/c)

(3) किश्त की राशि ब्याज सहित भुगतान करने पर

Retiring Partner's Loan A/c Dr.

To Cash/Bank A/c

(Being installment paid)

उदाहरण 5 : B, 01-01-2014 को अवकाश ग्रहण करता है। उसके पूँजी खाते का समायोजित शेष ₹30,000 था, जिसका भुगतान तीन समान वार्षिक किश्तों में करना हैं। इस पर 6% वार्षिक दर से ब्याज देना भी तय हैं। B का ऋण खाता बनाइयें।

हल: **Dr.** **B's Loan A/c** **Cr.**

Date	Particulars	Amount₹	Date	Particulars	Amount₹
31.12.14	To Bank A/c (10,000 + 1,800)	11,800	01.01.14	By B's Capital A/c	30,000
	To Balance c/d	20,000		By Interest A/c (30,000 x 6%)	1,800
		31,800			**31,800**
31.12.15	To Bank A/c (10,000 + 1,200)	11,200	01-01-15	By Balance b/d	20,000
	To Balance c/d	10,000		By Interest A/c (20,000 x 6%)	1,200
		21,200			**21,200**
31.12.16	To Cash A/c (10,000 + 600)	10,600	01.01.16	By Balance b/d	10,000
				By Interest A/c (10,000 x 6%)	600
		10,600			**10,600**

(4) वार्षिकी द्वारा भुगतान(Payment by Annuity Methods): अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार अथवा मृत साझेदार के उत्तराधिकारियों को देय रकम का भुगतान वार्षिकी के रूप में किया जा सकता हैं। वार्षिकी का आशय वार्षिक भुगतान से हैं। इस विधि के अन्तर्गत:

(i) अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार अथवा मृत साझेदार को कुल देय राशि को वार्षिकी उचन्ती खाते या वार्षिकी खाते(Annuity Suspense A/c or Annuity A/c) में हस्तांतरित कर दिया जाता हैं।

(ii) प्रतिवर्ष वार्षिकी उचन्त खाते के शेष पर ब्याज क्रेडिट किया जाता हैं।

(iii) वार्षिकी का भुगतान करने पर वार्षिकी उचन्त खाते को डेबिट किया जाता हैं व बैंक खाते को क्रेडिट किया जाता है।

(iv) यदि वार्षिकी पाने वाले साझेदार की मृत्यु कुल भुगतान से पूर्व हो जाती है तो वार्षिकी उचन्ती खाते के शेष को शेष बचे साझेदारों में उनके लाभ विभान अनुपात में हस्तांतरित कर दिया जाता हैं।

(v) वार्षिकी उचन्त खाते का शेष समाप्त होने के बाद भी अवकाश ग्रहण करने वाला साझेदार जीवित रहता हैं तो भविष्य में उसे दी जाने वाली राशि को लाभ–हानि खाते से चार्ज किया जाता हैं।

जर्नल प्रविष्टियां: (1) कुल देय राशि की वार्षिक उचन्ती खाते में हस्तांतरित करने पर:

Retiring Partner's Capital A/c Dr.

To Annuity Suspense A/c

(Being balance of Retiring Partner's Capital A/c transferred to Annuity Suspense)

(2) अदत्त शेष पर ब्याज के लिए Interest A/c Dr.

To Annuity Suspense A/c

(Being interest due)

(3) वार्षिकी भुगतान के लिए Annuity Suspense A/c Dr.

To Bank/Cash A/c

(Being amount of Annuity paid)

(4) वार्षिकी खाते का शेष समाप्त होने से पूर्व ही साझेदार की मृत्यु हो जाये

Annuity Suspense A/c Dr.

To Remaining Partner's Capital A/c

(Being balance of Annuity Suspense A/c transfer remaining Partner's Capital A/c)

(5) वार्षिकी खाते का शेष समाप्त होने से पूर्व भी अवकाश ग्रहण करने वाला साझेदार जीवित रहे तो ऐसी स्थिति में जब तक जीवित रहे प्रतिवर्ष भुगतान की उपर्युक्त प्रविष्टि (3) के अलावा वर्ष अन्त में निम्न प्रविष्टि और होगी।

P & L A/c Dr.

To Annuity Suspense A/c

उदाहरण 6 : A, B व C साझेदार थे। B के द्वारा 31 मार्च 2012 को अवकाश ग्रहण करने पर सभी समायोजनों के बाद पूँजी खाते का क्रेडिट शेष ₹25,000 दिखाया गया। यह तय हुआ कि 10 प्रतिशत वार्षिक दर पर ₹6,000 प्रतिवर्ष जीवनोपरान्त वार्षिकी दी जाये। दूसरी वार्षिकी के भुगतान के तुरन्त बाद B की मृत्यु हो जाती हैं। B का वार्षिकी खाता बनाइये।

हल: **Dr.** **B's Annuity A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
31, March 2013	To Bank A/c		6,000	1, April 2012	By B's Capital A/c		25,000
	To Balance c/d		21,500	31, March 2013	By Interest A/c		2,500
			27,500				**27,500**
	To Bank A/c		6,000	1, April 2013	By Balance c/d		21,500
31, March 2014	To A's Capital A/c		8,825				
	To B's Capital A/c		8,825	31, March 2014	By Interest A/c		2,150
			23,650				**23,650**

उदाहरण 7 : A, B व C एक फर्म में साझेदार थे। C 01.01.14 को फर्म से अवकाश ग्रहण करता हैं, उस तिथि को समस्त समायोजनों के बाद उसका पूँजी खाता ₹40,000 का क्रेडिट शेष बताता हैं। निम्नलिखित प्रत्येक परिस्थिति में फर्म की पुस्तकों में आवश्यक खाते बनाइये।

(i) C को देय रकम उसे ऋण खाते में हस्तांतरित की जाती हैं। **(ii)** C को देय रकम का अवकाश ग्रहण के तुरंत बाद पूर्ण भुगतान कर दिया जाता हैं। **(iii)** C को देय रकम में से 50% नकद भुगतान व शेष 50% उसके ऋण खाते में हस्तांतरित कर दिया जाता हैं। **(iv)** C को भुगतान 10% वार्षिक ब्याज दर पर दो समान वार्षिक किश्तों में किया जाता हैं। **(v)** C को भुगतान 10% वार्षिक ब्याज दर पर दो समान अर्द्धवार्षिक किश्तों में किया जाता हैं। **(vi)** 10% वार्षिक ब्याज दर पर ₹10,000 प्रतिवर्ष की जीवन पर्यन्त वार्षिकी दी जाती हैं। यह मानते हुए कि C की मृत्यु द्वितीय वार्षिकी के भुगतान के तुरंत बाद हो जाती हैं। **(vii)** 10% वार्षिक ब्याज दर पर ₹16,000 प्रतिवर्ष की जीवन्त पर्यन्त वार्षिकी दी जाती हैं। यह मानते हुए कि C की मृत्यु चतुर्थ वार्षिकी के भुगतान के तुरंत बाद हो जाती हैं। **(viii)** C को भुगतान 10% वार्षिक ब्याज पर ₹15,000 की दो समान वार्षिक किश्तों में(ब्याज सहित) तथा शेष राशि(ब्याज सहित) तीसरे वर्ष के अन्त में भुगतान करनी हैं। **(ix)** C को भुगतान 10% वार्षिक ब्याज दर पर दो समान वार्षिक किश्तों में किया जाता हैं, प्रथम किश्त 1.1.15 से प्रारंभ होगी।

हल: **(i) Dr.** **C's Capital Account** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To B's Loan A/c	40,000	By Balance b/d	40,000
	40,000		**40,000**

(ii) Dr. **C's Capital Account** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹

To Cash/Bank A/c	40,000	By Balance b/d	40,000
	40,000		**40,000**

(iii) Dr. **C's Capital Account** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Cash/Bank A/c	20,000	By Balance b/d	40,000
To C's Loan A/c	20,000		
	40,000		**40,000**

(iv) Dr. **C's Loan Account** **Cr.**

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
31-12-14	To Cash/Bank A/c (20000 + 4000)	24,000	01-01-14	By C's Capital A/c	40,000
31-12-14	To Balance c/d	20,000	31-12-14	By Interest A/c (40000x10%)	4,000
		40,000			**44,000**
31-12-15	To Cash/Bank A/c (20000 + 2000)	22,000	01-01-15	By Balance c/d	20,000
			31-12-15	By Interest A/c	2,000
		22,000			**22,000**

(v) Dr. **C's Loan Account** **Cr.**

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
30-06-14	To Cash/Bank A/c (20000 + 2000)	22,000	01-01-14	By C's Capital A/c	40,000
			30-06-14	By Interest A/c (40000x10/100 x 6/12)	2,000
31-12-14	To Cash/Bank A/c (20000 + 1000)	21,000	31-12-14	By Interest A/c	1,000
		43,000			**43,000**

(vi) Dr. **Annuity Suspense A/c** **Cr.**

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
31-12-14	To Cash/Bank A/c	10,000	01-01-14	By C's Capital A/c	40,000
31-12-14	To Balance c/d	34,000	30-06-14	By Interest A/c (40000x10%)	4,000
		44,000			**44,000**
31-12-15	To Cash/Bank A/c	10,000	01-01-15	By Balance c/d	34,000
31-12-15	To Capital A/c(Profit on Death)		31-12-15	By Interest A/c (34000 x 10%)	3,400
	A's Capital 13,700				
	B's Capital 13,700	27,400			
		37,400			**37,400**

(vii) Dr. Annuity Suspense A/c Cr.

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
31-12-14	To Cash/Bank A/c	16,000	01-01-14	By C's Capital A/c	40,000
31-12-14	To Balance c/d	28,000	31-12-14	By Interest A/c (40000x10%)	4,000
		44,000			**44,000**
31-12-15	To Cash/Bank A/c	16,000	01-01-15	By Balance b/d	28,000
31-12-15	To Balance c/d	14,800	31-12-15	By Interest A/c (28000 x 10%)	2,800
		30,800			**37,400**
31-12-16	To Cash/Bank A/c	16,000	01-01-16	By Balance b/d	14,800
31-12-16	To Balance c/d	280	31-12-16	By Interest A/c (14,800x10%)	1,480
		16,280			**16,280**
31-12-17	To Cash/Bank A/c	16,000	01-01-17	By Balance b/d	280
			31-12-17	By Interest A/c (280 x 10%)	28
			31-12-17	P & L A/c	15,692
		16,000			**16,000**

(viii) Dr. C's Loan A/c Cr.

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
31-12-14	To Cash/Bank A/c	15,000	01-01-14	By C's Capital A/c	40,000
31-12-14	To Balance c/d	29,000	31-12-14	By Interest A/c (40000x10%)	4,000
		44,000			**44,000**
31-12-15	To Cash/Bank A/c	15,000	01-01-15	By Balance b/d	29,000
31-12-15	To Balance c/d	16,900	31-12-15	By Interest A/c (29000 x 10%)	2,900
		31,900			**31,900**
31-12-16	To Cash/Bank A/c (16900 + 1690)	18,590	01-01-16	By Balance b/d	16,900
			31-12-16	By Interest A/c (16,900x10%)	1,690
		18,590			**18,590**

(ix) Dr. C's Loan A/c Cr.

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
31-12-14	To Balance c/d	44,000	01-01-14	By C's Capital A/c	40,000
			31-12-14	By Interest A/c (40000x10%)	4,000
		44,000			**44,000**
01-01-15	To Bank/Cash A/c	24,000	01-01-15	By Balance b/d	44,000

	(20000 + 4000)		31-12-15	By Interest A/c	
31-12-15	To Balance c\d	22,000		(20000 x 10%)	2,000
		46,000			**46,000**
01-01-16	To Cash/Bank A/c	22,000	01-01-16	By Balance b/d	22,000
		22,000			**22,000**

उदाहरण 8 : A, B व C साझेदार हैं जो कि लाभों को 2 : 3 : 1 के अनुपात में विभाजित करते हैं। 31–03–2017 को उनका स्थिति विवरण निम्न था–

A, B and C are partners sharing profits in the ratio 2 : 3 : 1. Their Balance Sheet as on 31-03-2017 was as follows:

Balance Sheet

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Sundry Creditors		35,000	Cash	15,000
Provision for Bad debts		1,000	Sundry Debtors	20,000
Bank Loan		14,000	Stock	30,000
General Reserve		20,000	Furniture	10,000
Capital A/c's			Plant & Machine	40,000
A	45,000		Building	60,000
B	45,000		Goodwill	10,000
C	30,000	1,20,000	P & L A/c	5000
		1,90,000		**1,90,000**

B को उपरोक्त तिथि को अवकाश ग्रहण करण करता है, साझेदार निम्न शर्तों पर सहमत होते हैं:–

(i) फर्म की ख्याति का मूल्य ₹24,000 होगा। **(ii)** फर्नीचर पर 10% व संयत्र व मशीन पर 5% से ह्रास लगाया जाये। **(iii)** संदिग्ध ऋणों के लिए आयोजन को ₹1,500 तक बढाया जाये। **(iv)** स्टॉक का मूल्य 20% से व भवन का मूल्य 10% से बढाया जाये। **(v)** बीमा प्रीमियम की राशि जिसे प्रतिवर्ष लाभ–हानि खाते में लिखा जाता था, 31 मार्च 2017 को ₹1,500 असमाप्त बीमा प्रीमियम के रूप में आगे ले जाये गये। **(vi)** अदत्त वेतन के लिए ₹2,000 का प्रावधान किया जाये।

जर्नल प्रविष्टियां, पुनर्मूल्यांकन खाता साझेदारों के पूँजी खाते व नई फर्म का प्रारंभिक चिट्ठा बनाइये।

B Retires on the above date and the partners agreed that:

(i) The Goodwill do the Firm is to be valued at ₹24,000. **(ii)** Furniture, Plant & Machine are to be depreciated by 10% and 5% respectively. **(iii)** Provision for doubtful debts is to be increased to ₹1,500. **(iv)** Stock and Building are to be appreciated 20% and 10% respectively. **(v)** That out of the amount of Insurance Premium which was debited annually to P & L A/c ₹1,500 be carry forward for unexpired insurance on 31.03.17. **(vi)** That a provision for ₹2,000 be made in respect of outstanding salaries.

Pass journal entries and prepare Revaluation A/c , Partner's Capital A/c and Balance Sheet of the new firm.

हल:

Journal

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr. ₹	Amount Cr. ₹
	General Reserve A/c Dr.		20,000	
	To A's Capital A/c			8,000
	To B's Capital A/c			8,000
	To C's Capital A/c			4,000
	(Being General Reserve transfer to Partner's Capital A/c			

	A s Capital A/c	Dr.		2,000	
	B's Capital A/c	Dr.		2,000	
	C's Capital A/c	Dr.		1,000	5,000
	To P & L A/c				
	(Being Loss transfer to Partner's Capital A/c)				
	A's Capital A/c	Dr.		4,000	
	B's Capital A/c	Dr.		4,000	
	C's Capital A/c	Dr.		2,000	
	To Goodwill A/c				10,000
	(Being Goodwill A/c written off)				
	Revaluation A/c	Dr.		5,500	
	To Furniture A/c				1,000
	To Plant & Machine A/c				2,000
	To P.B.D. A/c				500
	To Outstanding salaries A/c				2,000
	(Being Decrease in value of assets & increase in the amount of liabilities)				
	Stock A/c	Dr.		6,000	
	Building A/c	Dr.		6,000	
	Prepaid Insurance A/c	Dr.		1,500	
	To Revaluation A/c				13,500
	(Being values of assets increased0				
	Revaluation A/c	Dr.		8,000	
	To A's Capital A/c				3,200
	To B's Capital A/c				3,200
	To C's Capital A/c				1,600
	(Being profit on revaluation transfer to Partner's Capital A/c)				
	A's Capital A/c	Dr.		6,400	
	C's Capital A/c	Dr.		3,200	
	To B's Capital A/c				9,600
	(Being B's share of goodwill adjusted in gaining ratio)				
	B's Capital A/c	Dr.		59,800	
	To B's Loan A/c				59,800
	(Being B's balance of Capital A/c transferred to B's Loan A/c)				

Dr. **Revalution Account** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Furniture A/c	1,000	By Stock A/c	6,000
To Plant & Machine A/c	2,000	By Building A/c	6,000
To P.B.D. A/c	500	By Prepaid Insurance A/c	1,500
To Outstanding Salaries A/c	2,000		

To Profit transferred to:				
A's Capital A/c	3,200			
B's Capital A/c	3,200			
C's Capital A/c	1,600	8,000		
		13,500		**13,500**

Partner's Capital Account

Dr. **Cr.**

Particulars	A ₹	B ₹	C ₹	Particulars	A ₹	B ₹	C ₹
To P&L A/c	2000	2000	1000	By Balance b/d	45000	45000	30000
To Goodwill A/c	4000	4000	2000	By General Reserve	8000	8000	4000
To B's Capital	6400	-	3200	By Revaluation	3200	3200	1600
To B's Loan	-	59800	-	By A's Capital A/c	-	6400	-
To Balance c/d	43800	-	29400	By C's Capital A/c	-	3200	-
	56200	**65800**	**35600**		**56200**	**65800**	**35600**

Balance Sheet of A & C
As on 31 March, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Sundry Creditors		35,000	Cash	15,000
Provision for Bad-debts A/c		1,500	Sundry Debtors	20,000
Outstanding Salaries		2,000	Stock	36,000
Bank Loan		14,000	Furniture	9,000
B's Loan A/c		59,800	Plant & Machine	38,000
Capital A/c			Building	66,000
A's Capital	43,800		Pre-paid Insurance	1,500
B's Capital	29,400	73,200		
		1,85,500		**1,85,500**

उदाहरण 9 : M, N और O आपस में साझेदार हैं जो लाभ–हानि को 1/2 : 1/3 : 1/6 के अनुपात में बाँटते हैं। 31 मार्च, 2014 को उनका स्थिति विवरण इस प्रकार हैं:

The Balance Sheet of M, N and O who are sharing profits and losses in the ratio of 1/2, 1/3 and 1/6 respectively, as at 31st March, 2014 Balance Sheet was as follows:

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Bills Payable		7,000	Cash at Bank	25,650
Sundry Creditors		18,000	Bills Receivable	5,400
Profit and Loss A/c		6,000	Debtors	17,800
Investment Fluctuation Reserve		5,000	Stock	22,300
Capital A/cs:			Investment	12,000
M	50,000		Patents	10,000
N	25,000		Furniture	3,500
O	20,000	95,000	Plant and Machinery	9,750
			Building	24,000
			Advertisement Expenditure	600
		1,31,000		**1,31,000**

1 अप्रैल, 2014 को एम व्यवसाय से अवकाश लेता हैं एवं फर्म में उसके हिस्से की गणना सम्पतियों के निम्नानुसार पुनर्मूल्यांकन कर ज्ञात करना हैं: स्टॉक– ₹20,000; फर्नीचर ₹3,000; प्लांट एवं मशीनरी– ₹9,000; भवन– ₹20,000; विनियोग– ₹10,000; अर्जित आय ₹500; एकस्व ₹11,500; एवं संदिग्ध ऋणों के लिए– ₹850; का

प्रावधान किया जाना हैं। एक देनदार जिसमे ₹1,000 बकाया थे, डूबत ऋण मानकर अपलिखित कर दिया या उससे ₹400 वसूल हुए। फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹6,000 पर सहमति हुई तथा इस सम्बन्ध में समायोजन शेष साझेदारों में बिना ख्याति खाते खोले किया जाना हैं। एम को अवकाश ग्रहण करने पर ₹9,200 नकद दिये जाएँगे तथा शेष का भुगतान 5% प्रतिवर्ष ब्याज सहित तीन समान वार्षिक किस्तों में किया जाएगा।

पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते फर्म का स्थिति–विवरण तैयार कीजिए एवं एम का ऋण खाता बनाइए जब तक की वह पूर्णतः बंद न हो जाये।

M retires from business on 1st April, 2014 and his share in the firm is to be ascertained on revaluation of assets as follows: Stock ₹20,000; Furniture ₹ 3,000; Plant and machinery ₹9,000; Building ₹20,000; Investment ₹10,000; Accrued Income ₹500; Patent ₹11,500 and ₹850 is to be provided for doubutful debts. A debtor whose dues of ₹1,000 were written off as bad debts paid ₹400. The goodwill of the firm is agreed to be valued at ₹ 6,000 and adjustment in this respect was to be made in the continuing Partners' Capital Account without raising Goodwill Account. M is to be paid ₹ 9,200 in cash on retirement and balance in three equal yearly installments with interest @ 5% p.a. Prepare Revaluation A/c, Partners' Capital A/c & Balance Sheet. Also prepare M's Loan A/c till it is finally closed.

हल:**Dr.** **Revaluation Account** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Stock A/c	2,300	By Patent A/c		1,500
To Furniture A/c	500	By Accured Income		500
To Plant & Machinery	750	By Bad debts recovered		400
ToBuilding A/c	4,000	By Loss transferred to:		
To P.B.D. A/c	850	M's Capital A/c	3,000	
		N's Capital A/c	2,000	
		O's Capital A/c	1,000	6,000
	8,400			**8,400**

Dr. **Partner's Capital Account** **Cr.**

Particular	M ₹	N ₹	O ₹	Particulars	M ₹	N ₹	O ₹
To Advertisment Exp.	300	200	100	By Balance b/d	50,000	25,000	20,000
To Revaluation	3,000	2,000	1,000	By P & L A/c	3,000	2,000	1,000
To M's Capital	-	2,000	1,000	By Investment Fluctuation Reserve	1,500	1,000	500
To Bank A/c	9,200	-	-	By N's Capital A/c	2,000	-	-
To M's Loan A/c	45,000	-	-	By O's Capital A/c	1,000	-	-
To Balance c/d	-	23,800	19,400				
	57,500	**28,000**	**21,500**		**57,500**	**28,000**	**21,500**

Balance Sheet of N & O
As on 01 April, 2014

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Bills Payable		7,000	Cash at Bank		16,850
Sundry Creditors		18,000	Bills Receivables		5,400
M's Loan A/c		45,000	Debtos	17,800	
			(-) PBD	850	16,950
			Stock		20,000
Capital A/c's			Patent		11,500
N	23,800		Accrured income		500
O	19,400	43,200	Furniture		3,000
			Plant & Machinery		9,000

		Building	20,000
		Investment	10,000
	1,13,200		**1,13,200**

M's Loan Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
31-3-15	To Bank A/c (15000+2250)	17,250	1-4-2014	By M's Capital A/c	45,000
31-3-15	To Balance c/d	30,000	31-3-15	By Interest 45000x5%	2,250
		47,250			**47,250**
31-3-16	To Bank A/c	16,500	1-4-15	By Balance b/d	30,000
31-3-16	To Balance c/d	15,000	31-3-16	By Interest	1,500
		31,500			**31,500**
31-3-17	To Bank A/c 15000+750	15,750	1-4-16	By Balance b/d	15,000
			31-3-17	By Interest A/c(1500x5%)	750
		15,750			**15,750**

कार्यशील टिप्पणिया(Working Notes):

(1) विनियोगों के मूल्य में कमी को निवेश उतार चढ़ाव संचय खाते से चार्ज किया गया हैं व शेष ₹ 3000 को साझेदारों में उनके पुराने लाभ विभाजन अनुपात में बाँटा गया हैं।

(2) M का ख्याति में हिस्सा $6000 \times \frac{1}{2} =$ ₹3,000 की फायदे के अनुपात 2:1 मं N व O के पूँजी खातों से समायोजित किया गया।

(3) बैंक शेष 25,650+400-9,200= ₹ 16,850

(4) M के ऋण खाते में हस्तान्तरित राशि ₹45,000 का भुगतान तीन समान वार्षिक किश्तों(प्रत्येक ₹ 15,000) का भुगतान 5% ब्याज सहित किया गया हैं।

उदाहरण 10 : X, Y तथा Z साझेदार हैं और लाभ तथा हानि का 2:2:1 के अनुपात में बाँटते हैं। 31 दिसम्बर, 2016 को उनका स्थिति विवरण इस प्रकार था:

X, Y and Z are partners sharing profits and losses in the ratio 2 : 2 : 1. Their Balance Sheet as on 31st December, 2016 was as under:

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Creditors		37,000	Bank		9,000
Bills Payable		13,000	Debtors	40,000	
Reserve Fund		10,000	Less: Provision for D.D.	2,000	38,000
Capital Accounts			Stock		40,000
X	60,000		Furniture		20,000
Y	60,000		Machinery		78,000
Z	20,000	1,40,000	Goodwill		15,000
		2,00,000			**2,00,000**

1 जनवरी, 2017 को x ने निम्नलिखित शर्तों पर अवकाश ग्रहण किया:

(i) संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान ₹2,000 बढा दिया जाए। **(ii)** स्टॉक का मूल्य ₹4,000 बढा दिया जाए और मशीनरी का घटाकर ₹75,000 कर दिया जाए। **(iii)** ₹ 1,200 के हर्जाने के लिए बकाया दावे का प्रावधान किया जाए। **(iv)** लेनदारों के ₹4,000 घटा दिए जाए। **(v)** फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹60,000 किया जाए। **(vi)** शेष साझेदार एक्स के अवकाश ग्रहण पर ₹60,000 नकद देने के लिए सहमत हो गए, जो शेष साझेदारों द्वारा 3:2 के अनुपात में लाए जाऐंगे। एक्स की शेष पूँजी को ऋण मान लिया जाए।

पुनर्मूल्यांकन खाता, पूँजी खाते और नई फर्म का स्थिति विवरण बनाइए।

X retired on 1st January, 2017 on the following terms:

(i) Provision for doubtful debts be raised by ₹ 2,000. **(ii)** Stock be increased by ₹4,000 and Machinery be reduced to ₹75,000. **(iii)** Outstanding claim for damages of ₹1,200 is to be provided. **(iv)** Creditors be reduced by ₹4,000. **(v)** Goodwill of the firm is valued at ₹ 60,000. **(vi)** The continuing partners agreed to pay ₹ 60,000 in cash on retirement of X to be contributed by continuing partners in the ratio of 3:2. The balance capital of X be treated as loan.

Prepare Revaluation Account, Capital Account and Balance Sheet of new firm.

हल:

Dr. **Revaluation Account** **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Provision for Doubtful Debts A/c		2,000	By Creditors A/c	4,000
To Outstanding Claim for Damages A/c		1,200	By Stock A/c	4,000
To Machine A/c		3,000		
To Capital A/cs(Profit):				
X	720			
Y	720			
Z	360	1,800		
		8,000		**8,000**

Dr. **Partner's Capital Account** **Cr.**

Particulars	X₹	Y₹	Z₹	Particulars	X₹	Y₹	Z₹
To Goodwill A/c	6,000	6,000	3,000	By Balance b/d	60,000	60,000	20,000
To X's Capital A/c	-	16,000	8,000	By Reserve Fund A/c	4,000	4,000	2,000
To Bank A/c	60,000	-	-	By Revaluation A/c	720	720	360
To X's Loan	22,720	-	-	By Y's Capital A/c	16,000	-	-
To Balance c/d	-	78,720	35,360	By Z's Capital A/c	8,000	-	-
				By Bank A/c	-	36,000	24,000
	88,720	**1,00,720**	**46,360**		**88,720**	**1,00,720**	**46,360**

Balance Sheet of Y & Z

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Creditors		33,000	Bank		9,000
Bills Payable		13,000	Debtors	40,000	
O/S Claim for Damages		1,200	Less: Provision for BD	4,000	36,000
X's Loan		22,720	Stock		44,000
Capital A/cs:			Furniture		20,000
Y	78,720		Machinery		75,000
Z	35,360	1,14,080			
		1,84,000			**1,84,000**

कार्यशील टिप्पणी:

(i) एक्स का ख्याति में हिस्सा 60,000 $\times \frac{2}{5}$ = ₹ 24,000 जिसे Y व Z के पूँजी खातों में उनके फायदे के अनुपात 2 : 1 में समायोजित किया गया हैं।

(ii) X को भुगतान करने के लिए ₹60,000 की राशि Y व Z 3:2 के अनुपात में क्रमशः ₹36,000 व ₹24,000 लेकर आते हैं।

पूँजी का समायोजन
(Adjustment of Capital)

किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण करने अथवा मृत्यु हो जाने पर शेष साझेदारों के लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन आ जाता हैं। फर्म की कुल पूँजी में भी परिवर्तन हो जाता हैं। इसलिए साझेदारों के पूँजी खातों को समायोजित करने की आवश्यकता होती हैं। इस सम्बन्ध में निम्नलिखित तीन स्थितियां हो सकती हैं–

1. जब नयी फर्म की कुल पूँजी दी गयी हो(When Total Capital of the New Firm is given):- गणना के निम्नांकित चरण हैं:

(i) शेष साझेदारों की समायोजित पूँजी ज्ञात की जायेगी।

(ii) शेष साझेदारों के लाभ विभाजन अनुपात में नयी फर्म की पूँजी को विभाजित कर उनकी आनुपातिक पूँजी ज्ञात की जायेगी।

(iii) समायोजित पूँजी व आनुपातिक पूँजी की तुलना करके पूँजी का आधिक्य(Surplus) या कमी(Deficiency) ज्ञात की जायेगी।

(iv) यदि किसी साझेदार के पूँजी खाते में आधिक्य(Surplus) हैं तो वह साझेदार आधिक्य राशि को फर्म से निकाल लेगा अथवा उसके चालू खाते में क्रेडिट कर दी जायेगी। इसके विपरीत कमी की पूर्ति नकद लाकर करनी होगी अथवा उसके चालू खाते में डेबिट की जायेगी।

जर्नल प्रविष्टियां: (1) यदि समायोजित पूँजी आनुपातिक से अधिक हो:

Concerned Partner's Capital A/c	Dr.	
To Cash/Bank/Concerned Partners' Current A/c		

(2) यदि समायोजित पूँजी, आनुपातिक पूँजी से कम हो,

Cash/Bank/Concerned Parners's Current A/c	Dr.	
To Concerned Partner's Capital A/c		

उदाहरण 11 : A, B व C साझेदार हैं, जो 3 : 2 : 1 में लाभ विभाजन करते हैं, C 31.3.16 को अवकाश ग्रहण करता हैं। उस तिथि को उनकी समायोजिक पूँजी क्रमशः ₹30,000, ₹20,000 व ₹25,000 थी। नयी फर्म की पूँजी ₹50,000 हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात 1 : 1 हैं। साझेदारों द्वारा लाई या ले जाने वाली राशि ज्ञात करो एवं जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

हलः नई पूँजी में A व B का हिस्सा ₹50,000 बराबर बराबर में बाँटना हैं, अतः पूँजी क्रमशः ₹ 25,000 प्रत्येक की होगी। इस प्रकार A (30000-25000)= ₹ 5,000 ले जायेगा व B (20000-25000) = ₹ 5,000 पूँजी लेकर आयेगा।

A's Capital	Dr.	5,000	
To Cash A/c			5,000
(Being cash withdraw by A)			
Cash A/c	Dr.	5,000	
To B's Capital			5,000
(Being cash brought in by B)			

II. जब नयी फर्म की कुल पूँजी नहीं दी गई हो(When the Total Capital of the new Firm is not given)

(i) शेष साझेदारों की समायोजित पूँजी ज्ञात की जायेगी।

(ii) नयी फर्म की कुल पूँजी ज्ञात की जायेगी, जो शेष साझेदारों की समायोजित पूँजी शेष के बराबर होगी।

(iii) नयी फर्म की कुल पूँजी का लाभ विभाजन अनुपात में बंटवारा करके उपर्युक्त I की तरह समायोजन प्रविष्टि करेंगे।

उदाहरण 12 : A, B व C साझेदार हैं, जो 5 : 3 : 2 में लाभ विभाजन करते हैं, A 31.3.17 को अवकाश ग्रहण करता हैं। उस तिथि को उनकी समायोजित पूँजी क्रमशः ₹60,000, ₹50,000 व ₹40,000 थी। साझेदार यह निश्चित करते हैं कि उनकी पूँजी लाभ विभाजन अनुपात में हो। इसके लिए साझेदारों से नकद राशि मंगायी जायेगी अथवा वापस की जायेगी। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

हलः नया अनुपात 3 : 2, फर्म की नयी आनुपातिक पूँजी ₹50,000 + ₹40,000 = ₹90,000

B की आनुपातिक पूँजी $50,000 \times \frac{3}{5}$ = ₹ 54,000, C की आनुपातिक पूँजी $90,000 \times \frac{2}{5}$ = ₹ 36,000,

अतः B द्वारा लायी गयी राशि 54,000–50,000 = ₹4,000 एवं C को दी जाने वाली राशि 44,000 – 36,000 = ₹4,000. इस आशय की प्रविष्टियाँ होगी :

1. Cash A/c Dr. 4,000
To B's Capital A/c 4,000
(Being cash brought in by B to make capital proportionate to profits)

2. C's Capital A/c Dr. 4,000
To Cash A/c 4,000
(Being cash paid off to C to make his capital proportionate to profits)

III. जब अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को शेष साझेदारों द्वारा फर्म में इस प्रकार नगद लाकर भुगतान किया जाये कि उनकी पूँजी लाभ विभाजन अनुपात में हो जाये–

a. जबकि न्यूनतम रोकड़/बैंक शेष भी रखना हो–

नयी फर्म की कुल पूँजी=सभी साझेदारों की समायोजित पूँजी+बैंक/रोकड़ शेष जो रखना हैं–प्रारंभिक रोकड़/बैंक शेष

इसे नये लाभ विभाजन अनुपात में बांटकर पूँजी आधिक्य/कमी ज्ञात कर राशि लाने/ले जाने की प्रविष्टियाँ उपर्युक्त I के अनुसार करेंगे।

b. जबकि न्यूनतम रोकड़/बैंक शेष रखने की सूचना न हो:

नयी फर्म की पूँजी = सभी साझेदारों की समायोजित पूँजी(अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार सहित)

इसे नये लाभ विभाजन अनुपात में बाँटकर पूँजी आधिक्य/कमी ज्ञात कर राशि लाने/ले जाने की प्रविष्टियाँ उपर्युक्त **I** के अनुसार करेंगे।

उदाहरण 13 : A, B व C 3 : 2 : 1 में लाभ विभाजन करते हैं। C अवकाश ग्रहण करता हैं। C को नकद भुगतान किया जाता हैं। अवकाश ग्रहण की तिथि की उनकी समायोजित पूँजी क्रमशः ₹30,000, ₹40,000 व ₹30,000 थी। चिट्ठे में रोकड़ शेष ₹20,000 था। न्यूनतम रोकड़ शेष ₹10,000 रखना हैं। शेष साझेदारों द्वारा लायी अथवा ले जायी जाने वाली राशि ज्ञात करें।

हल: नयी फर्म की कुल पूँजी = 30,000 + 40,000 + 30,000 + 10,000 = ₹ 90,000

इसे नये लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 में A व B में विभाजित करेगें।

$A = 90{,}000 \times \frac{3}{5} = ₹54{,}000,\ B = 90{,}000 \times \frac{2}{5} = ₹36{,}000$

A पूँजी लायेगा = (54,000 – 30,000) = ₹24,000, B पूँजी ले जायेगा (36,000 – 40,000) = ₹4000

Cash A/c Dr. 24,000
To A's Capital A/c 24,000

B's Capital A/c Dr. 4,000
To Cash A/c 4,000

उदाहरण 14 : A, B व C क्रमश 3 : 2 : 1 में लाभ विभाजन करते हैं। C अवकाश ग्रहण करता हैं। अवकाश ग्रहण की तिथि को उनकी समायोजित पूँजी क्रमशः ₹40,000, ₹30,000 व ₹30,000 थी। C को नकद भुगतान करना हैं तो शेष साझेदारों द्वारा लायी/ले जायी जाने वाली राशि होगी।

हल: नयी फर्म की कुल पूँजी = सभी साझेदारों की समायोजित पूँजी = 40,000 + 30,000 + 30,000 = ₹ 1,00,000

बटंवारा नये लाभ विभाजन अनुपात में, अतः A का हिस्सा 1,00,000x3/5 = ₹ 60,000,

B का हिस्सा 1,00,000x2/5 = ₹ 40,000

अतः A लायेगा (60,000 - 40,000) = ₹ 20,000, B लायेगा (40,000 - 30,000) = ₹10,000

Cash A/c Dr. 30,000
To A's Capital A/c 20,000
To B's Capital A/c 10,000

उदाहरण 15 : A, B व C एक फर्म में साझेदार हैं जो लाभ को अपनी पूँजी के अनुसार विभाजित करते हैं। 31 मार्च, 2017 को उनका स्थिति विवरण इस प्रकार था।

The Balance Sheet of A, B and C. who are partners in a firm, sharing profits according to their capitals, their Balance Sheet as at 31st March, 2017 was as under :

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Creditors		24,000	Goodwill		10,000
General Reserve		20,000	Building		1,00,000
Worksmen Compensation Reserve		16,000	Machinery		50,000
Capital A/cs			Stock		18,000
A	80,000		Debtors	20,000	
B	40,000		Less: Provision for D.D	1,000	19,000
C	40,000	1,60,000	Cash at Bank		15,000
			Profit & Loss A/c		8,000
		2,20,000			**2,20,000**

उपरोक्त तिथि पर B ने फर्म से अवकाश प्राप्त करने का निर्णय लिया तथा उसके अपने अंश की धनराशि का फर्म ने निम्नलिखित शर्तों पर भुगतान कर दिया: **(i)** भवन के मूल्य में 20% की वृद्धि करनी हैं। **(ii)** देनदारों पर संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान को बढ़ाकर 15% तक करना हैं। **(iii)** मशीनरी पर 20% ह्रास लगाना हैं। **(iv)** स्टॉक ₹1,000 से अधिमूल्यांकित हैं। **(v)** लेनदारों को ₹6,000 से कम करना हैं। **(vi)** बकाया किराया ₹1,000। **(vii)** कर्मचारी क्षति पूर्ति का दावा ₹8,000 निश्चित किया गया हैं। **(viii)** फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹72,000 पर किया गया हैं तथा अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार का अंश शेष साझेदारों के पूँजी खातों के अन्तर्गत समायोजित करना हैं। **(ix)** नयी फर्म की पूँजी ₹1,20,000 निर्धारित की गई हैं। समायोजन चालू खाते के माध्यम से करें।

पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तथा B के अवकाश ग्रहण करने के पश्चात् स्थिति विवरण बनाइए।

On that date, B decided to retire from the firm and was paid for his share in the firm subject to the following terms:

(i) Building to be appreciated by 20%. **(ii)** Provision for Doubtfull Debts to be increased to 15% on Debtors. **(iii)** Machinery to be depreciated by 20%. **(iv)** Stock is overvalued by ₹1,000. **(v)** Creditors reduced by ₹6,000. **(vi)** Outstanding Rent ₹1,000. **(vii)** Claim against Workmen Compensation Reserve is determined at ₹8,000. **(viii)** Goodwill of the firm is valued at ₹72,000 and the retiring partner's share is adjusted through the Capital Accounts of the remaining partners. **(ix)** The capital of the new firm be fixed at ₹1,20,000. Adjustments are to be made through current account.

Prepare the Revaluation Account, Capital Accounts of partners and the Balance Sheet after retirement of B.

Dr. **Revaluation Account** **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To PBD A/c		2,000	By Building A/c	20,000
To Machinery A/c		10,000	By Creditors A/c	6,000
To Outstanding Rent		1,000		
To Stock A/c		1,000		
To Profit Transfer				
A's Capital A/c	6,000			
B's Capital A/c	3,000			
C's Capital A/c	3,000	12,000		
		26,000		**26,000**

Dr. **Partner's Capital A/c** **Cr.**

Particulars	A ₹	B ₹	C ₹	Particulars	A ₹	B ₹	C ₹
To P&L A/c	4,000	2,000	2,000	By Balance b/d	80,000	40,000	40,000
To Goodwill A/c	5,000	2,500	2,500	By General Reserve	10,000	5,000	5,000
To B's Cap. A/c	12,000	-	6,000	By Workmen Compensation Reserve	4,000	2,000	2,000
To B's Loan A/c	-	63,500	-	By A's Cap. A/c	-	12,000	-
To Balance c/d	79,000	-	39,500	By Revaluation A/c.	6,000	3,000	3,000
				By C's Cap. A/c	-	6,000	-
	1,04,000	**68,000**	**50,000**		**1,04,000**	**68,000**	**50,000**
To Balance c/d	80,000	-	40,000	By Balance b/d	79,000	-	39,500
				By Current A/c	1,000	-	500
	80,000	**-**	**40,000**		**80,000**	**-**	**40,000**

Balance Sheet A and C
As on 31—03-2017

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Creditors		18,000	Building		1,20,000
Outstanding Rent		1,000	Machinery		40,000
Liability for Workmen Compensation		8,000	Stock		17,000
			Debtors	20,000	
Capital A/c			(-)PBD	3,000	17,000
			Cash on Bank		15,000
A	80,000		Current A/c		
C	40,000	1,20,000	A	1,000	
B's Loan A/c		63,500	C	500	1,500
		2,10,500			**2,10,500**

कार्यशील टिप्पणियां (Working Notes) :

(1) B का ख्याति में हिस्सा 72000 x 1/4 = ₹18,000 को A व C के पूँजी खातों में फायदे के अनुपात 2:1 में समायोजित किया गया हैं।

(2) कर्मचारी क्षतिपूर्ति के संबंध में दायित्व ₹8,000 की पूर्ति कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय में से की गयी हैं तथा संचय की बची शेष राशि को साझेदारों में उनके पुराने अनुपात में बाँटा गया हैं।

(3) B को देय रकम सूचना के अभाव में उसके ऋण खाते में हस्तांतरित की जाती हैं।

(4) नयी फर्म की पूँजी ₹1,20,000 को A व C के नये लाभ विभाजन अनुपात में 2:1 में बांटकर चालू खातों के माध्यम से समायोजन किया गया हैं।

उदाहरण 16 : एल एम तथा एन एक फर्म में साझेदार थे तथा 2 : 1 : 1 के अनुपात में लाभ बॉटते थे। 1अपैल 2017 को उनका स्थिति विवरण निम्नानुसार था–

L, M & N were partners in a firm sharing profits in the ratio of 2 : 1 : 1. On 1st April, 2017 their Balance Sheet was as follows:

Balance Sheet of L, M and N
As on 1st April, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital A/c			Land	8,00,000
L	6,00,000		Building	6,00,000

M	4,80,000		Furniture		2,40,000
N	4,80,000	15,60,000	Debtors	4,00,000	
General Reserve		4,40,000	Less:	20,000	3,80,000
Workmen Compensation fund		3,60,000	Stock		4,40,000
Creditors		2,40,000	Cash		1,40,000
		26,00,000			**26,00,000**

उपर्युक्त तिथि को एन ने अवकाश ग्रहण किया । निम्नलिखित निर्णय लिये गए– **(i)** फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹6,00,000 किया गया । **(ii)** भूमि का मूल्य 40% बढाया जाएगा तथा भवन पर ₹1,00,000 का मूल्यांकन लगाया जाएगा। **(iii)** फर्नीचर पर ₹30,000 का मूल्यांकन लगाया जाएगा। **(iv)** कर्मचारी क्षतिपूर्ति निधि की देयता ₹1,60,00 निश्चित हुई। **(v)** एन को देय राशि को उसके ऋण के खाते में स्थानान्तरित किया जाएगा। **(vi)** एल को देय राशि को उसके ऋण खाते में स्थानानतरित किया जाएगा । **(vii)** एल तथा एम की पूँजी को उनके नए लाभ अनुपात में समायोजित किया जाएगा तथा इसके लिए साझेदारों के चालू खाते खोले जाएँगे। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तथा नई फर्म का स्थिति विवरण बनाइये। On the above date N retired. The following were agreed : **(i)** Goodwill of the firm was valued at ₹ 6,00,000. **(ii)** Land was to be appreciated by 40% and Building was to be depreciated by ₹ 1,00,000. **(iii)** Furniture was to be depreciated by ₹ 30,000. **(iv)** The liabilities for Workmen Compensation Fund was determined at ₹ 1,00,000. **(v)** Amount payable to N were to be adjusted in their new profit sharing ratio and for this purpose current accounts of the partners will be opened. Prepare Revaluation Account, Partners' Capital A/c and the Balance Sheet of the new firm.

हल: **Dr.** **Revaluation Account** **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Building A/c		1,00,000	By Land A/c	3,20,000
To Furniture A/c		30,000		
To Profit transferred to				
L's Cap. A/c	95,000			
M's Cap. A/c	47,500			
N's Cap. A/c	47,500	1,90,000		
		3,20,000		**3,20,000**

Dr. **Partner's Capital A/c** **Cr.**

Particulars	L₹	M₹	N₹	Particulars	L₹	M₹	N₹
				By Balance b/d	6,00,000	4,80,000	4,80,000
To N's Cap. A/c	1,00,000	50,000	-	By General Reserve	2,20,000	1,10,000	1,10,000
To N's Loan A/c	-	-	8,37,500	By Workmen	1,00,000	50,000	50,000
To Balance c/d	91,500	6,37,500	-	Compensation Reserve			
				By Revaluation	95,000	47,500	47,500
				By L's Cap A/c	-	-	1,00,000
				By M's Cap A/c	-	-	50,000
	10,15,000	**6,87,500**	**8,37,500**		**10,15,000**	**6,87,500**	**8,37,500**
To Current A/c (B/F)	-	1,20,000	-	By Balance b/d	9,15,000	6,37,500	-
To Balance c/d	10,35,000	5,17,500	-	By Current A/c (B/F)	1,20,000	-	-
	10,35,000	**6,37,500**	**-**		**10,35,000**	**6,37,500**	**-**

Balance Sheet of New Firm
As on 1st April, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount₹
Capital A/c			Land		11,20,000
L	10,35,000		Building		5,00,000
M	5,17,500	15,52,500	Furniture		2,10,000
			Debtors	4,00,000	
N's Loan A/c		8,37,500	(-)Provision:	20,000	3,80,000
Liability for workmen			Stock		4,40,000
Compensation		1,60,000			
Creditors		2,40,000	Cash		1,40,000
M's Current A/c		1,20,000	L's Current A/c		1,20,000
		29,10,000			**29,10,000**

कार्यशील टिप्पणियां 1. Gain Ratio 2 ; 1

2. N का ख्याति में हिस्सा 6,00,000 x 1/4= ₹1,50,000। जिसे L व M के पूँजी खातों में उनके फायदे के अनुपात 2 : 1 में समायोजित किया गया हैं।

3. L व M की समायोजित पूँजी = 9,15,000 + 6,37,500 = ₹15,52,500; इसे 2:1 में एल व एम को बांटने पर उनकी पूँजी क्रमशः ₹ 10,35,000 व ₹5,17,500 होगी।

उदाहरण 17 : X, Y तथा Z एक फर्म में साझेदार थे और 31 दिसंबर 2016 को उनका स्थिति विवरण इस प्रकार था
X, Y and Z were partners in a firm whose Balance Sheet as on 31st December, 2016 was as under:

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors		18,240	Cash	16,240
General Reserve		7,500	Debtors	22,500
Capitals:			Stock	26,500
X	20,000		Furniture	5,000
Y	14,500			
Z	10,000	44,500		
		70,240		**70,240**

उस दिन Y ने अवकाश ग्रहण कर लिया। इस संबंध में निम्न समायोजन करने का निर्णय़ लिया गया :

(क) स्टॉक तथा फर्नीचर में क्रमशः 5% और 10% की कमी की जाए।

(ख) देनदारों के 5% पर संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान किया जाए।

(ग) लेनदारों के साथ एक पुराना विवाद निबटाया गया और फर्म को ₹9,050 देने पडे। इस उद्देश्य के लिए विविध लेनदारों में ₹ 6,000 पहले से सम्मिलित किए गए हैं ।

(घ) ख्याति का मूल्यांकन ₹12,000 किया गया हैं ।

(ङ) लाभ तथा हानि को 5 : 3 के अनुपात में बाँटा जाए ।

(च) Y का भुगतान कर दिया जाए और Y को देय समस्त राशि X तथा Y द्वारा इस प्रकार लाई जाएगी कि उनकी पूँजी उनके नए लाभ विभाजन अनुपात में हो जाए ।

पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते और Y के अवकाश ग्रहण करने के बाद स्थिति विवरण बनाइए।

Y retired on that date. In this connection, it was decided to make the following adjustments:

(a) To reduce stock and furniture by 5% and 10% respectively.

(b) To provide for doubtful debts at 5% on debtors.

(c) A long dispute with the creditors was settled and firm has to pay ₹ 9,050. In anticipation ₹ 6,000 have already been included in sundry creditors for this purpose.

(d) Goodwill was valued at ₹ 12,000.

(e) To share profits and losses in 5 : 3 ratio.

(f) Y should be paid off and the entire sum payable to Y shall be brought in by X and Z in such a way that their capitals should be in their new profit sharing ratio.

Prepare Revaluation A/c, Partners' Capital A / cs and Balance Sheet after Y's retirement.

Dr. Revaluation Account Cr

Particulars	Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Stock A/c	1,325	By Loss transferred to Capital		
To Furniture A/c	5,00	X	2,000	
To Provision for Doubtful Debt A/c	1,125	Y	2,000	
To Creditors A/c	3,050	Z	2,000	6,000
	6,000			**6,000**

Dr. Partner's Capital A/c Cr.

Particulars	X₹	Y₹	Z₹	Particulars	X₹	Y₹	Z₹
To Revaluation A/c	2,000	2,000	2,000	By Balance b/d	20,000	14,500	10,000
To Y's Capital A/c	3,500	-	500	By General Reserve	2,500	2,500	2,500
To Balance c/d	17,000	19,000	10,000	By X's Capital A/c	-	3,500	-
				By Z's Capital A/c	-	500	-
	22,500	**21,000**	**12,500**		**22,500**	**21,000**	**12,500**
To Cash	-	19,000	-	By Balance b/d	17,000	19,000	10,000
To Balance c/d	28,750	-	17,250	By Cash A/c	11,750	-	7,250
	28,750	**19,000**	**17,250**		**28,750**	**19,000**	**17,250**

Balance Sheet of X & Z

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Creditors		21,290	Cash		16,240
X's Capital	28,750		Debtors	22,500	
Y's Capital	17,250	46,000	Less: Provision for D.D.	1,125	21,375
Stock		25,175			
Furniture		4,500			
		67,290			**67,290**

कार्यशील टिप्पणियाँ (Working Notes)

(i) फायदे का अनुपात = नया लाभ विभाजन अनुपात पुराना–लाभ विभाजन अनुपात

X : 5/8 – 1/3 = 7/24

Y : 3/8 – 1/3 = 1/24, अतः त्याग अनुपात 7 : 1

(ii) Y का ख्याति में हिस्सा ₹12000 x 1 / 3 = ₹ 4000 को X व Z को पूँजी खातों में उनके फायदे के अनुपात 7 : 1 में समायोजित किया गया हैं।

(iii) पूँजी का समायोजनः X,Y व Z की कुल समायोजित पूँजी 17000 + 19000 + 1000= ₹46000

नई फर्म की कुल पूँजी ₹ 46,000 (5 : 3) के अनुपात में X की ₹ 28,750 व Z की ₹ 17,250 होगी।

उदाहरण 18 : A, B और C एक फर्म में साझेदार हैं जो लाभ हानि को 3 : 2 : 1 के अनुपात में बाँटते हैं। 31 मार्च 2017 को उनका स्थिति विवरण इस प्रकार हैं।

A, B and C are partners in a firm sharing profits and losses in the ratio of 3 : 2 : 1. Their Balance Sheet as at 31st March, 2017 is:

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Creditors		30,000	Cash		16,240
Bills Payable		13,000	Debtors	25,000	
General Reserve		12,000	Less: Provision for D.D.	3,000	22,000
Workmen Compensation Reserve		9,000	Stock		18,000
Capital			Furniture		30,000
A	40,000		Machinery		63,000
B	40,000		Goodwill		12,000
C	30,000	1,10,000	Profit & Loss		3,000
		1,74,000			**1,74,000**

1. अप्रैल 2017 को B निम्न शर्तों पर अवकाश ग्रहण करता हैं–**(a)** संदिग्ध ऋणों के लिए आयोजन ₹1,000 से बढाना हैं। **(b)** रहतिए पर 10% तथा फर्नीचर पर 5% ह्रास लगाना हैं। **(c)** एक क्षति का दावा ₹1,100 का बकाया हैं जिसके लिए व्यवस्था करनी हैं। **(d)** लेनदारों को ₹6,000 से कम करना हैं। **(e)** फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹21,000 किया गया । **(f)** बकाया किराया ₹600। **(g)** B को पूर्ण भुगतान नकद में किया गया। यह राशि A और B के द्वारा इस प्रकार लायी गई कि नई फर्म में ₹10,000 रोकड शेष रहे तथा उनके पूँजी खातों का शेष उनके नए लाभ विभाजन अनुपात में हो जाए। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते और A तथा B का स्थिति विवरण बनाइए।

B retires on 1st April, 2017 on the following terms:-
(a) Provision for Doubtful Debts be raised by ₹1,000. **(b)** Stock to be depreciated by 10% and Furniture by 5%. **(c)** There is an outstanding claim of damages of ₹1,100 and it is to be provided for. **(d)** Creditors will be written back by ₹6,000. **(e)** Goodwill of the firm is valued at ₹21,000. **(f)** Outstanding Rent ₹600. **(g)** B is paid in full with the cash brought in by A and C in such a manner that their capitals are in proportrion to their profit sharing ratio and Cash in Hand remains at ₹10,000. Prepare the Revaluation A/c, Partners'Capital Accounts & the Balance Sheet of A and C.

हल: **Dr. Revaluation Account Cr**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To P.B.D. A/c	1,000	By Creditors A/c	6,000
To Stock A/c	1,800		
To Furniture A/c	1,500		
To Claim for Compensation	1,100		
To Outstanding Rent	600		
	6,000		**6,000**

Dr. Partner's Capital A/c. Cr.

Particulars	A₹	B₹	C₹	Particulars	A₹	B₹	C₹
To Goodwill	6,000	4,000	2,000	By Balance b/d	40,000	40,000	30,000
To P&L A/c	1,500	1,000	500	By General Reserve	6,000	4,000	2,000
To B's Capital	5250	-	1750	By Workmen Reserve	4,500	3,000	1,500
To Balance c/d	37,750	49,000	29,250	By A's Capital A/c	-	5,250	-
				By C's Capital A/c	-	1,750	-
	50,500	**54,000**	**33,500**		**50,500**	**54,000**	**33,500**
To Cash A/c	-	49,000	-	By Balance b/d	37,750	49,000	29,250

To Cash A/c b/f	-	-	1,250	By Cash A/c b/f	37,250	-	-
To Balance c/d	75,000	-	25,000				
	75,000	**49,000**	**29,250**		**75,000**	**49,000**	**29,250**

Balance Sheet
As on 31 March, 2017

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors	24,000	Cash in Hand	10,000
Bills Payable	13,000	Debtors 25,000	
Outstanding Payable	600	Less: Provision for DD. 4,000	21,000
Claim for Compensation	1,100	Stock	16,200
Capital A/c's		Furniture	28,500
A 75,000		Machinery	63,000
C 25,000	1,00,000		
	1,38,700		**1,38,700**

कार्यशील टिप्पणियां: (1) B का ख्याति में हिस्सा 21000 X 2/6 = ₹7000 को A व C के फायदे के अनुपात 3:1 में समायोजित किया गया हैं।

(2) Dr. **Cash Account** **Cr.**

Particulars	Amount₹	Particulars	Amount ₹
To Balance b/d	26,000	By B's Capital A/c	49,000
To A's Capital A/c	37,250	By C's Capital	4,250
		By Balance c/d	10,000
	63,250		**63,250**

(3) नई फर्म की पूँजी की गणना: कुल समायोजित पूँजी व रोकड शेष जो रखना हैं – प्रा. रोकड शेष (37750+49000=9250)+10000 – 26000 = ₹ 100000 इसमें A व C का हिस्सा 3:1 में क्रमशः ₹75000 व ₹25000 होगा ।

उदाहरण **19 :** A, B व C, 5 : 4 : 1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हुए साझेदार है। 31-3-2017 को उनका चिट्ठा इस प्रकार था।

A, B and C are partners sharing profits as 5 : 4 : 1. Their Balance Sheet as on March 31, 2017 was as follows :

Balance Sheet
As on March 31, 2017

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital		Fixed Assets	1,00,000
A : 80,000		Investment	60,000
B : 70,000		Stock	10,000
C : 50,000	2,00,000	Debtors	60,000
Creditors	30,000	Cash in hand	50,000
Reserves	50,000	Goodwill	20,000
Provident Fund	20,000		
	3,00,000		**3,00,000**

उपरोक्त तिथि को C अवकाश ग्रहण करता है। और D लाभों में $\frac{1}{5}$ हिस्से के लिए प्रवेश करता है। इसके लिए निम्न बातों पर सहमति होती है।

1. फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹60000 पर किया गया। **2.** स्थायी सम्पतियों को 4% से ह्रासित करना है। **3.** स्टॉक को ₹18,000 पर मूल्यांकित किया गया। **4.** अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को देय रकम उसके ऋण

खाते में हस्तातरित कर दी जाये। **5.** नयी फर्म में A, B व D का लाभ विभाजन अनुपात 2 : 2 : 1 होगा। तथा फर्म की कुल पूँजी ₹2,00,000 होगी। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते व नयी फर्म का चिट्ठा बनाइयें।

C retires on the above date and on the same date D is admitted with $\frac{1}{5}$ share in the profits. For this the following terms were agreed upon:

1. Goodwill of the firm is valued at ₹ 60,000. **2.** Fixed assets are depreciated by 4%. **3.** Stock is valued at ₹ 18,000. **4.** Amount due to the retiring partner shall be transeferred to his loan Account. **5.** The new firm of A, B and D will have the profit sharing ratio of 2 : 2 : 1 and its total capital will be ₹ 2,00,000.

Prepare Revaluation Account, Capital Accounts and Balance Sheet of the new firm.

हल: **Dr.** **Revaluation Account** **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount₹
To Fixed Assets A/c		4,000	By Stock A/c	8,000
To Profits transferred to				
A's Capital A/c	2,000			
B's Capital A/c	1,600			
C's Capital A/c	400	4,000		
		8,000		**8,000**

Dr. **Partner's Capital Account** **Cr.**

Particulars	A ₹	B ₹	C ₹	D ₹	Particulars	A ₹	B ₹	C ₹	D ₹
To Goodwill	10,000	8,000	2,000	-	By Balance b/d	80,000	70,000	50,000	
To C's Loan	-	-	59,400	-	By Reserves	25,000	20,000	5,000	
To Cash A/c (Bal. Figure)	23,000	3,600	-	-	By D's Current A/c	6,000	-	6,000	
To Balance c/d	80,000	80,000	-	40,000	By Revaluation	2,000	1,600	400	
					By Cash A/c	-	-	-	4,000
	1,13,000	**91,600**	**61,400**	**40,000**		**1,13,000**	**91,600**	**61,400**	**40,000**

Banlance Sheet the New Firm
As on 31 March, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital A/c's			Fixed Assets	96,000
A	80,000		Investments	60,000
B	80,000		Stock	18,000
D	40,000	2,00,000	Debtors	60,000
C's Loan A/c		59,400	Cash	63,400
Provident Fund		20,000	D's Current A/c	12,000
Creditorss		30,000		
		3,09,400		**3,09,400**

कार्यशील टिप्पणियां (Working Notes)

1. ख्याति का व्यवहार : C का ख्याति में हिस्सा $60,000 \times \frac{1}{10}$ = ₹ 6,000, D का ख्याति में हिस्सा $60,000 \times \frac{1}{5}$ = ₹ 12,000, D के प्रवेश पर A का त्याग $\frac{5}{10} - \frac{2}{5} = \frac{1}{10}$ अत:उसे क्रेडिट करेगें $60,000 \times \frac{1}{10}$ = ₹ 6,000

D's Current A/c	Dr.	12,000	
To A's Capital A/c			6,000
To C's Capital A/c			6,000

2. D ख्याति की राशि नकद लेकर नहीं आ रहा है अतः प्रविष्टि चालू खाते के माध्यम से की गयी हैं।

3. रोकड शेष 50,000 + 40,000 – 23,000 – 3,600 = ₹ 63,400

उदाहरण 20. अजय, अक्षय व अभिषेक एक फर्म में साझेदार है जो 5 : 3 : 2 में लाभ विभाजन करते है। 31-3-2017 का स्थिति विवरण निम्न प्रकार था।

Ajay, Akshay and Abhishek are partners they were sharing profits in ratio of 5 : 3 : 2. Balance Sheet as on 31 March, 2017 was as followings :

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors	30,000	Cash at Bank	10,000
Workmen Compensation Reserve	10,000	Debtors 20,000	
Investment Fluctuation Reserve	3,000	Less : PBD 1,000	19,000
Bills Payable	3,000	Stock	6,000
Outstanding Expenses	2,000	Investment	12,000
Employees' Provident Fund	7,000	Leasehold Property	66,000
Reserve	10,000	Plant & Machinery	48,000
Capitals		Furniture	20,000
Ajay 60,000		Trade mark	3,000
Akshay 45,000		Patent	5,000
Abhishek 30,000	1,35,000	Profit & Loss Account (Dr.)	4,000
		Advertisement	2,000
		Goodwill	5,000
	2,00,000		**2,00,000**

अजय ने 31-3-2017 को अवकाश ग्रहण किया। अक्षय व अभिषेक ने भविष्य में लाभों को 2 : 3 के अनुपात में बांटना तय किया। अवकाश पर अन्य शर्ते निम्न प्रकार हैं– **(i)** ख्याति का मूल्यांकन ₹ 40,000 पर किया गया। **(ii)** अर्जित आय ₹ 1,500 का लेखा किया जाये। **(iii)** विनियोगों का बाजार मूल्य ₹ 8,000 है। **(iv)** ₹ 1,000 डूबत ऋण की वसूली हुयी है। **(v)** पट्टे की सम्पति 10% से अधिक मूल्यांकित है। (vi) संयंत्र व मशीन 20% से कम मूल्यांकित है। **(vii)** फर्नीचर को 15% से ह्रासित किया जाये। **(viii)** ट्रेडमार्क का मूल्य 20% कम करे। **(ix)** एकस्व का मूल्य 40% अधिक करे। **(x)** कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय के विरुद्व दायित्व ₹ 10,000 है। **(xi)** पूर्वदत बीमा ₹ 2,000 **(xii)** मरम्मत के बकाया बिल ₹ 2,000 **(xiii)** एक पुराना कम्प्यूटर जिसे ₹ 5,000 पर मूल्यांकित किया गया पुस्तकों में नहीं दिखाया गया है, उसे अजय ने ले लिया। **(xiv)** संदिग्ध ऋणों के लिए आयोजन की आवश्यकता नहीं है। **(xv)** लेनदारों के साथ एक पुराना विवाद निपटाया गया और फर्म को ₹ 10,000 देने होगें। इस उद्देश्य के लिए विविध लेनदारों में ₹ 6,000 पहले से शामिल किये गये है। **(xvi)** स्टॉक को ₹ 3,000 से कम करें। **(xvii)** नयी फर्म की पूँजी ₹ 80,000 होगी।

पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदार के पूँजी खाते व नयी फर्म का चिट्ठा बनाइये।

Ajay retired on 31-3-2017 and Akshay and Abhishek decided to share profits in future in the ratio of 2 : 3 respectively. The other terms on retirement were as follows; **(i)** Goodwill of the firm is to be valued at ₹ 40,000. **(ii)** Accrued income of ₹ 1,500 be provided for. **(iii)** The market value of investments was ₹ 8,000.**(iv)** Bad debts recovered ₹ 1,000. **(v)** Leasehold property over valued by 10% **(vi)** Plant & Machinery under valued by 20% **(vii)** Furniture is depreciated by 15% **(viii)** Trade mark valued at 20% less. **(ix)** Patent valued at 40% More. **(x)** Liability against Workmen Compensation is ₹ 10,000. **(xi)** Prepaid insurance ₹ 2,000. **(xii)** O/s bills for Repair ₹ 2,000 **(xiii)** There is an old computer valued at ₹ 5,000. It does not appear in the books. It is taken by Ajay. **(xiv)** Provision for doubtful debts is not required. **(xv)** A long dispute with the creditors was settled and firm has to pay ₹ 10,000. In anticipation ₹ 6,000 have already been included in sundry creditors for this purpose. **(xvi)** Stock is reduced by ₹ 3,000. **(xvii)** Capital of the firm, as newly constituted be fixed at ₹ 80,000.

Prepare Revaluation A/c, Partner's Capital A/cs and the Balance Sheet of the new firm.

हल **Dr.** **Revaluation Account** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Investment A/c	1,000	By Accrued Income	1,500
To Leasehold Property $\frac{66,000x10}{110}$	6,000	By Bad Debts recovered	1,000
To Furniture A/c	3,000	By Plant & Machinery A/c	
To Trade Mark A/c	600	48,000x$\frac{20}{80}$	12,000
To Outstanding bills for repairs	2,000	By Patent A/c	2,000
To Stock A/c	3,000	By Prepaid Insurance	2,000
To Creditors A/c	4,000	By old Computer	5,000
To Profits transferred to		By P.B.D A/c	1,000
Ajay's Capital A/c 2,450			
Akshay's Capital A/c 1,470			
Abhishek's Capital A/c 980	4,900		
	24,500		**24,500**

Dr. **Partner's Capital Account** **Cr.**

Particulars	Ajay ₹	Akshay₹	Abhishek₹	Particulars	Ajay ₹	Akshay₹	Abhishek₹
To P&L A/c	2,000	1,200	800	By Balance b/d	60,000	45,000	30,000
ToAdvertisement	1,000	600	400	By Reserve	5,000	3,000	2,000
To Goodwill	2,500	1,500	1,000	ByRevaluation	2,450	1,470	980
To Ajay's Capital	-	4,000	16,000	By Akshey's Cap.	4,000	-	-
To Computer	5,000	-	-	By Abhishek Cap.	16,000	-	-
To Ajay's Loan A/c	76,950	-	-				
To Balance c/d	-	42,170	14,780				
	87,450	**49,470**	**32,980**		**87,450**	**49,470**	**32,980**
To Bank A/c (b/f)	-	10,170	-	By Balance b/d	-	42,170	14,780
To Balance c/d	-	32,000	48,000	Bu Bank (Bal Fig)	-	-	33,220
	-	**42,170**	**48,000**		-	**42,170**	**48,000**

Balance Sheet Akshay&Abhishek
As on 31 December, 2016

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors	34,000	Cash at Bank	34,050
Bills Payable	3,000	Debtors	20,000
Outstanding Expenses	2,000	Stock	3,000
Employee's Provident Fund	7,000	Investment	8,000
Outstanding bills For Repairs	2,000	Leasehold property	60,000
Liability from workmen	10,000	Plant & Machinery	60,000
compensation		Furniture	17,000
Ajay's Loan A/c	76,950	Trade Mark	2,400
Capital A/c's		Patent	7,000
Akshay 32,000		Accrued Income	1,500
Abhishek 48,000	80,000	Prepaid Insurance	2,000
	2,14,950		**2,14,950**

कार्यशील टिप्पणियाँ **(Working Notes) :- (1)** विनियोगों के बाजार मूल्य में हुई कमी ₹ 4,000 में से ₹ 3,000 निवेश उतार चढाव खाते से व शेष ₹ 1,000 पुर्नमूल्यांकन खाते से चार्ज किया गया है। **(2)** कर्मचारी क्षतिपूर्ति के

संबंध में दायित्व की पूर्ति कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय से की गयी हैं। **(3)** ख्याति में अजय का हिस्सा $40,000 \times \frac{5}{10}$ = ₹ 20,000 को अक्षय व अभिषेक के खाते से फायदे के अनुपात 1 : 4 में समायोजित किया गया है।

फायदे का अनुपात = नया लाभ विभाजन अनुपात – पुराना लाभ विभाजन अनुपात

Akshay : $\frac{2}{5} - \frac{3}{10} = \frac{5}{20}$; Abhishek : $\frac{3}{5} - \frac{2}{10} = \frac{20}{50}$; त्याग अनुपात 1 : 4

(4) बैंक शेष 10,000 + 1,000 + 33,220 – 10,170 = ₹ 34,050

(5) सूचना के अभाव में अजय को देय रकम उसके ऋण खाते में हस्तातरित की गयी है।

निवृति की दशा में जीवन बीमा पॉलिसी का समायोजन
(Adjustment of Life Policies in Case of Retirement)

(क) यदि संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी सभी साझेदारों के जीवन पर ले रखी है तो निम्नांकित परिस्थितियां बनेगीः–

(अ) जब प्रीमियम को व्यापारिक खर्च माना जावेः – ऐसी दशा में निवृति के दिन पॉलिसी के समर्पण मूल्य (Surrender Value) की राशि सभी साझेदारों में लाभ विभाजन अनुपात में बांट दी जाती हैं। यदि शेष साझेदार समर्पण मूल्य की राशि से पॉलिसी खाता खुला रखना चाहते हो तो चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष पर इसे दिखाया जाएगा। परन्तु यदि बन्द करना हो तो शेष साझेदार नये अनुपात में यह राशि वहन करेंगे।

समर्पण मूल्यः समर्पण मूल्य से आशय उस मूल्य से हैं, जिसे फर्म बीमा कम्पनी से बीमा अवधि में समर्पित करने पर प्राप्त कर सकती हैं।

(1) समर्पण मूल्य की राशि का लेखा करने परः

Joint Life Policy A/c		Dr.	(निवृति के दिन समर्पण मूल्य)
	To All Partner's Capital A/c		(पुराने अनुपात में)
(Distribution of surrender value in old ratio)			

(2) यदि उक्त संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी खाते को बन्द करने की सूचना दी होः

Remaining Partner's Capital A/c		Dr.	(नये अनुपात में)
	To Joint Life Policy A/c		(निवृति के दिन समर्पण मूल्य)
(Joint life policy A/c closed by transferring into remaining partner's capital A/c)			

टिप्पणी : यदि किसी साझेदार के निवृत होने पर संयुक्त बीमा पॉलिसी वास्तव में ही समर्पित कर बीमा कम्पनी से धन राशि प्राप्त कर लेते हैं तोः **(क)** पहले राशि प्राप्त करने की निम्नांकित प्रविष्टि बनेगीः

Cash A/c		Dr.	(समर्पण मूल्य की प्राप्त राशि से)
	To Joint Life Policy A/c		
(Surrender Value Received)			

(ख) पॉलिसी की यह प्राप्त राशि बांटने परः

Joint Life Policy A/c		Dr.	(प्राप्त समर्पण मूल्य)
	To All Partner's Capital A/c		(पुराने अनुपात में)
(Distribution of surrender value received)			

(ब) जब प्रीमियम को पूँजीगत खर्च माना जावेः इस दशा मे पॉलिसी खाता समर्पण मूल्य पर ही पुस्तकों में दिखाया हुआ रहता हैं। अतः कोई पृथक प्रविष्टि नहीं बनेगी किंन्तु निवृति पर पॉलिसी का पुनर्मूल्यांकन किया जाता है तो पुस्तक मूल्य व पुनर्मूल्यांकित मूल्य के अन्तर को पुनर्मूल्यांकन खाते के माध्यम से ही समायोजित करते हैं तथा चिट्ठे में पॉलिसी खाते को पुनर्मूल्यांकित मूल्य पर दिखाया जाएगा। इस प्रकार पुनर्मूल्यांकन प्रविष्टियों के साथ ही प्रविष्टि बनेगी। किन्तु अब शेष साझेदार पॉलिसी खाते को बंद करना चाहे तो निम्नलिखित प्रविष्टि से बंद कर दिया जाएगाः

Remaining Partner's Capital A/c		Dr.	(नये अनुपात में)
	To Joint life policy A/c		
(Joint life policy A/c closed by transferring it into remaining partner's Capital A/c)			

टिप्पणी : यदि बीमा पॉलिसी वास्तव में समर्पित कर नगद राशि निवृति के दिन प्राप्त कर लें तो निम्नांकित प्रविष्टियां बनेगी तथा पॉलिसी खाते में यदि कोई शेष है तो सभी साझेदारों को पुराने अनुपात में बांट देंगेः

1. समर्पण पर राशि प्राप्त करने पर : –

Cash A/c		Dr.	(प्राप्त समर्पण मूल्य)

To Joint life policy A/c

(Cash received on surrender of policy)

2. इस प्राप्त राशि को वितरित करने पर

Joint life policy A/c	Dr.	(शेष राशि यदि हो)	
To All Partner's Capital A/c		(पुराने अनुपात में)	

(Joint life policy A/c closed)

टिप्पणी : यदि पुस्तक में दिखाये गये मूल्य से कम राशि प्राप्त हो तो इसकी विपरीत प्रविष्टि भी बन सकेगी।

उदाहरण 21: ए, बी व सी 4 : 3 : 2 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। सी के निवृत होने पर संयुक्त बीमा पॉलिसी का समर्पण मूल्य ₹ 90,000 आंका गया, पॉलिसी खाता भविष्य में पुस्तकों में नहीं दिखाना हैं तथा भविष्य में शेष साझेदार लाभ बराबर–बराबर बांटना तय करते हैं तो निम्नांकित दशाओग में प्रविष्टियां कीजिए यदि : (1) प्रीमियम को व्यापारिक खर्च माना जाए। (2) संयुक्त बीमा पॉलिसी खाता का उक्त समर्पण मूल्य से पुस्तकों में विद्यमान हैं।

हल : 1 **JOURNAL**

Date	Particulars	L. F.	Dr. Amount ₹	Cr. Amount ₹
Date of Retire-Ment	Joint Life Policy A/c Dr.		90,000	
	To A's Capital A/c			40,000
	To B's Capital A/c			30,000
	To C's Capital A/c			20,000
	(Joint Life Policy recorded on surrender value at the time of C's Retirement)			
Date Of Retire-Ment	A's Capital A/c Dr.		45,000	
	B's Capital A/c Dr.		45,000	
	To Joint Life Policy A/c			90,000
	(Being policy account closed)			

टिप्पणी: इस दशा में चाहे तो निम्नांकित एक प्रविष्टि भी बनाई जा सकती हैं : –

Date Of Retire-Ment	A's Capital A/c Dr.		5,000	
	B's Capital A/c Dr.		15,000	
	To C's Capital A/c			20,000
	(Share of C's in JLP charged to A & B in their gain ratio1 : 3)			

हल 2:

Date Of Retire-Ment	A's Capital A/c Dr.		45,000	
	B's Capital A/c Dr.		45,000	
	To Joint Life Policy A/c			90,000
	(Being policy account closed)			

उदाहरण 22 : ए, बी व सी 5 : 3 : 2 में लाभ बांटते हुए साझेदार हैं। सी के निवृत्त होने पर फर्म की पुस्तकों में संयुक्त बीमा पॉलिसी खाता चिटठे में ₹ 10,000 दिखाया हुआ है। इसी दिन फर्म पॉलिसी समर्पित करने का निश्चय करती हैं तथा बीमा कम्पनी से ₹ 12,000 प्राप्त करती हैं। आवश्यक प्रविष्टियां दीजिए।

हल:

Date	Particulars	L.F.	Dr. Amount ₹	Cr. Amount ₹
	Cash A/c Dr.		12,000	
	To Joint Life Policy A/c			12,000
	(Cash received at the time of surrender of policy			

	Joint Life Policy A/c Dr.		2,000	
	To A's Capital A/c			1,000
	To B's Capital A/c			600
	To C's Capital A/c			400
	(Balance of policy A/c distributed among the partners)			

मृत्यु की दशा में साझेदारों के जीवन पर बीमा पॉलिसी का समायोजन
(Life Insurance Policy on the Lives of Partners)

मृत्यु एक शाश्वत सत्य है जिसे टाला जाना असम्भव हैं। अतः फर्म प्रत्येक साझेदार के जीवन पर व्यक्तिगत जीवन बीमा पॉलिसी अथवा सभी साझेदारों के जीवन पर एक संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी ले सकती हैं। किसी भी साझेदार की मृत्यु होने पर फर्म को मृतक साझेदार के कानूनी उत्तराधिकारी को उसकी समायोजित पूँजी का भुगतान करना पड़ता हैं। साझेदारों के जीवन पर बीमा पॉलिसी लेने का उद्देश्य यह है कि किसी भी साझेदार की मृत्यु होने पर फर्म को बीमा कम्पनी से तरल कोष उपलब्ध हो सके जिससे मृतक साझेदार के उत्तराधिकारी को देय राशि का निपटारा करने में आसानी रहे। फर्म द्वारा साझेदारों के जीवन पर दो प्रकार की जीवन बीमा पॉलिसियाँ ली जा सकती हैं:

1. व्यक्तिगत अथवा पृथक जीवन बीमा पॉलिसी(Individual or Separate Life Policy) 2. संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी (Joint Life Policy)

1. व्यक्तिगत अथवा पृथक जीवन बीमा पॉलिसी (Individual or Separate Life Policy): इस स्थिति में फर्म प्रत्येक साझेदार के जीवन पर पृथक–पृथक पॉलिसी बीमा कम्पनी से लेती है अतः इसे व्यक्तिगत अथवा पृथक–पृथक जीवन बीमा पॉलिसी के नाम से जाना जाता है। प्रत्येक पॉलिसी पर देय प्रीमियम फर्म ही चुकाती है। फर्म द्वारा चुकाया गया प्रीमियम इस स्थिति में साधारणतया खर्चा ही माना जाता हैं। प्रत्येक साझेदार के जीवन पर ली गई पॉलिसी की राशि या तो परिपक्वता तिथि (Maturity Date) को अथवा किसी साझेदार की मृत्यु होने परफर्म को प्राप्त हो जाती हैं। फर्म द्वारा चुकाया गया प्रीमियम आयगत खर्चा माना जाता है अतः लेखा वर्ष के अन्त में इसे लाभ हानि खाते में अन्तरित कर दिया जाता हैं।

किसी भी साझेदार की मृत्यु हो जाने पर बीमा कम्पनी से प्राप्त मृतक साझेदार की पॉलिसी की राशि तथा देय जीवित साझेदारों की व्यक्तिगत पॉलिसियों के समर्पण मूल्य को जोडकर सभी साझेदारों में(मृतक साझेदार सहित)उनके लाभ विभाजन अनुपात में बांट दिया जाता हैं।

मृतक साझेदार को पॉलिसी की देय राशि की गणनाः

मृतक साझेदार की पॉलिसी से प्राप्त राशि	–
जोडियेः शेष जीवित साझेदारों की व्यक्तिगत पॉलिसियों का समर्पण मूल्य	–
कुल राशि	–

उक्त राशि में मृतक साझेदार का हिस्सा = कुल राशि x मृतक साझेदार का लाभ विभाजन अनुपात

व्यक्तिगत जीवन बीमा पॉलिसी का लेखांकन–

Journal Entries

Date	Particulars	L. F.	Dr. Amount ₹	Cr. Amount ₹
	1. प्रीमियम चुकाने पर Insurance Premium A/c Dr. To Cash / Bank A/c (Insurance premium paid)			
	2. प्रतिवर्ष प्रीमियम को लाभ – हानि खाते में अन्तरित करने पर Profit & Loss A/c Dr. To Insurance Premium A/c (Premium transferred to P & L A/c)			
	3. साझेदार की मृत्यु होने पर पॉलिसी की राशि देय होने पर			

	Insurance Company A/c Dr. To Life Policy of Deceased A/c (Policy amount due)				
	4. पॉलिसी की राशि प्राप्त होने पर Bank A/c Dr. To Life Policy of Deceased Partner A/c (Policy amount received)				
	5. मृतक साझेदारी की पॉलिसी + शेष जीवित साझेदारों को पॉलिसी का समर्पण मूल्य साझेदारों में बॉटने पर Life Policy of Deceased Partner A/c Dr. Life Policies of other Partners A/c Dr. To All Partners Capital A/c (Total amount of policy distributed in all the partners)				

वैकल्पिक विधि(Alternative Method):

जीवन बीमा पॉलिसी का प्रभाव यदि पुस्तकों में नहीं दर्शाना हैं तो मृतक साझेदार की पॉलिसी तथा शेष साझेदारों की पॉलिसियों की समर्पण मूल्य की जोड़ में से मृतक साझेदारों के हिस्से से शेष साझेदारों का पूँजी खाता फायदे अनुपात में डेबिट करके मृतक साझेदार का पूँजी खाता क्रेडिट किया जाता हैं। ऐसी स्थिति में जीवन बीमा पॉलिसी की समर्पण राशि पुस्तकों में नहीं दिखाईं जाती हैं।

Remaining Partner's Capital/ Current A/c Dr.
To Deceased Partner's Capital/Current A/c
(Deceased partners share in policy amount credited to his capital A/c)

उदाहरण 23 : अ, ब और स एक फर्म में 3:2:1 के अनुपात में लाभ हानि बांटते हुए साझेदार हैं।1अप्रैल2015 को फर्म ने सभी साझेदारों के नाम की तीन जीवन बीमा पॉलिसियाँ क्रमशः ₹ 80,000, ₹ 50,000, ₹ 60,000 की ली। प्रत्येक पॉलिसी पर क्रमशः ₹ 10,000, ₹ 6,000, ₹ 4,000 बीमा प्रीमियम चुकाया जाता है। बीमा प्रीमियम को लाभ हानि खाते से चार्ज किया जाता हैं। 1 जुलाई, 2017 को अ की मृत्यु हो गई तथा उसकी बीमा पॉलिसी की पूरी राशि 3 जुलाई को प्राप्त हो गई। उस तिथि को ब और स की पॉलिसी का समर्पण मूल्य क्रमशः ₹ 16,000 तथा ₹ 8,000 था जिसे पुस्तकों में दिखाना हैं। फर्म को पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टिया दीजिये तथा चिटठे में जीवन बीमा पॉलिसी दर्शाइए।

A, B and C sharing profit and losses of the firm in the ratio of 3:2:1 - The firm had taken three individual life policies for ₹ 80,000, ₹ 50,000 and ₹ 60,000 for the lives of A, B and C. The firm pays ₹ 10,000, ₹ 6,000 and ₹ 4,000 respectively on their policies as premium. The premium in charged to profit and loss A/c of the firm. A died on 1 July 2017 and the amount of his policy is received in full on 3 July. The surrender values of the policy of B and C on the date of death were ₹ 16,000 and ₹ 8,000 respectively which is to be shown in the books.

Pass Journal entries in the books of the firm and show the life policy in the Balance Sheet.

Journal

Date	Particulars	L.F.	Dr. Amount ₹	Cr. Amount ₹
April 2017	Insurance Premium A/c Dr. To Cash / Bank A/c (Insurance premium paid)		20,000	20,000
July 2017	Insurance Company A/c Dr. To Life Policy A/c (Policy amount due)		60,000	60,000
July 2017	Bank A/c Dr. To Insurance Company A/c		60,000	60,000

	(Policy amount received)			
July 2017	Life Policy A/c Dr. To A's Capital A/c To B's Capital A/c To C's Capital A/c (Policy amount and surrender value distributed among the partners)		84,000	 42,000 28,000 14,000

Balance Sheet of New Firm

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
		Life Policy	24,000

2. सभी साझेदारों के जीवन पर सँयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी (Joint Life InsurancePolicy on the lives of partners): फर्म द्वारा साझेदारों के जीवन पर पृथक–पृथक पॉलिसी के स्थान पर एक संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी भी ली जा सकती हैं। ऐसी स्थिति में किसी भी साझेदार की मृत्यु होने पर जीवन बीमा पालिसी की पूरी राशि फर्म को प्राप्त हो जाती हैं, जिसे सभी साझेदारों में उनके लाभ विभाजन अनुपात में बांट दिया जाता हैं। संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी पर चुकाये जाने वाली प्रीमियम के सम्बन्ध में निम्न तीन स्थितियां हो सकती हैं:

(i) बीमा प्रीमियम को व्यापारिक व्यय मान कर लेखा।

(ii) बीमा प्रीमियम को विनियोग/पूँजीगत व्यय मान कर लेखा।

(iii) बीमा प्रीमियम को विनियोग मानना तथा उतनी राशि से संचय का निर्माण करना।

(i) बीमा प्रीमियम को व्यापरिक व्यय मान कर लेखा (Treating Premium as Trade Expenses): इस दशा में प्रविष्टियां होगी: –

Journal

Date	Particulars	L.F.	Dr. Amount ₹	Cr. Amount ₹
	1. प्रतिवर्ष प्रीमियम चुकाने पर Insurance Premium A/c Dr. To Cash / Bank A/c (Insurance Premium Paid)			
	2. प्रीमियम को लाभ–हानि खातें में अन्तरित करने पर Profit & Loss A/c Dr. To Insurance Premium A/c (Premium transferred to P & L A/c)			
	3. साझेदार की मृत्यु होने पर पॉलिसी की राशि देय होने पर Insurance Company A/c Dr. To Joint Life Policy A/c (Policy amount due)			
	4. पॉलिसी की राशि प्राप्त होने पर Bank A/c Dr. To Insurance Company (Policy amount received)			
	5. बीमा पॉलिसी की राशि सभी साझेदारों में बाँटने पर Joint Life Policy A/c Dr. To All Partner's Capital A/c (Policy amount distributed)			

नोट– साझेदार की मृत्यु पर Insurance Premium A/c में कोई शेष हैं, तो उसे Joint Life Policy Ac/c में स्थानान्तरित करना चाहिये।

उदाहरण 24 : A, B व C एक फर्म में 3:2:1 के अनुपात में लाभ–हानि बांटते हुए साझेदार हैं। फर्म ने उनके जीवन पर ₹ 60,000 की संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी 1 अप्रैल. 2013 को ली। पॉलिसी पर प्रतिवर्ष ₹ 5,000 प्रीमियम चुकाया जाता हैं। प्रीमियम को व्यापारिक व्यय माना जाता हैं। B की मृत्यु 5 अप्रैल, 2016 को हुई तथा 8 अप्रैल, 2016 को पॉलिसी की राशि प्राप्त हो गयी। फर्म की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिये।

हलः

Journal

Date	Particulars		L.F.	Dr. Amount ₹	Cr. Amount ₹
2013	Insurance Premium A/c	Dr.		5,000	
April, 1	To Bank A/c				5,000
	(Insurance premium paid)				
2014	Profit & Loss A/c	Dr.		5,000	
March, 31	To Insurance Premium A/c				5,000
	(Premium transferred to P & L A/c)				
2014	Insurance Premium A/c	Dr.		5,000	
April, 1	To Bank A/c				5,000
	(Insurance premium paid)				
2015	Profit & Loss A/c	Dr.		5,000	
March, 31	To Insurance Premium A/c				5,000
	(Premium transferred to P & L A/c)				
2015	Insurance Premium A/c	Dr.		5,000	
April, 1	To Bank A/c				5,000
	(Insurance premium paid)				
2016	Profit & Loss A/c	Dr.		5,000	
March, 31	To Insurance Premium A/c				5,000
	(Premium transferred to P & L A/c)				
2016	Insurance Premium A/c	Dr.		5,000	
April, 1	To Bank A/c				5,000
	(Insurance premium paid)				
2016	Insurance Company A/c	Dr.		60,000	
April, 5	To Joint Life Policy A/c				60,000
	(Policy amount due)				
2016	Bank A/c	Dr.		60,000	
April, 8	To Insurance Company				60,000
	(Policy amount received)				
2016	Joint Life Policy A/c	Dr.		5,000	
April, 8	To Insurance Premium A/c				5,000
	(Insurance premium transferred to Joint Life policy)				
2017	Joint Life Policy A/c	Dr.		55,000	
March, 31	To A's Capital A/c				27,500
	To B's Capital A/c				18,333
	To C's Captial A/c				9,167
	(Joint Life Policy balance credited to partners Cap. A/c)				

नोटः साझेदार की मृत्यु वाले वर्ष चुकाया गया प्रीमियम संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी खाते में ले जाया गया हैं।

(ii) बीमा प्रीमियम को विनियोग मान कर लेखाः जीवन बीमा में विनियोग का तत्त्व निहित होता हैं अतः कुछ लेखापाल प्रीमियम के भुगतान को व्यापारिक खर्च न मान कर इसे विनियोग मानते है। इस दृष्टिकोण के अनुसार

प्रीमियम भुगतान करने पर प्रीमियम की राशि से संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी खाते (Joint Life Policy A/c) को डेबिट किया जाता हैं। तथा इसे चिट्ठे में सम्पति पक्ष पर दिखाया जाता हैं। प्रत्येक लेखा वर्ष के अंत में संयुक्त पॉलिसी खाते का शेष समर्पण मूल्य के बराबर रखा जाता हैं। अतः संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी खाते की राशि व समर्पण मूल्य के अन्तर को लाभ–हानि खाते में डेबिट कर दिया जाता हैं। इस संबंध में निम्न प्रविष्टियाँ बनाते हैं–

Date	Particulars	L.F.	Dr. Amount ₹	Cr. Amount ₹
	1. प्रतिवर्ष प्रीमियम चुकाने पर Joint Life Policy A/c Dr. To Bank A/c (Insurance premium paid)			
	2. प्रतिवर्ष प्रीमियम को लाभ–हानि खाते में अन्तरित करने पर Profit & Loss A/c Dr. To Joint Life Policy A/c (Premium transferred to P & L A/c)			
	3. पॉलिसी की राशि प्राप्त होने पर Insurance Company A/c Dr. To Joint Life Policy A/c (Policy amount due)			
	4. पॉलिसी की राशि प्राप्त होने पर Bank A/c Dr. To Insurance Company (Policy amount received)			
	5. बीमा पॉलिसी की राशि सभी साझेदारों में बाँटने पर Joint Life Policy A/c Dr. To All Partner's Capital A/c (Policy amount distributed)			

उदाहरण 25: पिछले उदाहरण में यदि प्रीमियम को विनियोग माना जाता हैं तो फर्म की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये तथा संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी खाता बनाइये। पॉलिसी का समर्पण मूल्य इस प्रकार हैं: 31 मार्च, 2013–Nil; 31 मार्च, 2014–₹ 2,000; 31 मार्च 2015–₹ 4,000

Pass the Journal entries and prepare Joint Life Policy A/c from the previous example assuming that premium paid is treated as an investment. The surrender value of policy is as follows; on 31 March, 2013-Nil; on 31 March 2014-₹2,000; On 31 March, 2015-₹4,000.

हल: **Journal**

Date	Particulars	L.F.	Dr. ₹	Cr. ₹
2013 April, 1	Joint Life Policy A/c Dr. To Bank A/c (Insurance Premium Paid)		5,000	 5,000
2014 March, 31	Profit & Loss A/c Dr. To Joint Life Policy A/c (Premium transferred to P & L A/c)		5,000	 5,000
2014 April, 1	Joint Life Policy A/c Dr. To Bank A/c (Insurance premium paid)		5,000	 5,000
2015 March,	Profit & Loss A/c Dr. To Joint Life Policy A/c		3,000	 3,000

31	(Premium transferred to P & L A/c)			
2015	Joint Life Policy A/c Dr.		5,000	
April, 1	To Bank A/c			5,000
	(Insurance premium paid)			
2016	Profit & Loss A/c Dr.		3,000	
March,	To Joint Life Policy A/c			3,000
31	(Premium transferred to P & L A/c)			
2016	Joint Life Policy A/c Dr.		5,000	
April, 1	To Bank A/c			5,000
	(Insurance premium paid)			
2016	Insurance Company A/c Dr.		60,000	
April, 5	To Joint Life Policy A/c			60,000
	(Policy amount due)			
2016	Bank A/c Dr.		60,000	
April, 8	To Insurance Company			60,000
	(Policy amount received)			
2016	Joint Life Policy A/c Dr.		51,000	
April, 8	To A's Capital A/c			25,500
	To B's Capital A/c			17,000
	To C's Capital A/c			8,500
	(Policy amount distributed)			

Dr. **Joint Life Policy Account** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount₹
2013				2014			
April, 1	To Bank		5,000	March, 31	By Profit & Loss A/c		5,000
			5,000				**5,000**
2014				2015			
April, 1	To Bank		5,000	March, 31	By Profit & Loss A/c		3,000
				March, 31	By Balance c/d		2,000
			5,000				**5,000**
2015				2016			
April, 1	To balance b/d		2,000	March, 31	By Profit & Loss A/c		3,000
April, 1	To Bank		5,000	March, 31	By Balance c/d		4,000
			7,000				**7,000**
2016				2017			
April, 1	To balance b/d		4,000	April, 15	By Insurance Company		60,000
April, 1	To Bank		5,000				
April, 8	To A's Capital		25,500				
	To B's Capital		17,000				
	To C's Capital		8,500				
			60,000				**60,000**

(iii) बीमा प्रीमियम को विनियोग माना जाना तथा उतनी ही राशि से संचय का निर्माण करनाः

चिटठे में संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी खाता विनियोग के रूप मे समर्पण मूल्य पर दर्शाया जाता हैं। अतः रुढ़िवादी परम्परा की अनुपालना हेतु जीवन बीमा पॉलिसी संचय खाता (Reserve for Joint Life Policy Account) का निर्माण प्रतिवर्ष लाभ–हानि नियोजन खाते में से किया जाता हैं ताकि संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी खाते के शेष तथा पॉलिसी के समर्पण मूल्य के अंतर को जीवन बीमा पॉलिसी संचय खाते से समायोजित किया जा सके।

लेखांकन प्रविष्टियाँ : **Journal**

Date	Particulars	L. F.	Dr. Amount ₹	Cr. Amount ₹
	1. प्रतिवर्ष प्रीमियम चुकाने पर Joint Life Policy A/c Dr. To Bank A/c (Insurance premium paid)			
	2. प्रतिवर्ष संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी संचय का निर्माण करने पर Profit & Loss Appropriation A/c Dr. To Joint Life Policy Reserve A/c (Joint Life Policy reserve created)			
	3. संचय खाते का शेष समर्पण मूल्य पर करने के लिए पॉलिसी खाते के अन्तर से Joint Life Policy Reserve A/c Dr. To Joint Life Policy A/c (Difference charged to reserve A/c)			
	4. पॉलिसी की राशि प्राप्य होने पर Insurance Company A/c Dr. To Joint Life Policy A/c (Policy amount due)			
	5. पॉलिसी की राशि प्राप्त होने पर Bank A/c Dr. To Insurance Company (Policy amount received)			
	6. सयुंक्त जीवन बीमा पॉलिसी संचय खाते को बंद करने पर Joint Life Policy Reserve A/c Dr. To Joint Life Policy A/c (Balance of reserve A/c transferred to JLP A/c)			
	7. बीमा पॉलिसी की राशि सभी साझेदारों में बाँटने पर Joint Life Policy A/c Dr. To Partner's Capital A/c (Policy amount distributed)			

उदाहरण 26 : पिछले उदाहरण में लिये गये समंकों में यदि बीमा प्रीमियम को विनियोग माना जाता है तथा संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी संचय खाते का निर्माण किया जाता है तो फर्म की पुस्तकों में आवश्यक खाते बनाइये।

Open the necessary accounts in the books of the firm from the data given in the previous example, if premium paid is treated as an Investment and Reserve for Joint life Policy A/c is created.

Dr. **Joint Life Policy A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2013				2014			

April, 1	To Bank		5,000	March, 31	By JLP Reserve		5,000
			5,000				**5,000**
2014				2015			
April, 1	To Bank		5,000	March, 31	By JLP Reserve		3,000
				March, 31	By Balance c/d		2,000
			5,000				**5,000**
2015				2016			
April, 1	To balance b/d		2,000	March, 31	By JLP Reserve		3,000
April, 1	To Bank		5,000	March, 31	By Balance c/d		4,000
			7,000				**7,000**
2016				2017			
April, 1	To balance b/d		4,000	April, 5	By Insurance Company		60,000
April, 1	To Bank		5,000	April, 8	By JLP Reserve		4,000
April, 8	To A's Capital		32,000				
	To B's Capital		21,333				
	To C's Capital		10,667				
			64,000				**64,000**

Dr. **Joint Life Policy Reserve A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount₹	Date	Particulars	J.F.	Amount₹
2014				2014	By Profit & Loss		
March, 31	To JLP		5,000	March, 31	Appropriation A/c		5,000
			5,000				**5,000**
2015				2015	By Profit & Loss		
March, 31	To JLP		3,000	March, 31	Appropriation A/c		5,000
2015							
March, 31	To Balance c/d		2,000				
			5,000				**5,000**
2016				2015			
March, 31	To JLP		3,000	April, 1	By Balance b/d		2,000
2016				2016	By Profit & Loss		5,000
March, 31	To Balance c/d		4,000	March, 31	Appropriation		
			7,000				**7,000**
2016				2016			
April, 8	To JLP		4,000	April, 1	By Balance b/d		4,000
			4,000				**4,000**

लेखा वर्ष के मध्य में साझेदार का अवकाश ग्रहण/मृत्यु
(Retirement/Death of a Partner during the accounting year)

असामान्य परिस्थितियों में साझेदार लेखा वर्ष के दौरान अवकाश ग्रहण कर लेता है। इसी प्रकार किसी साझेदार की मृत्यु की दशा में उसके कानूनी उत्तराधिकारी को देय राशि का निर्धारण भी वर्ष के मध्य किसी तिथि को करना पड़ता हैं। इस दशा में उसे या उसके उत्तराधिकारी को देय राशि ज्ञात करते समय उसकी पूँजी के अतिरिक्त निम्नांकित समायोजन उसके पूँजी खाते करने पड़ते हैं।

1. वेतन, बोनस, कमीशन व फीस आदि– विगत चिटठे की तिथि से निवृत/मृत्यु तिथि तक का वेतन, बोनस आदि की राशि उसके पूँजी/चालू खातें में जमा कर दी जाती हैं।

2. **पूँजी पर ब्याज–** विगत चिटठे की तिथि से निवृत्ति/मृत्यु तिथि तक का पूँजी पर ब्याज उसके पूँजी/चालू खाते मे क्रेडिट किया जाता हैं।

3. आहरण व उस पर ब्याज– विगत चिटठे की तिथि से निवृत्ति/मृत्यु तक के आहरण और इन पर ब्याज(यदि कोई हो) उसके पूँजी/चालू खाते में डेबिट किया जाता हैं।

4. जीवन बीमा पॉलिसी– यदि साझेदारों के जीवन पर संयुक्त या पृथक–पृथक बीमा पॉलिसी ले रखी हैं तो ऐसे साझेदार के हिस्से की गणना करके उसके पूँजी/चालू खाते में क्रेडिट किया जाता हैं।

5. फर्म के लाभों में हिस्सा– विगत चिटठे की तिथि से अवकाश ग्रहण/मृत्यु तिथि तक का लाभों में हिस्सा गणना करके उसके पूँजी/चालू खाते में क्रेडिट कर दिया जाता हैं। इसकी गणना निम्नांकित में से किसी एक रीति से कर सकते है। **(क) समय के आधार पर (On time basis):** तुरंत पूर्व वाले वर्ष या विगत कुछ वर्षों के औसत लाभ को आधार मानते हुए, विगत चिटठे की तिथि से अवकाश ग्रहण/मृत्यु की तिथि तक की अवधि का आनुपातिक लाभ ज्ञात कर उसमें ऐसे साझेदार का हिस्सा उसके पूँजी/चालू खाते में क्रेडिट किया जाता हैं।

(ख) विक्रय के आधार पर (on the basis of turnover): विगत वर्ष के लाभ का उसी वर्ष के विक्रय से प्रतिशत ज्ञात किया जाता हैं तत्पश्चात विगत चिट्ठे की तिथि से अवकाश ग्रहण/मृत्यु की तिथि तक की विक्रय पर उसी प्रतिशत के आधार पर लाभ ज्ञात कर ऐसे साझेदार का लाभ में हिस्सा (उसके लाभ–विभाजन अनुपात में) ज्ञात कर उसके पूँजी/चालू खाते में क्रेडिट किया जाता हैं।

उदाहरण 27 : ए, बी व सी 3 : 2 : 1 में लाभ बांटते हैं। 31 मार्च, 2016 वर्ष का लाभ व विक्रय क्रमशः ₹ 48,000, ₹ 2,00,000 हैं। 31 अगस्त, 2016 को ए की मृत्यु हो जाती है तो (1) समय के आधार पर (2) विक्रय के आधार पर (यदि 1 जनवरी से 31 अगस्त, 2016 तक की बिक्री ₹ 60,000 हो)। मृतक साझेदार का लाभ में हिस्सा ज्ञात करो व लेखा प्रविष्टि बनाओ।

हलः (1) समय के आधार पर लाभः 48,000 x 5/12 = ₹20,000; इसमें अ का हिस्साः 20,000 x 3/6 = ₹ 10,000

Profit and Loss Suspense A/c	Dr.	10,000	
To Retiring/Deceased Partner Capital A/c			10,000
(Share of profit transferred to his capital A/c)			

(2) विक्रय के आधार पर लाभः विगत वर्ष का विक्रय पर लाभ का प्रतिशत 48,000/2,00,000 x 100 = 24%

वर्ष 2016 में मृत्यु की तिथि तक के लाभ में ए का हिस्सा $\frac{60,000 \times 24 \times 3}{100 \times 6}$ = ₹ 7,200

Profit And Loss Suspense A/c	Dr.	7,200	
To Retiring/ Deceased Partner Capital A/c			7,200
(Share of profit transferred to his capital A/c)			

6. ख्याति में हिस्साः इसकी गणना इसी अध्याय में बताए गए नियमों के आधार पर करके उसके पूँजी/चालू खाते में क्रेडिट या डेबिट करेंगे।

7. सम्पातियों व दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन से उत्पन्न लाभ – हानि में हिस्सा : इसी अध्याय में बताए गए नियमों के आधार पर करके उसके पूँजी/चालू खाते में क्रेडिट या डेबिट करेंगे।

8. अवितरित लाभों या हानियों व संचयों में हिस्सा – इसी अध्याय में बताए गए नियमों के आधार पर करके उसके पूँजी/चालू खाते में क्रेडिट या डेबिट करेंगे।

इस प्रकार मृतक साझेदार या अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार के पूँजी खाते में सामान्यतः निम्नलिखित मदें दिखाई जाती हैं:

Dr. Retiring/ Deceased Partners Capital A/c Cr.

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Balance b/d (if any)		By Balance b/d	
To Current A/c (if any) (Balance Transfer)		By Current A/c (Balance Transfer)	
To Revaluation A/c (Share of loss)		By Remaining Partners Cap. A/c	
To Profit & Loss A/c (Dr. Balance)		(Share of Goodwill)	
To Drawings A/c		By Revaluation A/c (Share of Profit)	
To Interest on Drawings A/c		By P & L A/c / General Reserve	
To P & L Suspense A/c		By P&L Suspense A/c	

(Share of loss of Current Year) To Balance Payable (B/F)		(Share of profit of Current Year) By J.L.P. A/c (His share) By Self L.P. A/c (His share) By Remaining Partners Capital A/c (Share in S.V. of Several Life Policies of remaining partners) By Interest on Capital A/c By Salary/Fees/Bonus A/c	

नोटः यदि चालू खाता पृथक से बनाया गया हैं तो उपरोक्त सभी समायोजन उसी खाते के माध्यम से करेंगें तथा फिर चालू खाते का शेष पूँजी खाते में ले जाकर पूँजी खाते का अन्तर देय राशि आयेगी।

अवकाश ग्रहण करने वाले एवं मृतक साझेदार के अन्तिम भुगतान का निस्तारण न करने पर लेखांकन
(Accounting Treatment For Non-Settlement of Final Payment of Retirting Partner and deceased Partner)

यदि फर्म में किसी सांझेदार के सेवानिवृत होने पर उसे देय राशि का अन्तिम निस्तारण न होने पर भी शेष साझेदार व्यापार चालू रखते हैं तो भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 की धारा 37 के प्रावधानों के अनुसार निवृत होने वाले साझेदार को दो विकल्प हैं कि (1) वह अन्तिम भुगतान प्राप्त करने तक की अवधि बकाया रकम पर 6 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज प्राप्त करे या (2) उस अवधि में अर्जित लाभ में निवृति की तिथि से पूँजी अनुपात से हिस्सा प्राप्त करे। दोनों में से जो अधिक लाभदायक हो।

उदाहरण 28 : अ, ब व स 2 : 2 : 1 में लाभ बॉटते हुए साझेदार हैं। 30.9.16 को स अवकाश ग्रहण करने पर सभी समायोजन के बाद साझेदारों के पूँजी खातों के शेष क्रमश ₹ 60,000 ₹ 80,000 व 60,000 था। अ व ब ने स को भुगतान का निस्तारण किए बिना अगले 6 माह व्यापार चालू रखा इस छः माह की अवधि में फर्म ₹ 50,000 का लाभ अर्जित किया। सी को 31.3.17 को अन्तिम भुगतान प्राप्त करते समय कितनी राशि प्राप्त होनी चाहिए।

हल : भारतीय साझेदारी अधिनियम की धारा 37 के अनुसार : **प्रथम विकल्प** : 60,000 x 6/100 x 6/12 = ₹1,800

द्वितीय विकल्प : 60,000x50,000/2,00,000 = ₹ 15,000

स द्वितीय विकल्प का उपयोग कर 60,000 + 15,000 = ₹75,000 प्राप्त करेगा।

उदाहरण 29 : सोम, मंगल व बुध फर्म में साझेदार हैं। 31 मार्च, 2017 को उनका स्थिति विवरण इस प्रकार थाः

Som, Mangal and Budh are partners in a firm. Their Balance Sheet as on 31st March, 2017 was as follows.

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital:			Building	42,000
Som	30,000		Investment	17,000
Mangal	20,000		Joint Life Insurance Policy	15,000
Budh	15,000	65,000	Stock	18,000
Som's Current A/c	7,000		Debtors	16,000
Mangal's Current A/c	3,000	10,000	Budh's Current A/c	2,000
General Reserve		12,000	Cash at Bank	20,000
Bank Loan		28,000		
Joint Life Policy Reserve		15,000		
		1,30,000		**1,30,000**

30 सितम्बर, 2017 को बुध की मृत्यु हो गई।अन्य सूचनायें इस प्रकार हैं:

(i) वह ₹ 500 मासिक वेतन तथा पूँजी पर 10% वार्षिक ब्याज का अधिकारी था। **(ii)** उसने अपनी पुत्री के विवाह हेतु ₹ 3,000 फर्म से निकाले। **(iii)** उसका चालू वर्ष का लाभ में हिस्सा गत वर्ष के लाभ के आधार पर होगा जो ₹ 6,000 था। **(iv)** ख्याति का मूल्यांकन गत चार वर्षों के औसत लाभ का 90% पर किया जाता हैं। इन चार वर्षो का लाभ क्रमशः ₹ 6,000, ₹ 7,000, ₹ 2,000 व ₹ 9000 था। **(v)** विनियोगों का वर्तमान मूल्य ₹ 20,500 हैं तथा भवन पर ₹ 2,000 का मूल्य ह्रास लगाना हैं। **(vi)** संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी का ₹ 30,000 मिल गया। **(vii)** बुध को देय रकम के ₹ 5,750 तुरन्त भुगतान कर शेष रकम उसके उत्तराधिकारी ऋण खाते में हस्तान्तरित करें।

बुध का पूँजी खाता व उसका चालू खाता बनाइये।

On 30th September, 2017 Budh expired. Other informations are as follows.

(i) He was entitled to salary of ₹ 500 per month and interest on capital at 10% p.a.. **(ii)** He withdrew ₹ 3,000 for his daughter's marriage from the firm. **(iii)** His share in profit for current year will be based on last years profit which was ₹ 6,000. **(iv)** Goodwill is valued at 90% of average profit of last four years, in last four years profit were, ₹ 6,000, 7,000 ₹ 2,000 & 9,000 respectively. **(v)** The present value of investment are ₹ 20,500 and depreciation is to be charged ₹ 2,000 on Building. **(vi)** Payment received ₹ 30,000 for Joint Life Insurance Policy. **(vii)** Amount due to Budh is paid ₹ 5,750 in cash immediate and balance of amount transferred to his heir's loan account.

Prepare Budh's Capital Account and his Current Account.

हलः **Dr.** **Budh's Current Account** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Balance b/d	2,000	By General Reserve	4,000
To Drawing	3,000	By Salary	3,000
To Budh's Capital A/c	15,750	By Interest on Capital	750
		By P&L Suspense A/c (share in profit)	1,000
		By Som's Current A/c	750
		By Mangal's Current A/c	750
		By Revaluaton A/c`	500
		By Joint Life Policy	10,000
	20,750		**20,750**

Dr. **Budh's Capital Account** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Budh's Executor A/c	30,750	By Balance b/d	15,000
		By Budh's Current A/c	15,750
	30,750		**30,750**

Dr. **Budh's Executor Account** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Cash A/c	5,750	By Budh's Capital A/c	30,750
To Budh's Executor Loan A/c	25,000		
	30,750		**30,750**

कार्यशील टिप्पणियॉ : **(1)** साझेदारी संलेख के अभाव में लाभ विभाजन अनुपात बराबर–बराबर होगा। **(2)** पिछले चिटठे व बुध की मृत्यु होने की तिथि के बीच 6 माह का अन्तराल हैं। अतः वेतन, पूँजी पर ब्याज,लाभों में हिस्सा आदि की गणना 6 माह के लिए की गयी हैं। **(3)** लाभों में हिस्से की गणनाः वर्ष 2017 के लाभ ₹ 6,000 x $\frac{6}{12}$ x $\frac{1}{3}$ = ₹ 1,000 **(4)** ख्याति में हिस्से की गणना : औसत लाभ= $\frac{3,000+7,000-2,000+9,000}{4}$ = ₹ 4,500, बुध का हिस्सा=45000x$\frac{1}{3}$=₹1,500, इसकी प्रविष्टिः

Som's Current A/ Dr. 750
Mangal's Current A/c Dr. 750
To Budh's Current A/c 1500

(5) Dr. **Revaluation Account** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Buillding A/c	2,000	By Investment	3,500

To Profit	1,500		
	3,500		**3,500**

पुनर्मूल्यांकन पर लाभ में बुध का हिस्सा 1,500 x $\frac{1}{3}$ = 500 ₹ **(6)** संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी में बुध का हिस्साः

Dr. **Joint Life Policy Account** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Assets	Amount ₹
To Balance b/d	15,000	By J.L.P Reserve A/c	15,000
To Som's Current A/c	10,000	By Bank A/c	30,000
To Mangal Current A/c	10,000		
To Budh's Current A/c	10,000		
	45,000		**45,000**

उदाहरण 30 : A, B व C एक फर्म में साझेंदार थे तथा लाभ का वितरण 5 : 3 : 2 के अनुपात में करते थे। 31.3.2017 को उनका स्थिति विवरण इस प्रकार था।

A, B and C were partners in a firm sharing profits in the ratio 5:3:2. On the 31-3-17 their Balance Sheet was as follows:

Balance Sheet
As at 31 March, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors		21,000	Goodwill	10,000
Reserves		6,000	Building	20,000
Investment Fluctuation Reserve		2,000	Machinery	30,000
Workmen Compensation Reserve		10,000	Investment	10,000
Capitals A/c's			Patent	11,000
A	40000		Stock	10,000
B	25000		Debtors	8,000
C	15000	80,000	Cash	19,000
			Advertisement Expenes	1,000
		1,19,000		**1,19,000**

12-6-2017 को A की मृत्यु हो जाती हैं। A के उत्तराधिकारियों व शेष साझेदारों में निम्नलिखित सहमति हुईः **(i)** ख्याति का मूल्यांकन पिछले चार वर्षो के लाभों के औसत का ढाई गुना करना हैं। पिछले 4 वर्षों के लाभ इस प्रकार थे। वर्ष 2016-17 2015-16 2014-15 2013-14
लाभ ₹ 13000 ₹ 12000 ₹ 20000 ₹ 15000

(ii) एकस्व ₹ 8,500, मशीनरी ₹28,000, विनियोग ₹ 11,000, स्टॉक ₹ 12,000 एवं भवन का मूल्यांकन ₹ 25,000 पर किया गया व डूबत ऋण ₹ 500 के थे। **(iii)** लाभ में हिस्से की गणना पिछले वर्ष के लाभ के आधार पर करनी हैं। **(iv)** पूँजी पर ब्याज 10% वार्षिक दर से लगाना हैं। **(v)** उन्होंने ₹ 30,000 की एक संयुक्त बीमा पॉलिसी ले रखी थी जिसका वार्षिक प्रीमियम लाभ हानि खाते से चार्ज किया जाता था, में हिस्सा। **(vi)** मृत्यु की तिथि तक आहरण ₹ 2,400 के व उस पर ब्याज ₹ 200 था। **(vii)** कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय के विरूद्व दायित्व ₹ 4,000 **(viii)** वेतन ₹ 12,000 वार्षिक **(ix)** A को देय धनराशि में से ₹ 28,650 उसने उत्तराधिकारियों को तत्काल दे दी गयी व शेष उसके ऋण खाते में हस्तांतरित कर दी गयी।

A का पूँजी खाता व A के उत्तराधिकारी का खाता बनाइए।

A died on 12-6-2017. It was agreed among his Executors and the remaining partners that
(i) Goodwill to be valued at two and half years purchase of the average profits the previous 4 years which were Years 16-17 15-16 14-15 13-14
Profits ₹ 13000 ₹ 12000 ₹ 20000 ₹ 15000

(ii) Patent valued at ₹ 8500, Machinery at ₹ 28000, Investment at ₹ 11000, Stock at ₹ 12000, and Building at ₹ 25000, Bad-debts ₹ 500 **(iii)** Share in profits will be calculated on the basis of last year profits. **(iv)** Interest on capital be provided @ 10% p.a. **(v)** They had Joint Life Policy ₹ 30000 and the annual premium has been charged to P&L A/c **(vi)** His Drawings was up to date death of was ₹ 2400 & interest on Drawings was ₹ 200 **(vii)** Liability against workmen compensation is determine ₹ 4000 **(viii)** Salary ₹ 12000 p.a. **(ix)** ₹ 28650 to be paid immediately to the Executors of A and the balance transferred to his (Executors) Loan Account. Prepare A's Capital Account and A's Executors's Account.

हल: Dr. **A's Capital Account** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Goodwill	5,000	By Balance b/d	40,000
To Advertisement Expenses	500	By Interest on capital	800
To Drawings	2,400	By Reserve	3,000
To Interest on Drawings	200	By Investment Fluctuation Reserve	1,000
To A's Executor A/c	78,650	By workmen Compensation Reserve	3,000
		By Revaluation A/c	1,500
		By B's Capital A/c	11,250
		By C's Capital A/c	7,500
		By P&L Suspense A/c	1,300
		By Salaries A/c	2,400
		By Life Policies 30000 x 5 / 10	15,000
	86,750		**86,750**

कार्यशील टिप्पणियाँ :

1.पूँजी पर ब्याज = $40000x\frac{10}{100}x\frac{73}{365}$ = ₹ 800 ; **2.** वेतन $12000x\frac{73}{365}$= ₹ 2400

3. लाभ में हिस्से की गणना$13000x\frac{73}{365}x\frac{5}{10}$= ₹ 1300

4. ख्याति में हिस्से की गणना : औसत लाभ = $\frac{13000+12000+20000+15000}{4}$= ₹15000; अतः ख्याति = 15000x2.5 or ₹ 37500; A का ख्याति में हिस्सा $37500x\frac{5}{10}$=₹ 18750 को B व C के पूँजी खातों में उनके फायदें के अनुपात 3 : 2 के अनुपात में समायोजित किया गया हैं।

5. कर्मचारी क्षतिपूर्ति का दावा, कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय में से घटाकर शेष राशि मे A का हिस्सा ज्ञात किया गया हैं। 10000-4000= ₹ 6000$x\frac{5}{10}$= ₹ 3000

(6) Dr. **Revaluation Account** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Patent A/c	2,500	By Building A/c	5,000
To Machine A/c	2,000	By Investment A/c	1,000
To Bad debts	500	By Stock A/c	2,000
To Profit	3,000		
	8,000		**8,000**

Dr. **A's Executor Account** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Bank	28,650	By A's Capital A/c	78,650
To A's Executor's Loan A/c	50,000		
	78,650		**78,650**

उदाहरण 31 : A, B व C निम्नलिखित सम्पतियों से 1.4.2017 से व्यापार चला रहे थेः फर्नीचर ₹18,000, मशीन ₹72,000, नकद ₹10,000, देनदार ₹20,000। उनकी साझेदारी का हिस्सा 5:3:2 था। उनकी पूँजी का भी यही अनुपात था। 30.9.2017 को B की मृत्यु हो जाती हैं। उसके पुत्र ने पिता की फर्म में हिस्सा मॉगा तथा तय हुआ किः **(i)** उसकी जमा पूँजी जो उसकी मृत्यु के दिन थी, वह दे दी जाए। **(ii)** उसकी पूँजी पर 5% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज दिया जाए। **(iii)** उसने प्रति माह के प्रारंभ में ₹ 600 की दर से आहरण किया हैं। उसके यह आहरण उसके लाभ के हिस्से के लिये रहने दिया जाए। **(iv)** उसके आहरणों पर 6% प्रतिवर्ष के हिसाब से ब्याज लगेगा। **(v)** ख्याति का मूल्यांकन फर्म के औसत लाभ, जो कि ₹21,000 हैं, का दुगुना आंका जाऐ। B का व्यक्तिगत खाता बनाइये।

A, B and C were carrying on business with the following assets with effect from 1-4-2017. Furniture ₹ 18,000, Machine ₹ 72,000, Cash ₹ 10,000, Debtors ₹ 20,000. Their profit sharing ratio was 5:3:2 capital is also shared in the same ratio. B died on 30-9-2017. His son claimed his fathers interest in the firm.

The following was the settlement : **(i)** Allow his capital to his credit on the date death. **(ii)** Give 5% p.a. interest on his capital. **(iii)** he had been drawings @ ₹ 600 per month, which he withdrew at the beginning of each month. He is allowed to retain these drawings as a part his share of profit. **(iv)** Interest @ 6% p.a. be charged on his drawings. **(v)** Goodwill was evaluated twice the average profit which were ₹ 21,000. Prepare B's personal Account.

हलः**Dr.** **B's Capital Account** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Drawings	3,600	By balance b/d	3,6000
To Interest on Drawings	63	By Interest on capital	900
$3600x\frac{3.5}{12}x\frac{6}{100}$		$36000x\frac{5}{100}x\frac{6}{12}$	
		By P & L suspense A/c	3,600
To B's Executor A/c	49,437	By A's Capital A/c	9,000
		By C's Capital A/c	3,600
	53,100		**53,100**

कार्यशील टिप्पणियां (**Working Notes**):

(1) साझेदारों की पूँजी ज्ञात करने के लिए चिट्ठा बनाया जायेगा।

Balance Sheet

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Partners Capital (Bal. Figure)			Cash	10,000
A	60000		Debtors	20,000
B	36000		Furniture	18,000
C	24000	1,20,000	Machine	72,000
		1,20,000		**1,20,000**

इस प्रकार ₹1,20,000 पूँजी प्रत्येक साझेदार का हिस्सा उनके लाभ–हानि अनुपात 5 : 3 : 2 में क्रमशः ₹60,000, ₹36,000 तथा ₹24,000 होगा।

(2) ख्याति की गणना : ख्याति =21000x2=₹42000, B के हिस्से की ख्याति $42000x\frac{3}{10}$= ₹ 12600 जिसे A व C के पूँजी खातों में फायदे के अनुपात 5 : 2 में समायोजित किया गया हैं। **(3)** B का लाभों में हिस्सा आहरण की राशि के बराबर होगा। **(4)** आहरण पर ब्याज $\frac{6+1}{2}$=3.5 माह के लिए ज्ञात किया गया हैं।

उदाहरण 32 : खन्ना, सेठ और मेहता एक फर्म के साझेदार थे तथा 3:2:5 के अनुपात में लाभ बांटते थे। 31.12.2016 को खन्ना, सेठ तथा मेहता का स्थिति विवरण निम्नानुसार थाः

Khanna, Seth and Mehta were partners in a firm sharing profits in the ratio of 3:2:5. On 31.12.2016 the Balance Sheet of Khanna, Seth and Mehta was as follows:

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capitals :			Goodwill	3,00,000
Khanna	3,00,000		Land & Building	5,00,000
Seth	2,00,000		Machinery	1,70,000
Mehta	5,00,000	10,00,000	Stock	30,000
General Reserve		1,00,000	Debtors	1,20,000
Loan from Seth		50,000	Cash	45,000
Creditors		75,000	Profit and Loss A/c	60,000
		12,25,000		**12,25,000**

14 मार्च 2017 को सेठ की मृत्यु हो गई। साझेदारी संलेख के अनुसार साझेदार की मृत्यु पर उसका उत्तराधिकारी निम्नलिखित के लिए हकदार होगाः **(i)** पूँजी खाते का शेषः **(ii)** पिछले वर्ष के लाभ के आधार पर मृत्यु की तिथि तक लाभ में भाग। **(iii)** सम्पतियों के पुनर्मूल्यांकन तथा देनदारियों के पुनः निर्धारण में लाभ हानि का अंश जिसकी निम्नांकित आधार पर गणना करनी हैंः **(क)** भूमि तथा भवन को ₹ 1,20,000 से बढाया जाना हैं। **(ख)** ह्रासित करके मशीनरी का मूल्य ₹ 1,35,000 तक तथा स्टॉक का ₹ 25,000 तक करना हैं। **(ग)** डूबत तथा संदिग्ध ऋणों के लिए देनदारों पर ढाई प्रतिशत का प्रावधान करना हैं। **(iv)** सेठ के उत्तराधिकारी को देय शुद्ध राशि का स्थानान्तरण उसके निष्पादक के ऋण खाते में कर दिया गया, जिसका भुगतान बाद में करना था।

पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते, सेठ के उत्तराधिकारी का खाता तथा खन्ना एव मेहता का स्थिति विवरण तैयार कीजिए जिन्होंने अपने पूँजी खातों को नए लाभ अनुपात में रखते हुए व्यवसाय को चालू रखने का निश्चय किया हैं। किसी भी आधिक्य या कमी को साझेदारों के चालू खातों में स्थानान्तरित कर दिया जाएगा।

On 14th March 2016, Seth died. The partnership deed provided that on the death of a partner the executor of the deceased partner is entitled to: **(i)** Balance in Capital Account; **(ii)** Share in profits upto the date of death on the basis of last year's profit; **(iii)** His share in profit/Loss on revaluation of assets and re-assessment of liabilities, is calculated on the basis of following: **(a)** Land and Building was to be appreciated by ₹ 1,20,000; **(b)** Machinery was to be depreciated to ₹ 1,35,000 and Stock to ₹ 25,000, **(c)** A provision of two and half percent for bad and doubtful debts was to created on debtors. (iv) The net amount payable to Seth's executors was transrferred to his loan account which was to be paid later.

Prepare Revaluation Account, Partners Capital Accounts, Seth's Executors A/c and the Balance Sheet of Khanna and Mehta who decided to continue the business keeping their capital balances in their new profit sharing ratio. Any surplus or deficit to be transferred to current accounts of the partners.

हलः **Dr.** **Revaluation Account** **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Machinery A/c		35,000	By Land & Building A/c	1,20,000
To Stock A/c		5,000		
To Provision of Bad-debts A/c		3,000		
To profit transferred:				
Khanna's Capital A/c	23100			
Seth's Capital A/c	15400			
Mehta's Capital A/c	38500	77,000		
		1,20,000		**1,20,000**

Dr. **Partners's Capital Account** **Cr.**

Particulars	Khanna ₹	Seth ₹	Mehta ₹	Particulars	Khanna ₹	Seth ₹	Mehta ₹
To Goodwill	90,000	60,000	1,50,000	By balance b/d	3,00,000	2,00,000	5,00,000
To P & L A/c	1,82,000	12,000	30,000	By General Reserve	30,000	20,000	50,000
To P & L Suspense	-	2,400	-	By Revaluation	23,100	15,400	38,500
To Seth's Executor A/c	-	1,61,000	-				
To Balance c/d	2,45,100	-	4,08,500				
	3,53,100	**2,35,400**	**4,08,500**		**3,53,100**	**2,35,400**	**5,88,500**

Dr. **Seth's Executor Account** **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Seth's Executor's Loan A/c	2,11,000	By Seth's Capital A/c	1,61,000
		By Seth's Laon A/c	50,000
	2,11,000		**2,11,000**

Balance Sheet Khanna & Seth
As at 14 March, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Capital A/c :			Land & Building		620000
Khanna	2,45,100		Machinery		135000
Mehta	4,08,500	6,53,600	Stock		25000
Creditors		75,000	Debtors	1,20,000	
Seth's Executor's Loan A/c		2,11,000	(-) PBD	3,000	117000
P & L Suspense A/c		2,400	Cash		45000
		9,42,000			**942000**

कार्यशील टिप्णियाँ (Working Notes):

(i) सेठ का हानि में हिस्सा $60000 \times \frac{73}{365} \times \frac{2}{10}$ = ₹ 2400 **(ii) पूँजी का समायोजन** : खन्ना व मेहता की कुल समायोजित पूँजी =245100+408500=₹ 653600, यही नयी फर्म की पूँजी होगी जिसमें 3 : 5 में खन्ना व मेहता हिस्सा क्रमशः खन्ना ₹ 2,45,100 व मेहता ₹ 4,08,500

साझेदारों की समायोजित पूँजी व आनुपातिक पूँजी समान हैं अतः किसी समायोजन की आवश्यकता नहीं हागी।

सारांश (Summary)

- **साझेदार का अवकाश ग्रहण करना:** जब फर्म का कोई साझेदार किसी कारण (स्वेच्छा से, वृद्धावस्था, आपसी मतभेद आदि) से फर्म छोड देता हैं तो उसे साझेदार द्वारा अवकाश ग्रहण करना कहते हैं।
- **अवकाश का प्राप्त साझेदार:** जो साझेदार फर्म छोडता हैं तो उसे अवकाश प्राप्त साझेदार कहते हैं।
- **अवकाश ग्रहण करने तरीके: (i)** अंन्य साझेंदारों को सूचना देकर **(ii)** समझौते के अनुसार **(iii)** आपसी सहमति से साझेदार के अवकाश ग्रहण या मृत्यु पर जो समस्यायें हल करनी होती हैं :
  (i) नये लाभ विभाजन अनुपात व फायदे के अनुपात की गणना **(ii)** ख्याति का मूल्यांकन व व्यवहार **(iii)** सम्पतियों का पुनर्मूल्यांकन व दायित्वों का पुनः निर्धारण **(iv)** अवितरित लाभों हानियों व संचयों का समायोजन **(v)** पूँजी का समायोजन **(vi)** देय राशि का भुगतान
- **नया लाभ विभाजन अनुपात** : शेष साझेदार फर्म के भावी लाभों को जिस अनुपात में विभाजित करते हैं , वह नया लाभ विभाजन अनुपात कहलाता हैं अर्थात पुराना लाभ विभाजन अनुपात + फायदे का अनुपात
- **फायदे का अनुपात** : अवकाश ग्रहण करने वाले या मृत साझेदार के हिस्से को शेष साझेदार जिस अनुपात में ग्रहण करते हैं वह फायदे का अनुपात कहलाता हैं अर्थात नया लाभ विभाजन अनुपात – पुराना लाभ विभाजन अनुपात अवकाश ग्रहण करने वाले या मृत साझेदार के हिस्से की ख्याति उसके पूँजी खाते में क्रेडिट व शेष साझेदारों में उनके पूँजी खातों में फायदे के अनुपात में डेबिट की जाती हैं। विद्यमान ख्याति की राशि यदि हो, को पुराने लाभ विभाजन अनुपात में सभी साझेदारों के पूँजी खातों को डेबिट करके व ख्याति खाते को क्रेडिट करके अपलिखित कर दिया जाता हैं।

- साझेदार के अवकाश ग्रहण करने या मृत्यु पर सम्पतियों का पुनर्मूल्यांकन व दायित्वों का पुनः निर्धारण किया जाता हैं ताकि उनको देय राशि का सही निर्धारण हो सके ।
- सभी अवितरित लाभों हानियों व संचयों को पुराने लाभ विभाजन अनुपात में सभी साझेदारों के पूँजी खातों में ब्याज हस्तांतरित किया जाता हैं।
- अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार या मृत साझेदार के उत्तराधिकारियों को देय रकम का एकमुश्त भुगतान कर दिया जाता हैं या फिर समझौते के अनुसार उसे ऋण खातें में हस्तांतरित कर दिया जाता हैं जिसका भुगतान किश्तों में या अन्य तरीके से ब्याज सहित किया जाता हैं।

शब्दावली (Glossary)

- **साझेदार का अवकाश ग्रहण करना (Retirement of a partner):** जब एक साझेदार फर्म से साझेदार के रूप में अलग हो जाये तो उसे साझेदार का अवकाश ग्रहण कहा जाता हैं।
- **नया लाभ विभाजन अनुपात (New profit sharing ratio):** पुराना लाभ विभाजन अनुपात + फायदे का अनुपात
- **फायदे का अनुपात (Gaining Ratio) : नया लाभ विभाजन अनुपात**–पुराना लाभ विभाजन अनुपात
- **संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी (Joint Life Policy)**: जब फर्म द्वारा सभी साझेदारों के जीवन पर एक संयुक्त पॉलिसी ली जाती हैं।
- **पृथक जीवन बीमा पालिसी (Individual Life Policy):** जब फर्म द्वारा प्रत्येक साझेदार के जीवन पर अलग जीवन बीमा पत्र लिया जाता हैं।
- **समर्पण मूल्य (Surrender Value):** बीमित व्यक्ति बीमा कंपनी से अपनी पॉलिसी को समर्पित करने पर उस तिथि को जो राशि प्राप्त कर सकता हैं।

अभ्यासार्थ प्रश्न (Questions for Exercise)

बहुचयनात्मक प्रश्न (Multiple Choice Questions)

1. A, B व C 2:2:1 के लाभ बांटते हुए साझेदार हैं। B के अवकाश ग्रहण करने पर ख्याति का मूल्यांकन ₹ 30,000 पर किया जाता हैं, तो B की क्षतिपूर्ति के लिए A व C अंशदान करेंगे।

(अ) ₹ 20000 व ₹ 10000 (ब) ₹ 8000 व ₹ 4000 (स) कोई अंशदान नहीं करेंगे (द) ₹ 15000 व ₹ 15000

A, B and C are partners sharing profits in the ratio of 2:2:1. On retirement of B, goodwill was valued at ₹30,000. Find the contribution of A and C to compensate B :

(a) ₹ 20,000 and ₹ 10,000 **(b)** ₹ 8,000 and ₹ 4,000

(c) ₹ 20,000 and ₹ 10,000 **(d)** ₹ 15,000 and ₹ 15,000

2. X, Y एवं Z 5:3:2 में लाभ बांटतें हुए साझेदार हैं। ख्याति पुस्तकों में नहीं दिखायी गयी हैं लेकिन उसका मूल्य ₹1,00,000 हैं। X फर्म से अवकाश ग्रहण करता हैं एवं Y व Z भविष्य में लाभों को बराबर बराबर बांटते हैं। Xका ख्याति में हिस्सा Y व Z के खातों में किस अनुपात में डेबिट होगा।

(अ) 1/2 : 1/2 (ब) 2:3 (स) 3:2 (द) इनमें से कोई नहीं

X, Y, Z were partners sharing profits in ratio of 5:3:2. Goodwill does not appears in the books, but it is agreed to be worth ₹1,00,000. X retires from the firm and Y and Z decide to share future profits equally. X's share of goodwill will be debited to Y's and Z's capital A/cs in ratio:

(a) 1/2 : 1/2 **(b)** 2:3 **(c)** 3:2 **(d)** None

3. A, B व C 1/2 : 3/10 : 1/5 के अनुपात में लाभ बांटते हुए साझेदार हैं। B फर्म से अवकाश ग्रहण करता हैं। A व C भविष्य में 3:2 में लाभ बांटने निश्चय करते हैं। फायदे का अनुपात ज्ञात करो।

(अ) 1:2 (ब) 3:2 (स) 2:3 (द) इनमें से कोई नहीं

A, B and C are partners sharing profits in the ratio 1/2 , 3/10 and 1/5. B retires from the firm, A and C decide to share the future profits in 3:2. Calculate gaining ratio.

(a) 1:2 **(b)** 3:2 **(c)** 2:3 **(d)** None

4. साझेदार के अवकाश ग्रहण करते समय फर्म बीमा कम्पनी से संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी के विरूद्व....प्राप्त करती हैं।

(अ) अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार की पॉलिसी की राशि व शेष साझेदारों की पॉलिसी का समर्पण मूल्य
(ब) समर्पण मूल्य (स) पॉलिसी की राशि (द) इनमें से कोई नहीं
At the time of retirement of a partners, firm gets…….. from the insurance company against the joint life policy.
(a) Policy value for the retiring partner and surrender value for the rest
(b) Surrender value **(c)** Policy amount **(d)** None of these

5. B, C & D 7:5:4 के अनुपात में लाभ बांटते हुए साझेदार हैं। D की 30.6.17 को मृत्यु हो जाती हैं। वर्ष 2016–17 के लाभ ₹ 12000 हैं। तो D के खाते में लाभों की कितनी राशि क्रेडिट की जायेगी।
(अ) ₹ 3,000 (ब) ₹ 750 (स) शून्य (द) ₹ 1,000
B, C, D are partners sharing profits in the ratio 7:5:4. D died on 30th June 2017 and profits for the year 2016-2017 were ₹ 12,000. How much share in profits will be credited to D's Account ?
(a) ₹ 3,000 **(b)** ₹ 750 **(c)** Nil **(d)** ₹ 1,000

6. चिटठे में दिखाया गया संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी खाता कौनसी राशि को प्रकट करता हैं –
(अ) पॉलिसी का समर्पण मूल्य (ब) संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी का वार्षिक प्रीमियम
(स) फर्म द्वारा देय कुल प्रीमियम (द) पॉलिसी के परिपक्व होने पर प्राप्य राशि
The balance of joint life policy account as shown in the balance sheet represents:
(a) Surrender value of a policy **(b)** Annual premium of Joint Life Policy
(c) Total premium paid by the firm **(d)** Amount receivable on the maturity of the policy

7. साझेदार की मृत्यु के बाद उसको देय रकम प्राप्त की जाती हैं।
(अ) सरकार द्वारा (ब) उसके पुत्र द्वारा (स) मृतक साझेदार के उत्तराधिकारियों द्वारा (द) इनमें से कोई नहीं
After the death of a partner, amount payable to him is received by :
(a) Government **(b)** by his son **(c)** Executors of deceased partner **(d)** None

8. साझेदारों की संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी पर देय प्रीमियम का किस तरह व्यवहार किया जाता हैं। इसे
(अ) साझेदारों के चालू खाते में क्रेडिट किया जाता हैं। (ब) लाभ–हानि खाते में क्रेडिट किया जाता हैं।
(स) साझेदारों के पूँजी खाते में डेबिट किया जाता हैं। (द) लाभ–हानि खाते में डेबिट किया जाता हैं।
How is the premium paid on the JLP of the partners treated? It is ------ to the ------- accounts:
(a) Credited, Partner's Current A/c **(b)** Credited, Profit & Loss A/c
(c) Debited, Partner's Capital A/c **(d)** Debited, Profit & Loss A/c

9. A, B व C 5:3:2 के अनुपात में लाभ–हानि बांटते हुए साझेदार हैं। फर्म के चिटठे में 31.3.2017 को संचय का शेष ₹25,000 बताया गया हैं। पिछले वर्ष के लाभ ₹50,000 हैं। संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी ₹1,00,000 स्थायी सम्पतियां ₹1,20,000 की हैं। 1.6.17 को C की मृत्यु हो जाती हैं। तो C के उत्तराधिकारियों को पूँजी के साथ मिलेगा–
(अ) संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी में हिस्सा (ब) संचयों में हिस्सा
(स) मृत्यु की तिथि तक लाभों में आनुपातिक हिस्सा (द) उपर्युक्त सभी
A, B, C are partners sharing profits and loss in 5:3:2. The firm's balance sheet as on 31-3-2017 shows reserve balance of ₹ 25,000. Profit of the year ₹ 50,000. Joint Life Policy of ₹ 1,00,000, Fixed, assets of ₹ 1]20,000. On 1st June C died and on same date. The executors of C will get along with capital:
(a) Share in joint life policy **(b)** Share in reserves
(c) Proportionate share of profit upto the date of death **(d)** All of the above

10. संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी की फर्म द्वारा प्राप्त राशि वितरित की जाती हैं:
(अ) प्रारंभिक पूँजी के अनुपात में (ब) अंतिम पूँजी के अनुपात में
(स) पुराने लाभ–विभाजन अनुपात में (द) नये अनुपात में
Joint Life Policy amount received by a firm is distributed in------
(a) Opening Capital Ratio **(b)** Closing Capital Ratio
(c) Old profit sharing ratio of partners **(d)** New profit sharing ratio of partners

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (Very Short Answer type Questions):

1. साझेदार के अवकाश ग्रहण से क्या आशय हैं?
What is meant by retirement of a Partner?

2. अवकाश ग्रहण किये जाने के कोई दो तरीके बतायें?
State any two modes of retirement?

3. संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी क्या हैं?
What is Joint Life Insurance Policy?

4. समर्पण मूल्य क्या हैं?
What is Surrender Value?

5. A, B व C एक फर्म में लाभों को $\frac{1}{2}:\frac{3}{10}:\frac{2}{10}$ के अनुपात में लाभ विभाजन करते हुए साझेदार हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात व फायदे का अपुनात ज्ञात करो जबकि–(a) A अवकाश ग्रहण करता हैः (b) B अवकाश ग्रहण करता हैं : (c) C अवकाश ग्रहण करता हैं।

A, B & C are partners in a firm sharing profits in the ratio of 1/2 : 3/10 : 2/10 . Calculate New profit sharing ratio & Gaining ratio when : (i) A retires. (ii) B retires. (iii) C retires.

Ans.: New profit sharing Ratio : (i) 3:2 (ii) 5:2 (iii) 5:3 Gaining Ratio : (i) 3:2 (ii) 5:2 (iii) 5:3

6. A, B व C साझेदार हैं जो लाभों को 2:1:2 के अनुपात में बॉटते हैं। A अवकाश ग्रहण करता हैं। A का पूरा हिस्सा B प्राप्त करता हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात ज्ञात करें।

A, B & C are partners in a firm sharing profits in the ratio of 2:1:2. A retires and his share is entirely taken by B. Calculate New profit sharing ratio.

Ans.: New profit Sharing Ratio : 3:2

7. A, B व C लाभों को $\frac{1}{4}:\frac{2}{5}:\frac{7}{20}$ के अनुपात में बॉटते हैं। B अवकाश ग्रहण करता हैं तथा B का हिस्सा A व C 1:2 के अनुपात में क्रय करते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात व फायदे का अनुपात ज्ञात करो।

A, B & C are partners in a firm sharing profits in the ratio of ¼ : 2/5 : 7/20. B retires and his share is taken by A & C in the ratio of 1:2. Calculate New profit sharing ratio & Gaining ratio.

Ans.: New profit Sharing Ratio : 23:37 Gaining Ratio : 1:2

8. A, B व C साझेदार 4:3:1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। B अवकाश ग्रहण करता हैं और अपने लाभ के भाग को ₹ 8,100 में बेच देता हैं। A द्वारा इसके लिए ₹ 3,600 व C द्वारा ₹4,500 दिये जाते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात व फायदे का अनुपात ज्ञात करें।

A, B & C are partners in a firm sharing profits in the ratio of 4:3:1. B retires selling his share of profit to A & C for ₹ 8,100, ₹ 3,600 being paid by A & ₹ 4,500 by C. Calculate New profit sharing ratio & Gaining ratio.

Ans.: New profit Sharing Ratio : 2:1 Gaining Ratio : 4:5

9. A, B व C 4:3:2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। A अवकाश ग्रहण करता हैं। B व C का नया लाभ विभाजन अनुपात 2:1 हैं। फायदे का अनुपात ज्ञात करों।

A, B & C are partner's in a firm sharing profits in the ratio of 4:3:2. A retires and new profit sharing ratio of B & C will be 2:1. Calculate Gaining ratio.

Ans.: Gaining Ratio : 3:1

10. A, B व C 3:4:1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हुए साझेदार हैं। A अवकाश ग्रहण करता हैं तथा वह अपने हिस्से का 2/3 भाग B को व शेष भाग C को समर्पित करता हैं। तो नया लाभ विभाजन अनुपात व फायदे का अनुपात ज्ञात करों।

A, B & C are partners in a firm sharing profits in the ratio of 3:4:1. A retires he surrendered 2/3rd of his share in favour of B and remaining in favour of C. Calculate New profit sharing ratio & Gaining ratio.

Ans.: New profit sharing Ratio : 3:1 Gaining Ratio : 2:1

लघूत्तरात्मक प्रश्न (Short Answer type Questions)

1. जब साझेदार के अवकाश ग्रहण करने पर अन्तिम भुगतान का निस्तारण न हो तो भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 की धारा 37 के अनुसार उसका अधिकार बताइए?

When final payment of retiring partner is out settled at the time of retirement. Write right of partners under Section 37 of Indian Partnership Act, 1932?

2. लाभ प्राप्ति अनुपात से आप क्या समझते हैं?

What do you mean by gaining ratio? How is it calculated?

3. साझेदारों के त्याग अनुपात और लाभ प्राप्ति अनुपात में अन्तर स्पष्ट कीजिए?

Distinguish between sacrificing ratio and gaining ratio of partners?

4. A, B व C एक फर्म में साझेदार हैं जो 2:3:4 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। C अवकाश ग्रहण कर लेता हैं। फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 45,000 पर किया गया। लेखा पुस्तकों में ख्याति खाता ₹ 27,000 पर दिखाया गया हैं। ख्याति के लिए आवश्यक प्रविष्टियाँ कीजिए।

A, B & C are partners in a firm sharing profits in the ratio of 2:3:4. C retires and the goodwill of the firm is valued at ₹ 45,000. Goodwill appeared in the books at ₹ 27,000. Pass necessary journal entries for treatment of goodwill.

5. A, B व C एक फर्म में साझेदार हैं जो 5:3:2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। B अवकाश ग्रहण करता हैं। फर्म की ख्याति का मूल्याकन ₹ 21,000 पर किया गया। ख्याति के लिए आवश्यक प्रविष्टियां कीजिए।

A, B & C are partners in a firm sharing profits in the ratio of 5:3:2. B retires and the goodwill of the firm is valued at ₹ 21,000. Pass necessary journal entries for treatment of goodwill.

6. A, B व C एक फर्म में साझेदार हैं जो 1:2:3 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। B अवकाश ग्रहण करता हैं। B के पूँजी खाते को शेष सभी समायोजनों के बाद ₹1,00,000 हैं। A व C उसे पूर्ण भुगतान में ₹ 1,30,000 देने का निर्णय करते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात 1:3 हैं। ख्याति के व्यवहार हेतु आवश्यक जर्नल प्रविष्टि दीजिए।

A, B & C are partners in a firm sharing profits in the ratio of 1:2:3. B retires and balance of his capital account after making all adjustmentas stands at ₹1,00,000. A & C agreed to pay him ₹1,30,000 in full settlement of his account. Pass necessary journal entries for treatment of goodwill, if the new profit sharing ratio is 1:3.

7. A, B और C एक फर्म में साझेदार हैं। 1 जनवरी, 2014 को A अवकाश ग्रहण करता हैं। अवकाश ग्रहण की तिथि पर फर्म ने उसे कुल ₹ 80,000 देने हैं। उसे यह राशि प्रत्येक वर्ष के अन्त मे किश्तों में देने का समझौता किया गया। निम्न दशाओं में A का ऋण खाता बनाइये :

(i) 10% वार्षिक ब्याज सहित चार वार्षिक किश्तें **(ii)** पहले तीन वर्षो तक ₹ 25,000 प्रति वर्ष, जिसमें अदत शेषों पर 10% वार्षिक ब्याज शामिल हैं तथा शेष राशि चौथे वर्ष में ब्याज सहित।

A, B & C are partners in a firm. A retires on 1st January, 2014. On the date of retirement, ₹80,000 is due to him in all. It is agreed to pay him this amount in instalments every year at the end of the year. Prepare A's Loan A/c in the following cases:

(i) Four yearly instalments plus interest @10% p.a. **(ii)** Three instalments of ₹ 25,000 including interest @ 10% p.a. on the outstanding balance and the balance including interest in the fourth year.

8. A, B व C एक फर्म में साझेदार हैं जिनकी पुस्तकें प्रतिवर्ष 31 मार्च को बंद होती हैं। A की 30-6-2017 को मृत्यु हो गयी और सहमति के अनुसार मृतक साझेदार का मृत्यु की तिथि तक लाभ का हिस्सा पिछले 5 वर्षो के औसत लाभ के आधार पर निकाला जायेगा। पिछले 5 वर्षो के लाभ हैं

वर्ष	31-3-13	31-3-14	31-3-15	31-3-16	31-3-17
लाभ–हानि	₹14000	₹18000	₹ 22000	₹ (10000)हानि	₹ 16000

A की मृत्यु तक उसके लाभ के हिस्से की गणना कीजिए और जर्नल प्रविष्टि कीजिए।

A, B and C are partners in a firm whose books are closed on March 31st each year. A died on 30-6-17 and according to the agreement, the share of profits of a deceased partner upto date of death is to be calculated on the basis the average profits for the last five years. The net Profits/Loss for the last 5 years have been : ₹ 14,000, ₹18,000, ₹ 22,000, ₹(10,000) Loss, ₹ 16,000 respectively. Calculate A's share of the profits upto the date of death & pass necessary Journal Entry.

Ans.: ₹ 1000

9. X, Y व Z साझेदार हैं और लाभों को 3:2:1 के अनुपात में बाँटते हैं। 10 अप्रैल 2017 को X की मृत्यु हो गयी। वर्ष 2016की बिक्री व लाभ क्रमश; ₹ 2,00,000 व ₹ 20,000 थे। 1-1-17 से 10-4-17 तक की बिक्री ₹ 1,20,000 थी। X के लाभ का हिस्सा ज्ञात कीजिये।

X, Y and Z are partners sharing profits in the ratio 3:2:1. X died on 10-4-2017. The sales and profits for 2016 were ₹ 2,00,000 and ₹ 20,000 respectively, sales from 1-1-17 to 10-4-17 was ₹ 120000. Find the share of X's profit.

Ans.: ₹ 6000

10: एक फर्म में A, B व C बराबर के साझेदार हैं। प्रत्येक साझेदार का अलग से क्रमश:₹ 30000,₹ 25000 व ₹ 40000 के लिए बीमा कराया गया हैं। इनका प्रीमियम फर्म द्वारा चुकाया जाता हैं। A की मृत्यु हो गयी तथा पॉलिसी की राशि बीमा कम्पनी से प्राप्त हो गयी। B व C की पॉलिसियों का समर्पण मूल्य क्रमश: ₹ 3000 व ₹ 6000 था। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियॉ दीजिए।

A, B and C are equal partners in a firm. They were insured separately for ₹ 30000, ₹ 25000 and ₹ 40000. The premium which is paid by the Firm. A died and the policy money is received from the Insurance Company. The surrender value the of policies of B & C was ₹ 3000 and ₹ 6000, pass necessary Journal Entries.

निबन्धात्मक प्रश्न (Essay type Questions)

1. अवकाश ग्रहण अथवा मृत्यु पर साझेदार का फर्म में भाग किस प्रकार निर्धारित किया जाता हैं?

How is Partner's share determined on the Retirement or Death? Explain.

2. एक साझेदार की निवृति या मृत्यु पर कौन–कौन सी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं? उसका समाधान कैसे किया जा सकता हैं।

What problems do arise on retirement or death of a partner and how are they settled?

3. संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी तथा पृथक जीवन बीमा पॉलिसियों का लेखा फर्म की पुस्तकों में कैसे करते हैं?

How is accounting done for joint life insurance policy and several life insurance policies in the books of a firm?

4. एक अवकाश ग्रहण करने वाले साझी के हिस्से में भुगतान की कौन–कौन सी विधियां हैं? समझाइये।

What are the different methods of making payment due to a retiring partner? Explain.

बहुचयनात्मक प्रश्नों के उत्तर :

प्रश्न संख्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
उत्तर	ब	ब	अ	ब	ब	अ	स	द	द	स

आंकिक प्रश्न (Numerical Questions)

1. X, Y तथा Z एक फर्म में साझेदार थे और लाभ को 1/2 : 1/3 : 1/6 के अनुपात में बाँटते थे। 31 दिसम्बर 2016 को फर्म का स्थिति विवरण इस प्रकार था ;

X, Y and Z were partners in a firm sharing profits in the ratio of 1/2: 1/3 : 1/6 respectively. The Balance Sheet of the firm on 31st December, 2016 stood as follows:

Liabilities	Amount(₹)	Assets		Amount(₹)
Creditors	9,500	Cash at Bank		1,250
Bills Payable	2,500	Debtors	8,000	

Reserve Fund	6,000	Less: Provision for DD 250	7,750
Capitals :		Stock	12,500
X 20,000		Motor Vans	4,000
Y 15,000		Machinery	17,500
Z 12,500	47,500	Building	22,500
	65,500		**65,500**

उपरोक्त तिथि को Y निम्नलिखित शर्तों पर फर्म से अवकाश ग्रहण करता हैं ;
(क) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 9,000 किया जाएगा और फर्म की खाता पुस्तकों में इसे नहीं दिखाया जाएगा। **(ख)** मशीनरी पर 10% और मोटरवैन पर 15 % का ह्रास लगाया जाएगा। **(ग)** स्टॉक पर 20% और भवन पर 10% की वृद्धि की जाएगी। **(घ)** संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान में ₹ 975 बढाए जाऐंगे। **(ड)** कर्मचारी क्षतिपूर्ति के लिए ₹ 825 का दायित्व बनाया जाएगा।
यह निर्णय किया गया की भविष्य में X तथा Z लाभ को 3:2 के अनुपात में बाँटेगें। आप पुनर्मूल्याकन खाता साझेदारों के पूँजी खाते और Y के अवकाश ग्रहण के पश्चात फर्म का स्थिति विवरण बनाइए।
Y retires from the firm on the above date subject to the following conditions: **(a)** Goodwill of the firm be valued at ₹ 9,000 and is not to be shown in the books of the firm. **(b)** Machinery would be depreciated by 10% and motor vans by 15%, **(c)** Stock would be appreciated by 20% and Building by 10%. **(d)** The provision for doubtful debt would be increased by ₹ 975. **(e)** Liability for workdmen's compensation to the extent of ₹ 825 would be created.

It was agreed that X and Z would share profits in future in the ratio of 3:2 respectively.
You are required to prepare the Revaluation A/c, Capital A/c of partners and Balance Sheet of the firm after the retirement of Y.
यह मानते हुए भी हल कीजिए कि साझेदार सम्पतियों व दायित्वों को उनके पुराने पुस्तक मूल्य पर ही दिखाने का निर्णय लेते हैं।
Also solve if it is assumed that partners decided to show the Assets and Liabilities at their old book values.
Ans.: (i) Revaluation profit ₹ 600, Y's loan A/c ₹ 20,200, capital A/c X ₹ 22,400, Z ₹ 11,500 B's ₹ 66,925 **(ii)** Ans. Memorandum Revaulation A/c profit ₹600 B/s ₹65500 (Total).
2. A, B और C साझेदार हैं जो कि लाभों को 4:3:2 के अनुपात में विभाजित करते हैं। 31 मार्च, 2017 को इनका स्थिति विवरण निम्न था;
A, B and C are partners sharing profits in the ratio of 4:3:2. Their Balance Sheet on 31st March, 2017 was as follows:

Balance Sheet

Liabilities		Amount(₹)	Assets	Amount(₹)
Creditors		33,000	Cash	10,400
Empolyee's Provident Fund		4,000	Debtors	15,000
General Reserve		27,000	Stock	30,000
Capital:			Machinery	50,000
A	70,000		Land and Building	1,00,000
B	45,000		Profit & Loss A/c	3,600
C	30,000	1,45,000		
		2,09,000		**2,09,000**

फर्म ने ₹ 40,000 की एक संयुक्त जीवन बीमा पालिसी ले रखी हैं। 31 मार्च, 2017 को इस पॉलिसी का समर्पण मूल्य ₹13,500 हैं। B इस तिथि को अवकाश ग्रहण करता हैं। निम्न शर्ते तय होती हैं: **(a)** भूमि एवं भवन का मूल्य ₹ 20,000 से कम मूल्यांकित हैं। **(b)** ख्याति का मूल्य ₹ 18,000 निर्धारित किया गया। **(c)** संदिग्ध ऋणों के लिये

5% दर से आयोजन बनाया जायेगा। मशीनरी का मूल्य 10% से तथा स्टॉक का मूल्य 5% से कम किया जाएगा। **(d)** कानूनी व्ययों के लिए ₹1,500 का आयोजन बनाया जायेगा। **(e)** संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी को चिट्ठे में दिखाया जाएगा।

B को ₹ 5,000 का भुगतान किया जायेगा और शेष देय राशि उसके ऋण खाते में हस्तांतरित कर दी जायेगी। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूंजी खाते तथा A और C का स्थिति विवरण बनाइये।

The firm had a Joint Life Insurance Policy for ₹ 40,000. The surrender value of the policy was ₹ 13,500 as on 31st March 2017. B retires on the above date on the following conditions:

(a) Land and Building are undervalued by ₹ 20,000. **(b)** Goodwill is to be valued at ₹ 18,000. **(c)** A provision for doubtful debts of 5% is to be created and Machinery be written down by 10% and Stock by 5%. **(d)** A provision of ₹ 1,500 be made in respect of legal charges. **(e)** Joint Life Policy will appear in Balance Sheet.

B to be paid ₹ 5,000 and balance be transferred to his loan account. Prepare Revaluation Account, Partners' Capital Accounts and Balance Sheet of A and C.

Ans.: Revaluation profit ₹ 11,250; B's Loan A/c ₹ 62,050; Cap A/c A₹ 87,400 C ₹ 38,700; B/s ₹ 2,26,650

3. ए तथा बी साझेदार हैं जिनका लाभ विभाजन अनुपात ए 1/2, बी 1/3 तथा संचय में 1/6 जे जाना हैं। 31 मार्च, 2017 को उनका स्थिति विवरण निम्नलिखित थाः

A and B are pratners sharing profits in the ratio of A 1/2 , B 1/3 and transfer to reserve 1/6. Their Balance Sheet as at 31st March, 2017 was as follows:

Liabilities	Amount(₹)	Assets	Amount(₹)
Employee's Provident Fund	18,000	Goodwill	15,000
Reserve Fund	12,000	Plant	90,000
Sundry Creditors	10,000	Patent	4,400
Profit & Loss A/c	24,000	Stock	30,000
Capitals:		Investment	20,000
A 80,000		Debtors 20,000	
B 40,000	1,20,000	Less: Provision 400	19,600
		Cash	5,000
	1,84,000		**1,84,000**

1 अप्रैल 2017 को बी अवकाश ग्रहण करता हैं। शर्ते निम्नलिखित हैंः

(i) ख्याति का मूल्याकन ₹50,000 किया जाएगा। **(ii)** पेटैंटस का मूल्य ₹ 3,000 से बढाना हैं परन्तु संयंत्र का मूल्य ₹ 15,000 अधिक किया हुआ था। **(iii)** देनदारों पर संदिग्ध ऋण प्रावधान 5% कर दिया जाएगा और देनदारों तथा लेनदारों पर 3% कटोती का प्रावधान भी किया जाएगा। **(iv)** बीमा प्रीमियम की समस्त राशि लाभ–हानि खाते में डेबिट कर दी गई थी। इसमें से ₹ 870 पूर्वदत मानते हुए आगे ले जाने हैं। **(v)** विनियोगों का मूल्यांकन ₹ 16,000 पर किया गया। इसमें से आधे विनियोग बी द्वारा ले लिए गए। **(vi)** ₹ 5,000 का कर्मचारी क्षतिपूर्ति का एक दायित्व हैं।

बी को समस्त भुगतान कर दिया गया। बी को भुगतान करने के लिए ए ने अपने संयन्त्र और स्टॉक की जमानत पर आवश्यक राशि बैक से ऋण ली।

पुनर्मूल्यांकन खाता, पूँजी खाते तथा ए का स्थिति विवरण बनाइए।

B retires on 1st April 2016. The terms were: **(i)** Goodwill is to be valued at ₹ 50,000. **(ii)** Value of Patents is to be increased by ₹ 3,000 but Plant was found over-valued by ₹ 15,000. **(iii)** Provision for doubtful debts should be 5% on Debtors and provision for discount should also be made on Debtors and Creditors at 3%. **(iv)** Out of insurance which was entirely debited to profit & Loss Account ₹ 870 be carried forward as unexpired insurance. **(v)** Investments were revalued at ₹

16,000. Half of these investments were taken over by B. **(vi)** There is a claim for Workmen's Compensation to the extent of ₹ 5,000.
B was paid off in full. A borrowed the necessary money form the bank on the security of plant and stock to pay off B. Prepare Revaluation Account, Capital Accounts and the Balance Sheet of A.
Ans.: Revaluation Loss ₹ 21,000; Bank Loan ₹ 47,000; Capital A/c A ₹ 60,000; B's ₹ 1,39,700
4. R, S तथा T एक फर्म में साझेदार थे और लाभ को 2:2:1 के अनुपात में बॉटते थे। 31-3-2014 को उनका स्थिति विवरण निम्न प्रकार था:
R, S and T were partners in a firm sharing profits in 2:2:1 ratio. On 31-3-2014, their Balance Sheet was as follows:

Liabilities	Amount (₹)	Assets	Amount (₹)
Bank loan	12,800	Cash	51,300
Sundry Creditors	25,000	Bills Receivable	10,800
Capitals		Debtors	35,600
R 80,000		Stock	44,600
S 50,000		Furniture	7,000
T 40,000	1,70,000	Plant & Machinery	19,500
Profit & Loss A/c	9,000	Building	48,000
	2,16,800		**2,16,800**

1-4-2014 को S ने फर्म से अवकाश ग्रहण कर लिया और उसके हिस्से का निर्धारण सम्पतियों के इस प्रकार पुनर्मूल्यांकन द्वारा किया गया ; स्टॉक ₹ 40,000; फर्नीचर ₹ 6,000; प्लांट मशीनरी ₹ 18,000; भवन ₹ 40,000; संदिग्ध ऋणों के लिए ₹ 1,700 का प्रावधान करना था। फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 12,000 किया गया। S को अवकाश ग्रहण पर ₹ 18,080 नकद और शेष तीन बराबर वार्षिक किस्तों में देने थे।
पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते, S का ऋण खाता और 1-4-2014 का स्थिति विवरण बनाइये।
S retired from the firm on 1-4-2014 and his share was ascertained on the revaluation of assets as follows: Stock ₹ 40,000; Furniture ₹6,000; Plant & Machinery ₹ 18,000; Building ₹ 40,000; ₹ 1,700 were to be provided for doubtful debts. The goodwill of the firm was valued at ₹ 12,000.
S was to be paid ₹ 18,080 in cash on retirement and the balance in three equal yearly installments.
Prepare Revaluation Account, Partners' Capital Accounts, S's Loan Account and Balance Sheet on 1-4-2014.
Ans.: Revaluation Loss ₹ 16,800; S's Loan A/c ₹ 33,600; Capital A/c R ₹ 73,680; T ₹ 36,840; B/s ₹ 1,81,920
5. A, B तथा C लाभ को अपनी पूँजी के अनुपात में बाँटते थे। 31 मार्च, 2017 को उनका स्थिति विवरण इस प्रकार था ;
The Balance Sheet of A, B and C who were sharing profits in proportion of their capitals, stood as follows on 31st March, 2017.

Liabilities	Amount (₹)	Assets	Amount (₹)
Sundry Creditors	6,000	Cash at Bank	5,500
Employee's Provident Fund	900	Sundry Debtors 5,000	
A's Capital A/c	16,000	Less : Provision 100	4,900
B's Capital A/c	12,000	Stock	8,000
C's Capital A/c	8,000	Plant & Machinery	8,500
Contingency Reserve	9,000	Factory Land & Building	25,000
	51,900		**51,900**

B अवकाश ग्रहण करता हैं और यह निर्णय लिया गया हैं कि फर्म द्वारा B को देय राशि निर्धारित करने से पहले संपत्तियों और दायित्वों में निम्न समायोजन किए जाए ; **(क)** स्टॉक का 6% ह्रास किया जाए। **(ख)** संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान बढाकर देनदारों पर 5% कर दिया जाए। **(ग)** फैक्टरी की जमीन तथा भवन के मूल्य में 20% की वृद्वि कर दी जाए। **(घ)** बकाया कानूनी प्रभारों के लिए ₹ 770 का प्रावधान किया जाए। **(ड़)** फर्म की ख्याति ₹ 10,800 नियत की जाए और उसमें B का हिस्सा A और C के खातों में समायोजित कर लिया जाए जो भविष्य में 5/8 : 3/8 के अनुपात में बाँटेंगे। (कोई ख्याति खाता न खोला जाए) **(च)** नव गठित फर्म की कुल पूँजी ₹ 28,000 नियत की जाए और समायोजनों के लिए A तथा C के खातों में प्रविष्टियाँ करने के बाद उनके बीच 5/8 : 3/8 के अनुपात में बाँट दी जाए (अर्थात यथास्थिति, शेष साझेदारो को अपेक्षित राशि नकद दे दी जाए या उन द्वारा लाई जाए)
उपरोक्त व्यवस्था के लेखे के लिए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए और B को देय राशि उसके खाते से ऋण खाते में हस्तांतरित करने ने बाद A तथा C का स्थिति विवरण बनाइये।

B retires and the following adjustments of the assets and liabilities have been agreed upon before the ascertainment of the amount payable by the firm to B: **(a)** That the stock be depreciated by 6% **(b)** That the provision for doubtful debts be brought upto 5% on Debtors. **(c)** That the Factory Land & Building be appreciated by 20%. **(d)** That a provision of ₹ 770 be made in respect of outstanding legal charges. **(e)** That the goodwill of the entire firm be fixed as ₹ 10,800 and B's share of the same be adjusted into the accounts of A and C who are going to share in future in the proportion of 5/8 : 3/8 (No goodwill account is to be raised). **(f)** That the entire capital of the firm as newly constituted be fixed at ₹ 28,000 between A & C in the proportion of 5/8 : 3/8 after passing entries in their accounts for adjustments (i.e. actual cash to be paid off or to be brought in by the continuing partners as the case may be).
Pass the necessary journal entries to give effect to the above arrangements and prepare the Balance Sheet of A & C after transferring the amount due to B to separate loan account in his name.

Ans. : Revaluation profit ₹ 3,600; B's Loan ₹ 19,800; Capital A/c A₹ 17,500; C ₹ 14,500; B/s ₹ 55,470

6. जे, एच तथा के एक फर्म के साझेदार थे तथा 5:3:2 के अनुपात में लाभ बाँटते थे। 31-3-2017 को उनका स्थिति विवरण निम्न प्रकार से था :

J, H and K were partners in a firm sharing profits in the ratio of 5:3:2. On 31-3-2017 their Balance Sheet was as follows :

Liabilities		Amount(₹)	Assets		Amount(₹)
Creditors		42,000	Land & Building		1,24,000
Investment Fluctuation Fund		20,000	Motor Vans		40,000
Profit & Loss A/c		80,000	Investments		38,000
Capitals:			Machinery		24,000
J	1,00,000		Stock		30,000
H	80,000		Debtors	80,000	
K	40,000	2,20,000	Less: Provision	6,000	74,000
			Cash		32,000
		3,62,000			**3,62,000**

उपरोक्त तिथि को एच ने अवकाश ग्रहण कर लिया तथा जे तथा के ने निम्न शर्तो पर व्यवसाय चालू रखने का निर्णय किया: **(i)** फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 1,02,000 किया गया। **(ii)** कर्मचारी क्षतिपूर्ति का ₹ 8,000 का एक दावा था। **(iii)** डूबत ऋणों के लिए प्रावधान को ₹ 2,000 से कम करना था। **(iv)** एच को ₹ 14,000 नकद भुगतान किया जायेगा तथा शेष का स्थानान्तरण उसके ऋण खाते में कर दिया जायेगा जिसका भुगतान चार बराबर वार्षिक किश्तों में 10% प्रतिवर्ष ब्याज के साथ किया जायेगा। **(v)** जे तथा के मध्य नया लाभ अनुपात 3:2 होगा तथा उनकी पूँजी नये लाभ अनुपात में होगी। पूँजी समायोजन चालू खाते खोलकर किया जायेगा।

पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तथा नई फर्म का स्थिति विवरण तैयार कीजिए।
On the above date H retired and J and K agreed to continue the business on the following terms: **(i)** Goodwill of the firm was valued at ₹ 1,02,000. **(ii)** There was a claim of ₹ 8,000 for workmen's compensation. **(iii)** Provision for bad debts was to be reduced by ₹ 2,000. **(iv)** H will be paid ₹ 14,000 in cash and the balance will be transferred in his loan account which will be paid in four equal yealy instalments together with interest @ 10% p.a. **(v)** The new profit sharing ratio between J and K will be 3:2 and their captials will be in their new profit sharing ratio. The capital adjustments will be done by opening current accounts.
Prepare Revaluation Account, Partner's Capital Accounts and Balance Sheet of the new firm.
Ans.: Revaluation Loss ₹ 6,000; H's Loss ₹ 1,24,800; Capital A/c J ₹ 1,05,120; K ₹ 70,080; B/s ₹ 3,81,680; Current A/c J ₹ 31,680 (Cr.); K ₹ 31680 (Dr.)

7. A, B व C का 31 मार्च 2017 का निम्न चिटठा हैं जो अपनी पूँजी के अनुपात में लाभ–हानि बाँटने के लिए सहमत हुए :
Following is the Balance Sheet of A, B and C as at 31st March, 2017, Who have agreed to share profits and losses in proportion of their capitals.

BALANCE SHEET as at 31st March, 2017

Liabilities	Amount (₹)	Assets	Amount (₹)
Capitals A/cs:		Land and Building	2,00,000
A 2,00,000		Machinery	3,00,000
B 3,00,000		Closing Stock	1,00,000
C 2,00,000	7,00,000	Sundry Debtors 1,10,000	
General Reserve	35,000	Less: Provision for D.D 10,000	1,00,000
Workmen's Comensation Reserve	15,000	Cash at Bank	1,00,000
Sundry Creditors	50,000		
	8,00,00		**8,00,000**

31 मार्च, 2017 को A ने फर्म से अवकाश ग्रहण करने की इच्छा प्रकट की तथा अन्य साझेदारों ने फर्म को चालू रखने का निर्णय लिया। सम्पतियों के पुनर्मूल्यांकन तथा देयताओं को पुनर्निर्धारण के लिए निम्नानुसार सहमति बनी: **(i)** भूमि तथा भवन को 30% बढाया जाए। **(ii)** मशीनरी पर 20% का ह्रास लगाया जाए। **(iii)** ₹17,000 के डूबे हुए ऋण पाए गए। **(iv)** कर्मचारी क्षतिपूर्ति खाते के दावे का अनुमान ₹ 8,000 लगाया गया। **(v)** फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹1,40,000 किया गया तथा A के ख्याति के अंश का समायोजन B तथा C के पूँजी खातों से, जिन्होंने फर्म को चालू रखने का निर्णय किया हैं, से किया गया तथा उन्होनें भविष्य में लाभों को क्रमशः 4:3 के अनुपात में विभाजित करने का निर्णय लिया। **(vi)** नयी फर्म की पूँजी का कुल योग, A के अवकाश ग्रहण करने से पूर्व के कुल योग के बराबर होगा तथा फर्म को चालू रखने वाले साझेदारों के लाभ विभाजन के नए अनुपात में होगा। **(vii)** A को कुल देय धनराशि में से ₹50,000 का नकद भुगतान कर दिया जाएगा तथा शेष को उसके ऋण खाते में हस्तान्तरित कर किया जाएगा, भुगतान बाद में होगा।
पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तथा A के अवकाश ग्रहण करने के उपरान्त फर्म का स्थिति–विवरण तैयार कीजिए।
On 31st March,2017, A desired to retire from the firm and the remaining partners decided to carry on the business. It was agreed to revalue the assets and reassess the liabilities on the following basis: **(i)** Land and Building to be appreciated by 30%. **(ii)** Machinery be depreciated by 20%. **(iii)** There were Bad Debts of ₹ 17,000. **(iv)** The claim on account of Workmen's Compensation was estimated at ₹ 8,000. **(v)** Goodwill of the firm was valued at ₹ 1,40,000 and A's share of Goodwill be adjusted against the capital Account of the continuing partners B and C who have decided to share future profits in the ratio of 4:3 respectively. **(vi)** Capital of the new firm in total will be the

same as before the retirement of A and will be in the new profit sharing ratio of the continuing partners. **(vii)** Amount due to A be settled by paying ₹ 50,000 in cash and the balance by transferring to his Loan Account which will be paid later on.

Prepare Revaluation Account, Capital Accounts of partners and Balance Sheet of the firm after A's retirement.

Ans.: Revaluation Loss ₹ 7,000; A's Loan ₹ 2,00,000; Capital A/c B ₹ 4,00,000; C ₹ 3,00,000; B/s ₹ 95,800

A, B व C एक फर्म में साझेदार हैं जो 2:2:1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। उनका 31.12.2016 का स्थिति विवरण इस प्रकार हैं। 31.3.2017 को C अवकाश ग्रहण करता हैं।

8. A, B and C partners sharing profits and losses in the ratio of 2:2:1. C retires on 31st March, 2017. The Balance Sheet of the firm as at 31st December, 2016 stood as follows:

Liabilities		Amount (₹)	Assets	Amount (₹)
Capital A/cs:			Land and Building	10,00,000
A	6,00,000		Investment	1,25,000
B	6,00,00		Stock	2,50,000
C	4,00,000	16,00,000	Sunday Debtors	4,00,000
General Reserve		4,00,000	Cash at Hand	1,00,000
Sundry Creditors		1,00,000	Cash at Bank	2,25,000
		21,00,000		**21,00,000**

C को देय राशि की गणना के लिए निम्न पर आपसी सहमति हुयी। 1. भूमि व भवन का मूल्यांकन ₹ 1,20,0000 पर किया गया। 2. विनियोग ₹ 1,00,000 पर मूल्यांकित किये गये। 3. स्टॉक का मूंल्याकन ₹ 3,00,000 पर किया गया। 4. ख्याति का मूंल्याकन पिछले 5 वर्षो के औसत लाभों के दो वर्षो के क्रय के आधार पर किया जायेगा। तथा ख्याति पुनर्गठित फर्म की पुस्तकों में नहीं दिखायी जायेगी। 5. C के अवकाश ग्रहण की तिथि तक के लाभों में हिस्से की गणना पिछले तीन वर्षो के औसत लाभों के आधार पर की जायेगी। पिछले 5 वर्षो के लाभ इस प्रकार थे।

वर्ष	2012	2013	2014	2015	2016
लाभ (₹)	1,80,000	2,20,000	3,00,000	2,75,000	3,25,000

6. C को देय राशि उसके ऋण खाते में हस्तांतरित की जायेगी। जिस पर 10% वार्षिक ब्याज देय होगा। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते व 31.3.2017 का चिटठा बनाइये।

In order to arrive at the balance due to C, it was mutually agreed that. **(i)** Land and Building be valued at ₹ 12,00,000. **(ii)** Investments to be valued at ₹ 1,00,000. **(iii)** Stock be taken at ₹ 3,00,000. **(iv)** Goodwill be valued at two years' purchase of the average profit of the past five years. Goodwill will not appear in the books of reconstituted firm. **(v)** C's share of profits upto the date of retirement be calculated on the basis of average profit of the preceding three years.

The profits of the preceding five years were as under:

Year	2012	2013	2014	2015	2016
Profits (₹)	1,80,000	2,20,000	3,00,000	2,75,000	3,25,000

(vi) Amount payble to C is to be transferred to his Loan Account carrying interest 10% p.a..

You are required to prepare the Revaluation Account, Partners' Capital Accounts, and the Balance Sheet as at 31st March. 2017.

Ans : Revaluation profit ₹ 2,25,000; C's Loan ₹ 6,44,000; Capital A/c : A ₹ 7,98,000; B ₹ 7,98,000; B/s ₹ 23,40,000

9. P, Q व R एक फर्म में साझेदार थे और लाभों को 2:2:1 के अनुपात में बाँटते थे। साझेदारी संलेख में प्रावधान था कि किसी साझेदार की मृत्यु पर उसके वैधानिक प्रतिनिधि निम्न के अधिकारी होंगेः **(i)** पूँजी पर 12% प्रतिवर्ष

की दर से ब्याज। **(ii)** आहरण पर 18% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज। **(iii)** ₹ 12000 प्रतिवर्ष का वेतन। **(iv)** पिछले वर्ष के लाभ के आधार पर फर्म के लाभ में हिस्सा (मृत्यु की तिथि तक)

31.5.2017 को P की मृत्यु हो गयी। उसकी पूँजी 31.3.17 को ₹ 80000 थी। उसने ₹ 15000 निकाले थे और उसके आहरण पर ब्याज की गणना ₹ 1200 की गयी। 31.3.2017 को समाप्त पिछले वर्ष के लिए फर्म का लाभ ₹ 30000 था।

P के वैधानिक प्रतिनिधियों को देने के लिए, उनका पूँजी खाता तैयार कीजिए।

P, Q and R were partners in a firm sharing profits in 2:2:1. The partnership deed provided that on the death a partner, his Executors will be entitiled for the following. **(i)** Interest on capital @ 12% p.a. **(ii)** Interest on Drawing @ 18% p.a. **(iii)** Salary ₹ 12000 p.a.. **(iv)** Share in the profits the Firm (upto the date death) on the basis previous year's profits.

P died on 31-5-2017. His capital was ₹ 80,000 as on 31st March, 2017. He had withdrawn ₹ 15,000 and Interest on his drawings was calculated as ₹ 1,200. The profit the firm for the previous year ended 31-3-2017 was ₹ 30,000.

Prepare P's capital Account to be presented to his Executors.

10. A, B व C साझेदार हैं जो लाभों को 3:2:1 के अनुपात में विभाजित करते हैं। उन्होने ₹ 60000 की संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी ले रखी हैं जिसका वार्षिक प्रीमियम ₹ 4000 लाभ–हानि खाते में लिखा जाता हैं। फर्म के खाते प्रतिवर्ष 31 मार्च को बंद किये जाते हैं। 1 अगस्त 2017 को C की मृत्यु हो जाती हैं। अपनी पूँजी व बीमा राशि के हिस्से के साथ – साथ C के वैधानिक प्रतिनिधि को निम्न भुगतान प्राप्त करने का अधिकार होगा।

(i) मृत्यु की तिथि तक 10% वार्षिक दर से पूँजी पर ब्याज **(ii)** साझेदार का लाभ में हिस्सा जो गत तीन वर्षो के औसत लाभ पर आधारित होगा। **(iii)** साझेदार का ख्याति में हिस्सा जिसकी गणना गत चार वर्षो के औसत लाभ के तीन वर्ष के क्रय के आधार पर होगी 1 अप्रैल 2017 को C की पूँजी ₹ 90000 थी, जबकि इस तिथि से मृत्यु की तिथि तक C ने ₹ 5,500 के आहरण किये थे गत चार वर्षो के लाभ इस प्रकार थेः ₹ 16,000, ₹ 26,000, ₹ (6,000) हानि, ₹ 34,000। C की पूँजी खाता बनाइये।

A, B and C are partners sharing profits in the ratio of 3:2:1. They had a Joint life policy ₹ 60,000 and the annual premiuum ₹ 4,000 has been charged to Profit and Loss Account every year. Account are closed on 31, March annually. C died on 1st August 2017 beside his of capital and insurance money, C's legal representatives are entitled to:

(i) Interest on capital at 10% per annum up to the date death. **(ii)** His share profits based on average profits to the last three years. **(iii)** His share goodwill which is to be calculated at three year's purchase of the average profit of last 4 Years. C's capital on 1-4-2017 stood at ₹ 90,000 and his drawings from that date to the date death amounted to ₹ 5,500.

Profits for the last Four years were ₹ 16,000, ₹ 26,000, ₹ (6,000) Loss, ₹ 34,000

Prepare C's Capital Account.

Ans.: ₹ 1,07,250

11. P, Q व R एक फर्म में साझेदार थे और लाभ विभाजन 3:2:1 के अनुपात में करते थे। उनका स्थिति विवरण निम्न था।

P, Q and R were partners in a Firm sharing profits in the ratio 3:2:1. Their Blance sheet was as follows.

Balance Sheet as at 31-12-2016

Liabilities	Amount (₹)	Assets	Amount (₹)
Creditors	30,000	Cash	40,000
Bills Payable	40,000	Stock	40,000
General Reserve	60,000	Debtors	70,000
Capital A/c's :		Building	2,00,000

P	1,30,000		Land	3,00,000
Q	2,00,000		Goodwill	30,000
R	4,00,000	7,30,000	P&L A/c	1,50,000
			(Loss of the year 2016)	
			Loan to R	30,000
		8,60,000		**8,60,000**

R की 14 मार्च 2017 को मृत्यु हो गयी। किसी साझेदार की मृत्यु पर साझेदारी संलेख में प्रावधान थे।

(i) ख्याति का मूल्याकन पिछले 5 वर्षो के औसत लाभ के 3 वर्षो के क्रय के आधार पर होगा।

वर्ष	2015	2014	2013	2012
लाभ	₹ 70000	₹ 80000	₹ 110000	₹ 220000

(ii) R के लाभ या हानि का उनकी मृत्यु तक का हिस्सा 31-12-2016 के लाभ/हानि के आधार पर निकाला जायेगा।

आप निम्न की गणना करें।

(i) फर्म की ख्याति व मृत्यु के समय R के हिस्से की ख्याति **(ii)** फर्म के लाभ हानि में R के हिस्से की गणना उसकी मृत्यु तक R का पूँजी खाता बनाएं जो उसकी मृत्यु पर उसके प्रतिनिधि को दिया जायेगा।

R died on 14-3-2017. The partnership deed provided for the following on the death a partner.

(i) Goodwill of the Firm was to valued at 3 years purchase a the average profit a last 5 years.

Years	2015	2014	2013	2012
Profits	₹ 70,000	₹ 80,000	₹ 1,10,000	₹ 2,20,000

(ii) R's share of profit or loss till the date of his death was to be calculated on the basis of the profits or loss for the year ending on 31-12-16. You are required to calculate the followings :

(i) Goodwill of the Firm and R's share of goodwill at the time of his death.

(ii) R's share in the Profit or Loss of the firm till the date of his death.

Prepare R's Capital Account at the time of his death to be presented to his Executors.

Ans.: ₹ 3,78,000

12. P, Q व R एक फर्म में साझेदार थे। 31-3-2017 को उनका स्थिति विवरण इस प्रकार था।

P, Q and R were partners in a firm. Their Balance Sheet as at 31st March, 2017 was as follows:

Balance Sheet

As at 31 March, 2017

Liabilities		**Amount (₹)**	**Assets**	**Amount (₹)**
Sundry Creditors		25,000	Cash	6,000
Reserve Fund		20,000	Stock	12,000
Capital A/c's :			Bills Receivables	6,000
P	15,000		Debtors	15,000
Q	10,000		Investment	15,000
R	10,000	35,000	Building	26,000
		80,000		**80000**

साझेदारी संलेख में प्रावधान हैं कि लाभ 2 : 1 : 1 के अनुपात में बाँटे जायेंगे और साझेदार की मृत्यु की स्थिति में उसके वैधानिक प्रतिनिधि निम्न के अधिकारी होंगे :

(i) स्थिति विवरण की तिथि को उसके क्रेडिट में पूँजी। **(ii)** गत स्थिति विवरण की तिथि को संचय में उसका हिस्सा। (iii) गत तीन वर्षों के औसत लाभ के आधार पर उसमें 10% जोड़कर, मृत्यु की तिथि तक लाभ का उसका हिस्सा और **(iv)** ख्याति के रूप में पिछले तीन वर्षो के कुल लाभ का उसका हिस्सा। **(v)** भवन के पुनर्मूल्यांकन पर लाभ ₹ 4,000 में हिस्सा। **(vi)** गत तीन वर्षो का शुद्ध लाभ था : ₹ 15000, ₹ 16000 व ₹ 17000।

R की 30-6-17 को मृत्यु हो गयी। अपनी मृत्यु की तिथि तक उसने ₹ 5000 निकाले थे। निवेश को सम मूल्य पर बेचा गया और R के वैधानिक प्रतिनिधियों को भुगतान कर दिया गया।
साझेदारों के पूँजी खाते, R के वैधानिक प्रतिनिधि का खाता और शेष साझेदारों P व Q का स्थिति–विवरण बनाइये।
The Partnership deed provides that the profits be shared in the ratio 2:1:1 and that in the event death the partner, his executors will be entitled to be paid out;
(i) The Capital's to his credit at the date of Balance sheet. **(ii)** His proportion of reserve at the date Balance sheet. **(iii)** His proportion of profits of the last 3 years, plus 10% and **(iv)** By way Goodwill, his proportion of the total profits for the three preceding years. **(v)** share in profits on revaluation of building which is ₹ 4000 **(vi)** The net profits of last 3 years : ₹ 15000, ₹ 16000 and ₹ 17000.
R died on 30-06-2017. He had withdrawn ₹ 5000 upto the date of his death. The investments were sold at par and R's executors were paid off.
Prepare Partner's Capital Accounts, R Executor's Account and Balance sheet of surviving partners P and Q.
Ans.: R's Executor ₹ 24,100. Cap A/c P ₹ 19,000; Q ₹ 12,00; B/s ₹ 64,100
13. A, B व C एक फर्म में 2:2:1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हुए साझेदार हैं। फर्म के सभी साझेदारों के जीवन पर ₹ 80,000 की एक संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी एक अप्रैल 2012 को ली। पॉलिसी का समर्पण मूल्य इस प्रकार हैं : 31-3-13 : शून्य , 31-3-14 ₹ 2,000; 31-3-15 ₹ 4,000 तथा 31-3-16 ₹ 6,000
1 जून 2016 को C की मृत्यु हो गयी। फर्म की पुस्तकों में आवश्यक खाते बनाइये। यदि
(i) प्रीमियम को व्यापारिक खर्चा माना जाता हैं। **(ii)** प्रीमियम को विनियोग माना जाता हैं। **(iii)** प्रीमियम को विनियोग माना जाता हैं तथा संचय का निर्माण किया जाता हैं।
A, B and C are partners in a firm sharing profits in the ratio 2:2:1. The firm had taken a Joint Life Policy ₹ 80000 on the Lives all the partners on 1-4-2012. The firm pays annual premium ₹ 6000. The surrender value of the policy is as under:
31-3-13 Nil, 31-3-14 ₹ 2000; 31-3-15 ₹ 4000 and 31-3-16 ₹ 6000
C died on 1-6-2016, prepare the necessary accounts in the books the Firm. **(i)** If Premium paid is treated as trade expenses. **(ii)** Premium paid is treated as an investment. **(iii)** Premium paid is treated as investment and reserve is created.
14. A, B व C साझेदार हैं और लाभों को 3:2:1 के अनुपात में बाँटते हैं। 31–3–2017 को उनका स्थिति विवरण इस प्रकार था।

A, B and C are partners sharing profit in 3:2:1 ratio. Their Balance Sheet as at 31st March, 2017 was as follows:

Balance Sheet as on 31-03-2017

Liabilities		Amount (₹)	Assets	Amount (₹)
Bills Payble		12,000	Cash in hand	12,000
Creditors		14,000	Bank	13,700
General Reserve		12,000	Debtors	12,000
Capital A/c's:			Bills Receivable	4,300
A	20,000		Stock	1,750
B	12,000		Investment	13,250
C	8,000	40,000	Buildings	21,000
		78,000		**78,000**

B की 30–06–2017 को मृत्यु हो गयी। उक्त साझेदारी संलेख के अनुसार उसके वैधानिक प्रतिनिधि निम्नलिखित भुगतान के अधिकारी है:

(i) उसकी मृत्यु के समय उसके क्रेडिट में पूँजी और उस पर 10% वार्षिक दर से ब्याज। **(ii)** सामान्य संचय का उसका आनुपातिक हिस्सा। **(iii)** बीच की अवधि के लिए लाभ में उसका भाग उस अवधि के दौरान विक्रय पर आधारित होगा। बिक्री की गणना ₹1,20,000 की गयी है। गत तीन वर्षों के दौरान लाभ की दर विक्रय पर 10% रही है। **(iv)** उसके लाभ के भाग के अनुसार ख्याति की गणना तीन वर्षों के लाभ के दुगुने में से 20% घटाकर की जायेगी। पिछले तीन वर्ष के लाभ थे : ₹ 8,200; ₹9,000; ₹9,800। निवेश की सममूल्य पर बेचा गया और उसके वैधानिक प्रतिनिधियों को भुगतान कर दिया गया।

B का पूँजी खाता और उसके वैधानिक प्रतिनिधि का खाता बनाइये।

B died on 30-06-2017 and according to the deed of the partnership. His executors were entitled to be paid as under:

(i) The capital to his creditor at the time of his death and interest there on @ 10% p.a.. **(ii)** His proportionate share of General Reserve. **(iii)** His Share of profit for the intervening period will be based on the sales during that period. Sales were calculated as ₹1,20,000. The rate of profit during past three years had been 10% on sales. **(iv)** Goodwill according to his share of profit to be calculated by taking twice the amount of the profits of the last three years less 20%. The profits of previous three years were: ₹8,200; ₹9,000; ₹9,800. The Investment were sold at par and his executers were paid out.

Prepare B's Capital Account and his Executer's Account.

Ans.: ₹34,700.